शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 05 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-245

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

SEVA · KNOWLEDGE · ECONOMIC EMPOWERMENT · JITO

भव्य उद्घाटन समारोह

JITO CONNECT

JITO LADIES | JITO KKG ZONE | JITO BENGALURU NORTH

Title Sponsor
NIRMAL JEWELLERS SANJAYNAGAR

JITO Zewar Expo & The Bridal STORY —By JITO

Grace | Glamour | Gharana

A Celebration of Timeless Jewellery & Bridal Extravaganza

Food Sponsor: S.K.Jewels (Temple & Traditional Jewellery, BENGALURU)
Co-Sponsor: Plus Genuine Parts | COOL COLORS CASUALS
Associate Sponsor: Peetex
Powered by DRESSCODE
Associate Sponsor: Happilo | Bengaluru Cafe | Kraftors
Media Partner: NEWS
Logistic Partner: SEQUEL

100 से अधिक प्रदर्शक	5th, 6th & 7th September 2025	स्थल: त्रिपुरावासिनी, गेट नं. 2 पैलेस ग्राउंडस्, बेंगलोर	10.00 AM Onwards नि:शुल्क प्रवेश

उद्घाटन दिवस: शुक्रवार दि. 5-9-2025

सुबह 9-30 बजे: भव्य उद्घाटन समारोह

उद्घाटनकर्ता
श्री डी.के. शिवकुमार
उपमुख्यमंत्री कर्नाटक सरकार

मुख्य अतिथि
श्री लहर सिंह सिरोहिया
राज्यसभा सदस्य

गरिमामय उपस्थिति

श्री दिनेश गुंडुरॉव — स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नाटक सरकार | श्री पी.सी. मोहन — माननीय सांसद बेंगलोर सेन्ट्रल | श्री प्रिया कृष्णा — माननीय विधायक गोविंदराजनगर, बेंगलोर

शून्य से शिखर तक 2.0
JOURNEY TO SUCCESS...

Shri Prithviraj Ji Kothari
Chairman RSBL, Mumbai
The Bullion King
Speaking about his
Life Journey

सायं: 5-30 बजे से नेटवर्किंग एवं भोजन
सायं 6-30 बजे से शून्य से शिखर तक सत्र का शुभारंभ

गरिमामय उपस्थिति - टीम जीतो अपेक्स

पृथ्वीराज कोठारी (चेयरमैन) | हिमांशु जे. शाह (वाईस - चेयरमैन) | विजय बी. भंडारी (प्रेसिडेंट) | कमलेश आर. सोजतिया (वाईस प्रेसिडेंट) | नरेन्द्र श्रीश्रीमाल (वाईस प्रेसिडेंट) | ललितकुमार डांगी (सेक्रेटरी जनरल) | श्रीपाल बच्छावत (सेक्रेटरी) | संपतराज चपलोत (कोषाध्यक्ष) | डी.के. जैन (सह कोषाध्यक्ष)

महावीर चपलोत (सेक्रेटरी) | नरेन्द्र सामर (स्पेशल इनवाईटी) | रमेशकुमार हरण (चेयरमैन श्रमण आरोग्यम्) | भेरुमल भंडारी (डायरेक्टर) | प्रियंका परमार (डायरेक्टर) | प्रवीण बाफना (डायरेक्टर - चेयरमैन केकेजी झोन) | प्रवीण शाह (डायरेक्टर) | सोनाली दुगड़ (डायरेक्टर) | शैलेश हरण (डायरेक्टर)

विशिष्ट अतिथि गण

बी. रमेशचंद बोहरा (वाईस चेयरमैन - जेएटीएफ) | पारस चौवटिया (वाईस प्रेसिडेंट - श्रमण आरोग्यम) | कैलाश गुलेच्छा (चेयरमैन - जेबीएन) | अजय बी. जैन (चीफ सेक्रेटरी-जेबीएन) | शीतल दुगड़ (चेरपर्सन-JLW) | रीतु चोरडिया (चीफ सेक्रेटरी-JLW) | रजत एम.हरडी (चेयरमेन-JYW) | निकुंज पी. ओसवाल (चीफ सेक्रेटरी-JYW) | दिलीप जैन (चीफ सेक्रेटरी-केकेजी झोन) | ओमप्रकाश जैन (कोषाध्यक्ष-केकेजी झोन)

भूतपूर्व चेयरमैन जीतो बेंगलोर

तेजराज गुलेच्छा (पास्ट चेयरमेन - जीतो अपेक्स) | प्रकाशचंद सिंघवी (पास्ट वाईस चेयरमेन - जीतो अपेक्स) | राजेन्द्र गाँधी (पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर) | पारस जैन (भंडारी) (पास्ट वाईस प्रेसिडेंट- जीतो अपेक्स) | श्रीपाल खिंवेसरा (पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर) | अशोक एस. नागोरी (पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर) | किरण गाला (पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर प्लस) | बी. इंदरचंद बोहरा (पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर नोर्थ) | दिनेश बोहरा (पास्ट चेयरमेन - जीतो बेंगलोर साउथ)

जीतो बेंगलूरु नोर्थ चैप्टर फाऊंडेशन

विमल कटारिया (चेरयमैन) | कमल पुनमिया (वाईस चेरयमैन) | दिनेश बाफना (वाईस चेरयमैन) | विजय सिंघवी (चीफ सेक्रेटरी) | अशोक जी. भंडारी (सेक्रेटरी) | मदन बी. जैन (सेक्रेटरी) | पंकज एस. बालर (सेक्रेटरी) | प्रितेश जैन (सेक्रेटरी) | नरेन्द्र आच्छा (कोषाध्यक्ष) | किशोर कर्णावट (सह कोषाध्यक्ष)

अरुणकुमार नाहर, अरविंदकुमार टपरावत, बी. रमेशचंद बोहरा, दिनेशकुमार खिंवेसरा, दिनेश लोढा, नेमीचंद दलाल, नितेशकुमार गांधी, प्रमीत जे. बाफना, प्रवीणकुमार चौहान
रमेशचंद बी. दक, राकेश पोखरना, सतिश पोरवाड़, शेखर जैन, सिद्धार्थ पटवा, सुनिलकुमार डी., संजय पित्तलिया, सुनिलकुमार लोढा, सुरेशकुमार गन्ना, विनोद नंदावत

जीतो बेंगलूरु नोर्थ लेडीज विंग

लक्ष्मी बाफना (चेरपर्सन) | सुमन सिंघवी (वाईस चेरपर्सन) | सुमन वेदमुथा (वाईस चेरपर्सन) | रक्षा छाजेड़ (चीफ सेक्रेटरी) | मीना बड़ेरा (जाईंट सेक्रेटरी) | सुमन रांका (जाईंट सेक्रेटरी) | तनुजा मेहता (ट्रेजरर)

अलका लोढा, बिंदु नाहर, लेखा गाँधी, मोना आंचलिया, नंदा बाफना, नेहा भंडारी, नीता गादिया, प्रेमा रांका, पुष्पा जैन, साधना धोका, संगीता मुथा, संगीता नागोरी, साक्षी जैन, स्वीटी नाहर

जीतो झेवर एक्सपो संयोजक: सुरेशकुमार गन्ना (संयोजक) | प्रवीण गन्ना (सह संयोजक) | संजीव गन्ना (सह संयोजक)

दी ब्रैडल स्टोरी संयोजिका: सुमन सिंघवी (संयोजिका) | बिंदु नाहर (सह संयोजिका)

जीतो बेंगलोर नोर्थ चैप्टर फाऊंडेशन

85, 1st Floor, 59th Cross, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore - 560010, Mob: 99025 69865, E-mail: bangalorenorth@jito.org, Website: jitobangalorenorth.org

Open for all

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की तैयारियां पूरी

आज से सुसज्जित त्रिपुरा वासनी में लगेगी विशाल प्रदर्शनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ, जीतो एपेक्स महिला विंग एवं जीतो केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली भव्य प्रदर्शनी जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं। बेंगलूरु के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा आभूषण के साथ विवाह से संबंधित जरूरतों का यह एक्सपो का तीन दिवसीय आयोजन शुक्रवार से 7 सितम्बर तक बेंगलूरु के त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स में होगा।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने बताया कि इस एक्सपो में भारत से जीतो एपेक्स के सभी पदाधिकारी भाग लेंगे एवं कर्नाटक सरकार से उपमुख्यमंत्री के साथ अन्य काफी मंत्री भी उद्घाटन समारोह में पधारेंगे। इस प्रदर्शनी में भारत के शीर्ष ज्वैलर्स, डिजाइनर्स और वेडिंग से संबंधित जरूरतों को एक ही छत के नीचे पूरी करने आएँगे। यहाँ आने वाले परिवारों और वैवाहिक सूत्र में बंधने वाले दूल्हा-दुल्हनों को एक संपूर्ण विवाह एवं लाइफस्टाइल अनुभव मिलेगा। एक्सपो के मुख्य आकर्षणों में 100 प्लस प्रदर्शक, 1,00,000 वर्गफुट क्षेत्रफल, देशभर के प्रतिष्ठित ब्रांड व डिजाइनर्स, सम्पूर्ण वेडिंग सॉल्यूशन्स (कुट्योर, डेकोर, फोटोग्राफी, मेकअप, लक्जरी सेवाएँ) विशेष एचएनआई एवं फैमिली विजिटर्स के लिए आकर्षण, 50,000 प्लस विजिटर्स का संगम शामिल है। महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि विलासिता, संस्कृति और शिल्प कौशल का उत्सव है। परंपरा और आधुनिकता दोनों रेल की पटरी की तरह साथ साथ हैं। इसका अद्भुत संगम बेंगलूरु ही नहीं पूरे भारत को एक अविस्मरणीय अनुभव देगा। आभूषण और परिधान मुख्य आकर्षण होंगे। जिसमें सोना, हीरा, पोल्की, कुंदन, रत्न एवं चाँदी के नवीनतम डिजाइन, वेडिंग आउटफिट्स, डिजाइनर लहंगे, साड़ियाँ, शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न परिधान, डेकोरेशन, फोटोग्राफी, इवेंट मैनेजमेंट, इनविटेशन, मेकअप और ब्यूटी प्रोडक्ट्स शामिल है। संयोजक सुरेश गन्ना, सह संयोजक संजीव गन्ना व प्रवीण दक ने बताया कि यह प्रदर्शनी हर वर्ग के आगंतुकों के लिए विशेष अनुभव की छाप छोड़ेगी। मार्केटिंग संयोजक प्रीतेश जैन ने प्रदर्शनी हेतु प्रचार प्रसार संबंधित जानकारी प्रदान की। लेडीस विंग अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना एवं मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने ब्राइडल स्टोरी की तैयारियों की समीक्षा की। संयोजक सुमन सिंघवी व सह संयोजक बिंदु नाहर ने कहा कि परिधान और एक्सेसरीज इस एक्सपो की भव्यता में सोने पर सुहागा जैसे हे। जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत के अनुसार ज्वैलरी एवं कपड़ों की आधुनिक डिजायन एक ही छत के नीचे मिलने का यह स्वर्णिम अवसर जिसका लाभ प्रत्येक अपभोक्ता को उठाना चाहिये। जीतो केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना के अनुसार जीतो का यह प्रयास न केवल बेंगलूरु की जनता के लिये राहत भरा साबित होगा अपितु राजस्व बढ़ाने वाला भी सिद्ध होगा। प्रतिदिन लकी ड्रॉ का आयोजन होगा, जिसमें गोल्ड चेन, डायमंड रिंग और बम्पर प्राइज में कार शामिल है। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक निर्मल ज्वैलर्स, सह प्रायोजक ड्रेसकोड, फूड प्रायोजक एस के ज्वैल्स, सहायक प्रायोजक एन वी प्लस, सहयोगी प्रायोजक डूगरपुर सी पी टेक्स, हैप्पीलो, क्राफ्टर, कूल कलर व बेंगलूरु कैफे के सहयोग से सम्पन्न होगा।

प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क

इस प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। यह आयोजन न केवल होने वाले दूल्हा दुल्हनों के लिए बल्कि ज्वेलरी प्रेमियों, परिवारों और वेडिंग प्लानर्स के लिए भी आदर्श गंतव्य सिद्ध होगा। बेंगलूरु वासियों के लिए यह जीवनभर का अनुभव होगा। जहाँ सपनों की शादी और कालातीत आभूषण, दोनों एक ही छत के नीचे मिलेंगे। इस भव्य आयोजन के उद्घाटन समारोह में जीतो एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी के साथ जीतो एपेक्स, केकेजी जोन एवं जीतो बेंगलूरु के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोहिया, विशिष्ट अतिथियों में सांसद पी. सी. मोहन, कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, विधायक और पूर्व उप मुख्यमंत्री सी. एन. अश्वथ नारायण, विधायक एम. कृष्णप्पा तथा विधायक प्रिया कृष्णा उपस्थित रहेंगे।

गुरु के प्रति आस्था, श्रद्धा से जीवन बनता है पवित्र: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने गुरुपद महापूजन के अंतर्गत गुरु की महिमा समझाते हुए कहा कि गुरु के प्रति आस्था, श्रद्धा- से जीवन पवित्र बन जाता है।

गुरु हमारे कवच है, जो उनकी भक्ति करता है, वो हमेशा सुखी रहता है। साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि राजेंद्र सूरी धर्म के सच्चे मार्गदर्शक एवं प्रखर विद्वान, दृढ़ संकल्पी और कुशल प्रशासक थे। राजेन्द्र सूरिश्वर को युग पुरुष बताते कहा कि आज 119 वर्षों बाद भी दादा गुरुदेव को हम उनकी त्याग तपस्या और उनके ज्ञान की वजह से हमेशा याद करते हैं। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि जिनशासन के कोहिनूर रत्न, चारित्र चूड़ामणि, कलिकाल कल्पतरु, अर्हत् ध्यान योगी, क्रियोद्धारक, श्रमण रत्न, सुविशुद्ध चारित्र पालक, गंभीर गणनायक, भवोदधि तारक, हाजरा हूजुर, अभिधान राजेन्द्र कोष रचयिता, ऋषभजी-केशरमां के राजदूलारे, हम सभी के अनंत आस्था के आयाम, विश्वपूज्य प्रातः स्मरणीय दादा गुरुदेव आचार्य देवेश श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी का महा-पूजन सभी के जीवन में मंगल करने वाला बने यही मंगल भावना है। लाभार्थी परिवार का संघ की ओर से बहुमान किया गया। साध-वीवृंद को आगामि 2026 के चातुर्मास की विनंती लेकर आदिनाथ जैन संघ ठाकुरद्वार मुबंई के ट्रस्टीगण उपस्थित हुए। आगामी 2026 का चातुर्मास श्री आदिनाथ ठाकुरद्वार जैन संघ में होगा। गुरुदेव की 108 दीपक का लाभ कमलाबाई मोहनलाल मोहन डायमंड ने लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती चंद्रकांत जैन मंगल दीपक किशोरमल जैन ने लिया। विपिन पोरवाल ने भक्ति की रमझट में सभी को भाव विभोर किया। राजेन्द्र नवयुवक मंडल दावणगेरे की बहुओं ने सराहनीय सहयोग किया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया। संघ की ओर से सभी लाभार्थी परिवार का और अतिथिगणो का बहुमान किया गया।

संसार को नहीं मन को जितने का करें प्रयास: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि इंसान संसार में बहुत कुछ जितना चाहता है। जितने के लिए हर संभव प्रयास भी करता रहता है। लेकिन दुनिया जितने से कुछ नहीं मिलने वाला है। संसार को जीत लिया और खुद को नहीं जीता तो सब बेकार है। मनुष्य अगर अपने मन को जीत ले तो समझो सब कुछ जीत लिया। जैसा मन सोचता है मनुष्य वैसा ही हो जाता है। मन का मतलब आत्मा होता है। मन अगर भटक रहा है तो आत्मा का कल्याण कभी नहीं होगा। मन के जीते जीत है मन के हारे हार है। जैसा मनुष्य करना चाहता है वैसा वह हो जाता है। पाप के नतीजे भोगने ही पड़ते हैं। इस लिए कहते हैं जितना हो सके उतना पाप करने से बच जाना चाहिए। इस सांसारिक मायाजाल में फंस कर मनुष्य पाप कर रहा है। मन जब तक भटकता रहेगा तब तक मानव जीवन का कल्याण सभव नहीं होगा। मन एक पल में मुंबई तो दूसरे पल ही मद्रास चला जाता है। मन जब तक नियंत्रित नहीं होगा तब तक धर्म कार्य नहीं हो सकता है। जैसा मनुष्य का चित्त वासना, मोह और माया में है, वैसा ही चित्त भगवान में हो जाए तो संसार से पार लग जाएगा। वासना, मोह, माया ही संसार है। जब तक मोह है तब तक संसार है। जब तक इससे दूर नहीं होंगे कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इंद्रियां बहुत ही बलवान होती है। बड़े बड़े विद्वान भी इंद्रियों के सामने झुक जाते हैं। एक मात्रा के अंतर से शास्त्र शस्त्र हो जाता है। इसी प्रकार एक छोटा पाप भी पाप की ही श्रेणी में आता है। मानव जन्म बहुत ही दुर्लभ है। अगर मिला है तो इसको ऐसे ही व्यर्थ नहीं करना चाहिए। जो मनुष्य अपनी वासना, विकार, मोह और मन को जीत लेगा, उसको किसी और चीज की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। ऐसा करने पर मनुष्य अपने इस अनमोल भव का कल्याण संभव कर सकता है। इस मौके पर उगमराज लुणावत की विशेष उपस्थिति रही। महामंत्री मनो-हरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को मध्यान 2 बजे से प्रवचन में युग प्रधान एका भवतारी आचार्य सम्राट श्री जयमलजी का 318वां जन्मदिवस मनाया जाएगा।

तृप्ति की भागदौड़ में जीवन मूल्यों की सुरक्षा करें: साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कितना कठिन है कीचड़ में रहकर कीचड़ से अनछुए कमल जैसा जीवन जीना। पदार्थ कभी किसी को नहीं बांधता। हम ही बेजान पदार्थों की मूर्च्छा में बंध जाते हैं। सचमुच आसक्ति का अहसास इतना नशीला है कि बुराई को बुराई जानते-मानते हुए भी हम स्वयं को उससे बचा नहीं पाते। उक्त विचार व्यक्त करते हुए आचार्य भिक्षु के 223 वें चरम महोत्सव के द्वितीय चरण में राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में श्रावक समाज को संबोधित करते हुए साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा आचार्य भिक्षु का समग्र दर्शन विशुद्ध महावीर का दर्शन है। आचार्य भिक्षु ने धर्म का वह स्वरूप बताया जो मौलिक है। उन्होंने कहा त्याग धर्म है, भोग अधर्म है। अहिंसा धर्म है, हिंसा अधर्म है। अपरिग्रह धर्म है, परिग्रह अधर्म है। सुख-सुविधाओं का सहज उपलब्ध होना और सुविधावादी बनना, दोनों में बहुत अन्तर है। एक में आवश्यकता और उपयोगिता का दृष्टिकोण है दूसरी में उपयोग और आकांक्षाओं की पूर्ति का झूठा प्रयत्न है। जरूरत है तृप्ति की भागदौड़ में जीवन मूल्यों को सुरक्षा देने की। महिला मंडल की बहनों के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। साध्वी वर्धमानयशाजी ने एक गीतिका के माध्यम से अपनी श्रद्धा समर्पित करते हुए मंच का कुशल संचालन किया।

संसार छोड़े बिना मोक्ष संभव नहीं: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर संघ परिसर में साध्वी निर्मला के सानिध्य में आयोजित प्रवचन में साध्वी नंदिनी ने मेरी भावना के दसवें पद का विवेचन करते हुए कहा कि जीव को संसार को छोड़े बिना मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं है। संसार त्यागने के लिए पहले संसार के प्रति राग को त्यागना आवश्यक है। उन्होंने कहा प्रकृति का हमारे जीवन में अनंत उपकार है। प्रकृति हमें जीवन जीने के लिए आवश्यक हवा, जल, भोजन और रहने के लिए भूमि प्रदान करती है। प्रकृति पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखती है, जो हमारे अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। प्रकृति हमें स्वच्छ वायु, जल और ताजा भोजन तो उपलब्ध कराती ही है, साथ ही शांति और संतुलन भी प्रदान करती है। प्रकृति हमारी जननी है, माँ है। हमारा शरीर भी प्रकृति का अंग है, किंतु आत्मा प्रकृति से भिन्न और स्वतंत्र तत्व है। प्रकृति के प्रति सदैव कृतज्ञता और सद्भावना का भाव हमारे मन में रहना चाहिए। हमारा कर्तव्य है कि हमें हमेशा प्रकृति के प्रति आभारी रहना चाहिए, क्योंकि इसके बिना हमारा जीवन असंभव है। हमें प्रकृति को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए और उसके प्रति सद्भावना और सौहार्दपूर्ण भाव रखना चाहिए। साध्वी उपासना ने राजकुमार गोविंद सिंह चारित्र कथा के रोचक धारावाहिक को आगे बढ़ाया। साध्वी ऋषिता ने मधुर स्तवन प्रस्तुत किया। सोमवार को आचार्य जयमल जन्मोत्सव तप, त्याग और धर्म आराधना के साथ मनाया जाएगा। समरथमल कोठारी ने 16 उपवास के पच्चखान लिए। कोषाध्यक्ष प्रसन भलगट ने आभार ज्ञापित किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सचिन पांडिया राजस्थान फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने सचिन पांडिया को राजस्थान फाउंडेशन, बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। बेंगलूरु सिटी में अपनी पहचान बना चुके सचिन पांडिया किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे और जन्म से ही देशभक्ति का जज्बा ह्रदय में समेटे हुए, सचिन पांडिया के जीवन पर उनके पिता की सैनिक पृष्ठभूमि का गहरा प्रभाव रहा है। समाज सेवा और समर्पण को अपने जीवन का ध्येय बना लिया। पिछले 30 वर्षों में उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राजस्थान सरकार से दो बार सम्मान प्राप्त किया है। मारवाड़ी युवा मंच में रहते हुए कैंसर अवेयरनेस कार्यक्रम के लिए सर्वश्रेष्ठ संयोजक का राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिला। एकल अभियान में अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता का सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त गौ सेवा और कर्नाटक गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के माध्यम से ड्राइवर एवं क्लीनर वर्ग की सेवा हेतु भी उन्हें सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी योजनाओं का लाभ कर्नाटक के प्रवासी राजस्थानियों तक पहुँचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयुष्मान भारत कार्ड से लेकर कर्नाटक की सरकारी स्कूलों को बेस्ट स्कूल का दर्जा दिलाने तक, उनकी मेहनत रंग लाई। वे अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं में ट्रस्टी रहे हैं। उनकी सेवाभावी कार्यों और समर्पण के कारण राजस्थान सरकार ने उन्हें राजस्थान फाउंडेशन के बेंगलूरु चैप्टर का अध्यक्ष मनोनीत किया है। गौरतलब है कि यह पद अब तक प्रायः प्रवासी उद्योगपतियों को मिलता रहा है। पहली बार यह सम्मान एक ऐसे साधारण व्यक्ति को दिया गया है जिसकी पहचान समाज के जरूरतमंदों की सेवा है। इससे पहले इस संस्था से भोरुका ग्रुप के एमडी एसएन अग्रवाल और कर्नाटक के नेता लहर सिंह जैसे बड़े उद्योगपति जुड़े रहे हैं।

एक शाम बाबा रामदेव के नाम भजन संध्या का आयोजन

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जय बाबा री ग्यारस भक्त मंडली, बन्नूर की ओर से बन्नूर गांव में मंगलवार रात को एक शाम बाबा रामदेव के नाम जागरण आयोजित किया गया।

सर्व प्रथम बाबा रामदेव की तस्वीर के समक्ष ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। वस्त्र से बने घोड़े की पूजा की गई। जागरण में लाबुराम सोलंकी भजन मंडली ने रूणीचे रा धणीया, अजमाल जी रा कवरा, नीची रे थलवट, बाबा रो ऊंचो देवरो सहित एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। जिस पर उपस्थित लोग झूम उठे। जागरण का सिलसिला देर रात तक चला। जागरण में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित (कालापा), लक्ष्मण सीरवी, दिलीप सीरवी, रमेश जैन, बाबुलाल सीरवी, रोशन सिंह, जगदीश सीरवी, राजेन्द्र सिंह, अशोक भाटी ने भाग लिया। जागरण में मैसूरु, मांड्या, मलवल्ली, महूर, बेंगलूरु सहित आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में सभी समाज के लोगों ने भाग लिया। बुधवार को बाबा ग्यारस पर व्रतधारियों ने मैसूरु पिंजरापोल गौशाला में स्थित बाबा रामदेव मंदिर जाकर दर्शन किए।

आज पोस्टर प्रतियोगिता व रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। एसडीएम कॉलेज ऑफ फिजियोथैरेपी धारवाड़ द्वारा विश्व फिजियोथैरेपी दिवस के अवसर पर समाज में फिजियोथैरेपी के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पोस्टर प्रतियोगिता एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। यह आयोजन न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बनेगा, बल्कि फिजियोथैरेपी की भूमिका को भी समाज के सामने रेखांकित करेगा। इस अवसर पर संस्कार सीबीएसई स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष व शिक्षाविद महेन्द्र सिंघी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में एसडीएम यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. निरंजन कुमार, गवर्निंग काउंसिल की सदस्य पद्मलता निरंजन तथा प्रशासनिक निदेशक साकेत शेट्टी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को फिजियोथैरेपी के महत्व के बारे में जागरूक करना, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे पीठ दर्द, जोड़ों का दर्द, मोटापा आदि से निपटने में फिजियोथैरेपी की भूमिका को उजागर करना, रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों के प्रति उत्साहवर्धन करना है। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि फिजियोथैरेपी न केवल दर्द से राहत दिलाती है, बल्कि सर्जरी की जरूरत को भी टाल सकती है।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** एमसी लेआउट में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 05 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-245

संतों ने अमित शाह से धर्मस्थल मामले को एनआईए को सौंपने की मांग @ नम्मा बेंगलूरु

आम आदमी की जिंदगी होती रहेगी हलकान

जीएसटी संशोधन केवल एक सियासी तमाशा

गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स (जीएसटी) संशोधन महज एक सियासी तमाशा है। आर्थिक जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी के बोझ से दबे मध्यम और छोटे व्यापारियों ने अंधाधुंध तरीके से जीएसटी की चोरी शुरू कर दी थी, इसलिए विवश होकर केंद्र सरकार को जीएसटी के नए स्लैब तय करने पड़े। लेकिन यह नया स्लैब भी कितना कारगर होगा, अभी यह कहना मुश्किल है। अर्थ विशेषज्ञ कहते हैं कि भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परोक्ष कर (इनडायरेक्ट टैक्स) प्रणाली को सरल बनाने और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह विफल रहा है। विशेषज्ञों को जीएसटी प्रणाली की संरचनात्मक खामियों, तकनीकी खामियों मसलन कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों, छोटे व्यवसायों पर अनुपालन के बढ़ते बोझ और इसकी प्रताड़क प्रकृति को लेकर गंभीर आपत्तियां हैं।

भारत में जिस समय जीएसटी प्रणाली लागू की गई थी, उस समय देश से कहा गया था कि पूरे देश में जनता को एक बार ही टैक्स देना पड़ेगा। लेकिन यह देश के लोगों के साथ झांसा था। देश के आयकर दाताओं का पैसे से मुफ्त का अनाज वोट के प्रलोभन में बांटा जाने लगा और करदाता को हर खरीद पर टैक्स देने पर विवश होना पड़ा। सरकारी और खास तौर पर प्राइवेट नौकरी करने वाले आम आदमी पर उसके वेतन से टीडीएस की कटौती हो जाती है। उसके बाद वह जिंदगी में लौटता है तो हर खरीद पर उससे टैक्स वसूला जाता है। जबकि सरकार के अलमबरदार आम मानवी की चिंता के बड़े-बड़े भाषण बिना किसी संकोच और शर्म के देते रहते हैं।

जीएसटी को सियासी तमाशा बताने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों (एसएमई) को अनुपालन लागत में उल्लेखनीय

शुभ-लाभ सरोकार

वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें जीएसटी पंजीकरण, गलत फाइलिंग और प्रणाली की समग्र जटिलता, विशेष रूप से अर्थशास्त्रियों का मानना है कि जीएसटी के कार्यान्वयन से आर्थिक व्यवधान पैदा हुआ है और असमानता बढ़ी है,

जीएसटी चोरी बचाने के लिए बनाए नए स्लैब

अपनी बचाई, लेकिन पीटा लोकहित का ढिंढोरा

इनपुट टैक्स क्रेडिट प्रणाली, शामिल हैं। इस प्रणाली में संरचनात्मक खामियां हैं जो इसे कर संरचना को सरल बनाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से रोकती हैं, जिसका उद्देश्य भारत को एक एकल राष्ट्रीय बाजार में एकीकृत करना था। कुछ खासकर गरीबों के लिए। जीएसटी प्रणाली तकनीकी खामियों से ग्रस्त रही है, जिससे व्यवसायों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। टैक्स स्लैब दुरुस्त करने के साथ इसकी संरचनात्मक प्रणाली बदले जाने की आवश्यकता थी।

भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि महच पांच वर्षों में 7.08 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। इसमें 1.79 लाख करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी भी शामिल है। इस आंकड़े से आप यह अंदाजा लगा सकते हैं कि इन पांच वर्षों में कितने लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी हुई, जिसमें से 7.08 लाख करोड़ रुपए की चोरी पकड़ी गई। यानि, वह रकम पकड़े जाने वाली रकम से कहीं अधिक होगी, जो पकड़ी ही नहीं जा सकी।

सरकार कहती है कि केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपए की कर चोरी पकड़ी है, जिसमें 1.79 लाख करोड़ रुपए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी के कारण थे। अकेले वित्तीय वर्ष 2024-25 में पकड़ी गई जीएसटी चोरी 2.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई, जिससे निपटने और राजस्व की सुरक्षा के लिए डिजिटलीकरण और विश्लेषण जैसे तमाम सरकारी उपाय शुरू हुए। लेकिन उसे सीधे बताने के बजाय उसे जनता के कल्याण का सियासी चोला पहना कर लागू करने की घोषणा कर दी गई और पूरा ढिंढोरा पीटा गया। सरकार ने संसद के मानसून सत्र में हो रहे हंगामे के बीच ही जीएसटी चोरी का आंकड़ा प्रस्तुत कर दिया। लेकिन जीएसटी का बोझ कम करने और नया स्लैब तैयार करने की बैठकों और जद्दोजहद का प्रचार खूब किया। आपको फिर से बता दें कि केंद्रीय जीएसटी क्षेत्र अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपए की कर चोरी का पता लगाया है, जिसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी भी शामिल है, यह तथ्य बाकायदा संसद को सूचित किया गया। ▶10 पर

भारत आए सिंगापुर के पीएम लॉरेंस वोंग का भव्य स्वागत

हम आतंकवाद से मिल कर लड़ेंगे : वोंग-मोदी

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के बीच अहम बैठक हुई। दोनों नेताओं ने भारत-सिंगापुर संबंधों के 60 वर्ष पूरे होने पर जश्न मनाते हुए रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर जोर दिया। वोंग ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की और अंतरिक्ष, स्किल डेवलपमेंट, विनिर्माण और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी साझेदारी के मजबूत स्तंभ हैं। हमने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम और अन्य डिजिटल तकनीकों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। आज अंतरिक्ष क्षेत्र में हुआ समझौता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ रहा है। हमने अपने युवाओं को उनकी प्रतिभा से जोड़ने के लिए इस वर्ष के अंत में भारत-सिंगापुर हैकाथॉन के अगले दौर का आयोजन करने का निर्णय लिया है। यूपीआई और पेनाउ हमारी डिजिटल कनेक्टिविटी के सफल उदाहरण हैं और यह खुशी की बात है कि आज 13 नए भारतीय बैंक इसमें शामिल हुए हैं।

भारत और सिंगापुर के बीच रिश्ते लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अहम बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और गहराई देने, व्यापार और निवेश बढ़ाने तथा नई तकनीकों में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। वोंग ने भारत की उपलब्धियों की सराहना ▶10 पर

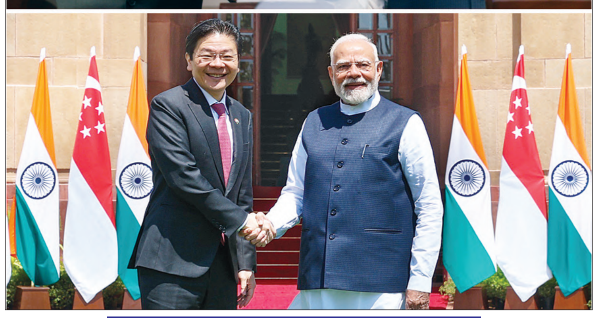

रक्षा से अंतरिक्ष और तकनीक तक सहयोग की घोषणा

जंगलों की अंधाधुंध कटाई आपदा की वजह : सुप्रीम कोर्ट

विकास के नाम पर हो रहा हैं विनाश

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड तक भीषण भूस्खलन और बाढ़ की वजह जंगलों की बेतहाशा हो रही कटाई है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में विकास के नाम पर जंगलों के विनाश का संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) एवं अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पेड़ों की अवैध कटाई के कारण ये आपदाएं आईं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ और बारिश से संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बारिश और बाढ़ पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि पहाड़ियों में पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के पानी में पहाड़ियों से बहकर आई बड़ी संख्या में लकड़ियों के लट्ठों के वीडियो का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ पर संज्ञान लिया। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार, एनडीएमए और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं। कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें पेड़ों की अवैध कटाई को ऐसी आपदाओं का एक प्रमुख कारण बताया गया था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा केंद्र और एनडीएमए से जवाब

आठ बैंकों के साथ 637 करोड़ की धोखाधड़ी

गोवा, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मेसर्स अरविंद रेमेडीज लिमिटेड से जुड़े विभिन्न स्थानों पर दो सितंबर को छापेमारी की है। दो दिन तक चले सर्च अभियान में चेन्नई, कांचीपुरम, गोवा, कोलकाता और मुंबई में प्रमोटरों, डमी निदेशकों एवं प्रमुख व्यक्तियों के परिसर शामिल थे। इस मामले में आरोपियों ने 8 बैंकों के साथ 637 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। बैंकों से ज्यादा लोन के लिए फर्जी कंपनियां बनाई गईं। उनके डमी निदेशक नियुक्त किए गए। खास बात है कि ये सब काम दलालों ने किया। डमी निदेशकों को दलालों से हर माह नकद वेतन मिलता था।

ईडी ने सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर पीएमएलए के तहत उक्त मामले की जांच शुरू की है। यह एफआईआर पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि अरविंद रेमेडीज लिमिटेड, इसके प्रमोटर अरविंद बी शाह और अन्य ने बैंकों के संघ को 637 करोड़ रुपए तक धोखा दिया। बैंकों के संघ में पीएनबी, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक, आईडीबीआई बैंक, इलाहाबाद बैंक, करूर वैश्य बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक जैसे विभिन्न बैंक शामिल रहे। आरोपियों को 704.75 करोड़ रुपए की विभिन्न ऋण सुविधाएं (नकद ऋण, सावधि ऋण और गैर-निधि आधारित) प्रदान की गई थीं।बैंकों के खातों के अनुसार, 30 सितंबर 2016 तक आरोपियों की तरफ 637.58 करोड़ रुपए बकाया थे। सभी बैंक ऋण खातों को एनपीए घोषित कर दिया गया था। ईडी की जांच से पता चला है कि बैंक के धन को प्रमोटरों द्वारा नियंत्रित फर्जी संस्थाओं के माध्यम से गबन किया गया था। प्रमोटर अरविंद बी. शाह ने दलालों के माध्यम से कई फर्जी निदेशकों को इन फर्जी कंपनियों के प्रबंधन के लिए नियुक्त किया था। बैंकों को अधिक टर्नओवर दिखाने और इस तरह बैंकों को अधिक धन उधार देने के लिए प्रेरित करने के लिए बैंक के धन को फर्जी कंपनियों के बीच घुमाया गया। धन के इस घुमाव का उपयोग शेयर की कीमतों में कृत्रिम रूप से हेरफेर करने और लाभ कमाने के लिए भी किया गया था। धन का एक निश्चित हिस्सा सम्पत्तियां हासिल करने के लिए डायवर्ट किया गया था। बैंकों को जमानत के रूप में प्रदान की गई सम्पत्तियों को बैंकों की जानकारी के बिना ही बेच दिया गया। इस तरह बैंकों को ऋण वसूली के लिए सम्पत्तियों से वंचित कर दिया गया। सर्च अभियान के दौरान, फर्जी निदेशकों ने स्वीकार किया कि उन्हें कंपनी के कामकाज की जानकारी नहीं थी। उन्हें दलालों द्वारा नकद मासिक वेतन दिया जाता था। ऐसे फर्जी निदेशकों ने नाममात्र के कमीशन के लिए बिना उद्देश्य जाने ही फर्जी कंपनियों के ▶10 पर

फर्जी कंपनियों डमी निदेशकों और दलालों ने किया घोटाला

आतंकी फंडिंग केस में शबीर शाह को राहत नहीं

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने आतंकी फंडिंग केस में कश्मीरी अलगाववादी नेता शबीर अहमद शाह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। शाह ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर राहत मांगी थी, लेकिन अदालत ने इसे अस्वीकार कर दिया। शाह पर हवाला से पैसे जुटाकर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने का गंभीर आरोप हैं। शीर्ष अदालत ने शब्बीर शाह की याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शाह ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे जमानत देने से इनकार किया गया था।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप नाथ की पीठ के सामने वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस ने शाह की ओर से दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता गंभीर रूप से बीमार है और उसे तुरंत ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत देने से किया इनकार

कार्टून कॉर्नर

देश के 47% मंत्रियों पर दर्ज हैं आपराधिक केस

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)।

देशभर के नेताओं पर तरह-तरह के आरोप के कई मुकदमे दर्ज हैं। यह तथ्य खुद उनके चुनाव के दौरान भरे जाने वाले हलफनामों में उल्लिखित हैं। इस आधार पर एडीआर ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार देश के करीब आधे मंत्री पर केस दर्ज हैं और इनमें से कई पर गंभीर मामले भी दर्ज हैं।

देशभर के लगभग आधे मंत्री यानी करीब 47 प्रतिशत मंत्री अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। इनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब केंद्र सरकार ने तीन नए बिल पेश किए हैं, जिनमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को गंभीर आपराधिक मामले में 30 दिन तक जेल में रहने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है।एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के कुल 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया। इनमें से 302 मंत्री (47 प्रतिशत) आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। 174 मंत्री गंभीर अपराधों जैसे हत्या और अपहरण के मामलों का सामना कर रहे हैं। इनमें भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) पर आपराधिक केस दर्ज हैं। इनमें से 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर मामले हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 (74 प्रतिशत) पर केस, 18 (30 प्रतिशत) पर गंभीर मामले हैं। डीएमके के 31 में से 27 (87 प्रतिशत) पर केस हैं। इनमें 14 (45 प्रतिशत) पर गंभीर मामले हैं। तृणमूल कांग्रेस के 40 में से 13 (33 प्रतिशत) पर केस हैं। इनमें 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर मामले हैं। तेलुगु देशम पार्टी के 23 में से 22 (96 प्रतिशत) पर केस दर्ज हैं। इनमें से 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर मामले हैं। आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) पर केस दर्ज हैं। इनमें से 5 (31 प्रतिशत) पर गंभीर मामले हैं। ▶10 पर

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,09,380/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,26,590/- (प्रति किलोग्राम)

संतों ने अमित शाह से धर्मस्थल मामले को एनआईए को सौंपने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के सनातन संतों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और देश भर में हलचल मचा देने वाले धर्मस्थल मामले की जाँच राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की माँग की। पंचमसाली लिंगायत मठ के वचनानंद स्वामीजी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में मेंगलूरु स्थित गुरुपुर वज्रदेही मठ के श्री राजशेखरानंद स्वामीजी सहित विभिन्न मठों के कुल आठ स्वामीजी शामिल हुए।

इस मुलाकात के दौरान धर्मस्थल के खिलाफ चल रही साजिश और दुष्प्रचार पर लंबी चर्चा हुई। स्वामीजी को धर्मस्थल में कथित दाह संस्कार मामले की कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेष जाँच दल (एसआईटी) द्वारा जाँच पर कोई आपत्ति नहीं है। हालाँकि, स्वामीजी के समूह ने जोर देकर कहा है कि अगर मामला एनआईए को सौंप दिया जाता है, तो जाँच अधिक पारदर्शी और व्यापक होगी।

स्वामीजी ने धर्मस्थल स्थित बाहुबली पहाड़ी तक पहुँच चुके उत्खनन अभियान पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि इस उत्खनन से श्रीक्षेत्र धर्मस्थल का आध्यात्मिक महत्व नष्ट हो रहा है। इसके अलावा, स्वामीजी ने आरोप लगाया है कि इस मामले के पीछे एक बड़ी साजिश है और इस साजिश की सच्चाई सामने लाने की माँग की है। एक घंटे से ज्यादा चली चर्चा में स्वामीजी ने धर्मस्थल के खिलाफ चलाए जा रहे दुष्प्रचार की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने आरोप लगाया है कि धर्मस्थल लाखों श्रद्धालुओं का आध्यात्मिक केंद्र है और इसके खिलाफ एक सुनियोजित साजिश रची जा रही है। स्वामीजी ने गृह मंत्री के समक्ष अपनी नाराजगी व्यक्त की है कि सबरीमाला और तिरुपति जैसे अन्य पवित्र धार्मिक स्थलों के बाद अब धर्मस्थल को भी निशाना बनाया गया है। मामले की गंभीरता से वाकिफ शाह ने संकेत दिया है कि केंद्र सरकार इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेगी। अमित शाह ने आगे नाराजगी जताई कि साजिश केवल धर्मस्थल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य हिंदू धार्मिक स्थलों को भी निशाना बना रही है। इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में तीखी बहस छेड़ दी है। भाजपा ने इन आरोपों को धर्मस्थल के खिलाफ साजिश करार दिया है और एनआईए जांच की मांग की है।

कांग्रेस सरकार ने कहा है कि एसआईटी कुशलतापूर्वक जाँच कर रही है और स्पष्ट कर दिया है कि इसे एनआईए को सौंपने की कोई आवश्यकता नहीं है। हालाँकि, इस मामले में राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है और केंद्र सरकार पर धर्मस्थल के धार्मिक महत्व की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने का दबाव बढ़ रहा है।

स्वामीजी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा सीधे अमित शाह से मुलाकात कर अनुरोध प्रस्तुत करने से इस मामले को एनआईए को सौंपे जाने की संभावना बढ़ गई है।

बेंगलूरु में रोड रेज की घटना में बुजुर्ग व्यक्ति की धक्का देकर हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आर. टी. नगर के देवेगौड़ा रोड पर एक निजी अस्पताल के पास पार्किंग को लेकर हुए मामूली विवाद में 61 वर्षीय एक व्यक्ति को रोड रेज की घटना में धक्का देकर मार डाला गया। आरोपी, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है, शहर में डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करता है। कौसर नगर निवासी 61 वर्षीय पीड़ित सैयद निसार अहमद, लकवा और सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित थे और अपने बेटे और दामाद के साथ परामर्श के लिए कार से अस्पताल आए थे। पीड़ित और उनके बेटे ने देखा कि आरोपी ने रास्ते में अपनी स्कूटर खड़ी कर दी थी और कथित तौर पर उसे हटाने के लिए कहा, ताकि वे अपनी कार अस्पताल के सामने खड़ी कर सकें क्योंकि पीड़ित बीमार था और ठीक से चल नहीं पा रहा था। इसके बाद गरमागरम बहस हुई और इस हाथापाई में, आरोपी ने अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर पीड़ित पर कथित तौर पर हमला किया और उसे जमीन पर गिरा दिया। नासिर अहमद गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं, जबकि

उनके बेटे, जिन्होंने विरोध करने की कोशिश की, को भी धक्का देकर गिरा दिया गया और उनके लिगामेंट में चोट लग गई। दोनों को आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया, जहाँ नासिर की मौत हो गई।

मौके पर जमा हुए लोगों ने आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपियों की पहचान हेब्बल निवासी 30 वर्षीय अब्दुल शरीफ और उसकी दोस्त 26 वर्षीय तहरीन फातिमा के रूप में हुई है, जो डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करती थी। पुलिस ने बताया कि वे भी परामर्श के लिए अस्पताल आए थे। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात करीब 1:30 बजे अस्वस्थ निसार अहमद को उनके परिवार वाले अस्पताल लेकर आए थे। अस्पताल से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर, शरीफ के दोपहिया वाहन ने परिवार की कार का रास्ता रोक दिया, क्योंकि आरोपी सड़क किनारे बातें कर रहे थे। जब निसार अहमद के बेटे ने उनसे गाड़ी हटाने को कहा, तो दोनों के बीच झगड़ा हो गया।

यह गरमागरम बहस बढ़ गई और दोनों ने कथित तौर पर निसार अहमद और उनके बेटे पर हमला कर दिया। डॉक्टरों को संदेह है कि नासिर की मौत संभवतः हृदयाघात से हुई होगी, हालाँकि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा। उनके बेटे की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सरकार अनुसूचित जाति निधि का दुरुपयोग कर रही: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पार्टी को सामाजिक न्याय के बारे में फिर कभी बड़बोले भाषण नहीं देने चाहिए और बुद्ध, बसव और अंबेडकर का अपमान नहीं करना चाहिए। अपनी आधिकारिक सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करके धोखा नहीं दिया जाना चाहिए। एक ओर, आपने पिछड़े वर्गों के विभिन्न विकास निगमों को सैकड़ों करोड़ रुपये के अनुदान में कटौती की है, और दूसरी ओर, आवंटित धन का

उचित उपयोग नहीं किया गया है। क्या यही सामाजिक न्याय है? कांग्रेस सरकार को शर्म आनी चाहिए। वाल्मीकि विकास निगम से 187 करोड़ रुपये, जो अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए खर्च किए जाने थे, का गबन कर लिया गया। हर साल लगभग 15 हजार करोड़ रुपये एससीएसपी-टीएसपी के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। अब पिछड़ा समुदाय विकास निगमों और अहिंदा निगमों के धन का गबन हो रहा है, और डोंगी समाजवादियों के सामाजिक न्याय के भाषण इन्हीं तक सीमित हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से पिछले दो वर्षों में पिछड़े समुदायों पर किए गए बड़े उपकारों के बारे में पढ़िए। उन्होंने बताया कि हर साल सैकड़ों करोड़ रुपये की कटौती की जा रही है।

जीएसटी बोर्ड की बैठक में क्रांतिकारी ऐतिहासिक सुधार निर्णय: डॉ. अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने कहा कि जीएसटी बोर्ड की बैठक में एक क्रांतिकारी, ऐतिहासिक सुधार निर्णय लिया गया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की जनता और भाजपा की राज्य इकाई इसका तहे दिल से स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि वे इसके लिए आभार व्यक्त करना चाहते हैं। पहले देश में एक देश, एक बाजार नहीं था। राज्यों के बीच प्रतिबंध और बाधाएँ थीं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सभी राज्य सरकारों ने इसे सुधारने का निर्णय लिया था। उन्होंने बताया कि जीएसटी को आम सहमति और एकता के साथ लागू

किया गया था। अब, औद्योगिक क्षेत्र और नागरिकों की माँग के अनुसार स्लैब में बदलाव किए गए हैं। सरल-सुधारित दरें लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दो स्लैब वाली व्यवस्था लाने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने इस बात की सराहना की कि अब 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के स्लैब लागू किए जा रहे हैं और 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के स्लैब भी लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्रास्फीति नियंत्रण और उत्पादन वृद्धि के लिए पूरक है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बाजार विस्तार के मुद्दे पर भी ध्यान दिया है। इसमें जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा धारकों को सहायता मिलेगी। इन पर कर की दर को 0 प्रतिशत कर दिया गया है। यह एक बहुत ही अच्छा विकास है, जीवन बीमा और स्वास्थ्य सेवा को किफायती बनाना एक अच्छा विकास है। कृषि क्षेत्र में भी 12 प्रतिशत कर को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 0-5 प्रतिशत कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा निर्णय है जिससे ऑटोमोबाइल उद्योग क्षेत्र में हलचल मच जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सभी सरकारों के सहयोग से सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय निष्पक्ष और प्रगतिशील तरीके से लिया गया है। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की राज्य सरकार कर की दरें बढ़ाती जा रही है। सत्ता में आने के बाद से इसने 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर एकत्र किए हैं। उन्होंने संपत्ति कर, वाहन कर, कचरा उपयोगकर्ता शुल्क, उत्पाद शुल्क, पेट्रोल, डीजल, बिजली, पानी, बस किराया, मेट्रो, अस्पताल ओपीडी शुल्क सहित हर जगह दरें बढ़ा दी हैं। उन्होंने अपनी मर्जी से महंगी दरें वसूल की हैं। केंद्र को प्रशासन को सरल बनाना चाहिए था। मुआवजा भी दिया गया है। दरें कम की गई हैं। उन्होंने इन सभी को प्रगतिशील, वैज्ञानिक, समय पर और समय पर लिए गए फैसलों के रूप में सराहा। ये सभी फैसले उत्पादन बढ़ाने, उद्योगों को लाभ पहुंचाने और आर्थिक क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखकर लिए गए हैं। उन्होंने एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि किसने सोचा होगा कि इतनी बड़ी मात्रा में जीएसटी आएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक प्रशांत जी.एस. ने भाग लिया।

गृह मंत्री परमेश्वर ने वैश्विक मॉडल पर एक समान जीएसटी की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं पर कर कम करके वैश्विक मॉडल पर आधारित एक समान जीएसटी लागू करने की आवश्यकता है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे यहाँ दैनिक उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं पर 18, 22, 28 प्रतिशत कर लगता है। इसे कम किया जाना चाहिए। सभी वस्तुओं पर जीएसटी 5 से 6 प्रतिशत तक सीमित होना चाहिए। उन्होंने आम आदमी की जरूरत की वस्तुओं को जीएसटी से मुक्त करने की माँग की। कांग्रेस पार्टी ने सदन के बाहर और अंदर, दोनों जगह जीएसटी में कमी की माँग की थी। केंद्र सरकार को अब यह

बात समझ आ गई है। उन्होंने कहा कि वह कुछ वस्तुओं पर कर में कमी का स्वागत करते हैं। विभिन्न देशों में जीएसटी कर की दर को ध्यान में रखा जाना चाहिए। अधिकांश देशों में 10 प्रतिशत से अधिक कर नहीं है। लेकिन हमारे देश में यह 28 प्रतिशत तक महँगा है। विकास कार्यों के लिए धन की आवश्यकता है। वित्त विभाग को यह देखना चाहिए कि यह संग्रह कहाँ से किया जाए। कर्नाटक देश में सबसे अधिक कर देने वाला राज्य है। हम हर महीने लगभग 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर रहे हैं। करों में कटौती से राज्य सरकारों को भी नुकसान हो सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इसकी भरपाई के लिए कदम उठाए और विभिन्न विभागों को आवंटित अनुदान में कटौती न करे। विधायक के.एन. राजन्ना ने कहीं भी यह नहीं कहा कि वह कांग्रेस छोड़ेंगे। वह पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने आलोचकों पर पलटवार करते हुए कहा कि अनावश्यक रूप से मनगढ़ंत विचार सामने रखकर बोलना ठीक नहीं है। राजनीति में आलोचना स्वाभाविक है। वह अच्छा और बुरा दोनों बोलते हैं। हो सकता है कि राजन्ना ने मेरे खिलाफ कुछ कहा हो, यह समय और परिस्थिति पर निर्भर करता है। मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। राजन्ना हमारे जिले के हैं। वह मेरे करीबी दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि वह और मैं तुमकुरु के सरकारी कॉलेज में पीयूसी की एक ही कक्षा में पढ़ते थे। मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद भी, राजन्ना ने यह नहीं कहा कि वह कांग्रेस छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनके बारे में मनगढ़ंत बातें करना ठीक नहीं है। यह ठीक नहीं है कि राजन्ना मंत्री रहते हुए अपेक्स बैंक के अध्यक्ष पद को लेकर अपनी पार्टी की वफादारी भूल गए। ऐसे आरोपों के लिए उचित सबूत की आवश्यकता होती है। बयानों के लिए बयानबाजी करना ठीक नहीं है। राजन्ना पार्टी नहीं छोड़ेंगे, अगर ब्रेन मैपिंग समेत कोई भी मुद्दा है, तो आरोप लगाने वाले को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, राजन्ना अकेले नहीं हैं, कांग्रेस उनके साथ है।

सीएम ने केसी वैली परियोजना के दूसरे चरण का किया उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कोलार जिले के लक्ष्मीसागर पंप हाउस से उपचारित सीवेज जल की आपूर्ति करके कोलार तालुक में 30 तालाबों और झीलों को भरने के लिए के.सी. वैली परियोजना के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। के.सी. वैली परियोजना का दूसरा चरण दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा, जिससे 272 झीलों का भरना सुनिश्चित होगा। इस परियोजना पर 446 करोड़ की लागत आएगी। के.सी. वैली परियोजना का नाम बेंगलूरु में कोरमंगला-चल्लाघट्टा घाटी जल निकासी प्रणाली से लिया गया है। इसका पानी बेंगलूरु के सीवेज उपचार संयंत्रों से आता है। बेंगलूरु स्थित अपने आवास पर

परियोजना के उद्घाटन के बाद बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना उनके पहले कार्यकाल के दौरान बेंगलूरु के पड़ोसी सूखाग्रस्त जिलों में भूजल स्तर में सुधार के लिए शुरू की गई थी। यह परियोजना किसानों को अधिक भूमि पर खेती करने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने कहा कि उपचारित जल प्रतिदिन 250 से अधिक झीलों में डाला जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में, कोलार और चिक्कबल्लापुर जिलों की झीलों को उपचारित सीवेज जल की आपूर्ति करके भरा गया था। हालाँकि, कुछ निहित स्वार्थी तत्वों ने यह दुष्प्रचार शुरू कर दिया है कि उपचारित जल फसलों और पालतू पशुओं के उपभोग के लिए उपयुक्त नहीं है, जो कि गलत है। कोलार और चिक्कबल्लापुर जिलों में कोई बड़ी नदी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से किसानों को लाभ होगा।

जीएसटी में कटौती देश को ऐतिहासिक दिवाली उपहार देगी: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने जीएसटी में कटौती करके देश को ऐतिहासिक दिवाली उपहार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट

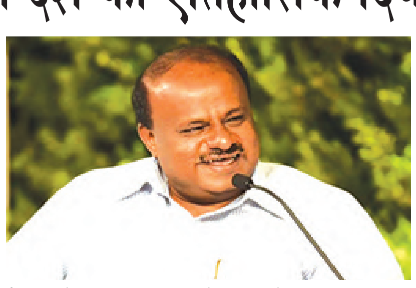

बैठक में अगली पीढ़ी के सुधारों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने इसे लोगों के जीवन को आसान बनाने और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करने वाला एक परिवर्तनकारी कदम बताया।

नए सुधार के साथ, जीएसटी में अब केवल दो स्लैब हैं, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुएँ, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और वाहन भी आसानी से सस्ती हो जाएँगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उद्योगों और एमएसएमई को भारी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इसे एक वास्तविक जन-केंद्रित सुधार बताया जो व्यवस्था को सरल और आसान बनाएगा और पूरे भारत में हर घर में खुशियाँ लाएगा।

दावणगेरे एसपी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए भाजपा विधायक के खिलाफ एफआईआर

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के हरिहर से भाजपा विधायक बी.पी. हरीश के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया गया है। दावणगेरे की के.टी.जे. नगर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत की

शिकायत पर विधायक के खिलाफ उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया है। मामला बीएनएस की धारा 79 और 132 के तहत दर्ज किया गया है। 2 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हरीश ने कथित तौर पर कहा था कि एसपी शमनूर परिवार के दरवाजे पर कुत्ते की तरह इंतजार करते रहे। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी शमनूर शिवशंकरप्पा दावणगेरे दक्षिण से विधायक हैं, उनके बेटे एस.एस. मल्लिकार्जुन जिले के प्रभारी मंत्री हैं, जबकि मल्लकार्जुन की पत्नी और शमनूर की बहू डॉ. प्रभा दावणगेरे जिले से सांसद हैं।

कैबिनेट ने मुडा घोटाले और कमीशन घोटाले पर चर्चा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में मुडा घोटाला और बीबीएमपी आयोग के भ्रष्टाचार समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। कैबिनेट बैठक में राज्य के विभिन्न थानों में दर्ज 62 आपराधिक मामलों को अभियोजन से हटाने का प्रस्ताव रखा गया। किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों सहित कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बेंगलूरु महानगर निगम के कार्यों में कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के आरोपों पर न्यायमूर्ति एच.एन. नागमोहन दास आयोग की रिपोर्ट कैबिनेट बैठक में पेश की गई और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की गई। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण में भूखंड आवंटन में लगे आरोपों के संबंध में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी.एन. देसाई की एकल सदस्यीय जाँच आयोग द्वारा दी गई रिपोर्ट पर भी चर्चा की गई। मुडा घोटाले ने राज्य में भारी हलचल मचा दी थी। एक समय तो इसने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को दुविधा में डाल दिया था। आरोप थे कि सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को 13 भूखंड अवैध रूप से आवंटित किए गए थे। एक ओर, सिद्धरामैया ने मुडा भूखंडों के आवंटन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों की व्यापक जाँच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन किया था। इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है और कैबिनेट में इस पर चर्चा हो चुकी है। कोविड-19 के दौरान चामराजनगर जिला अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। उस समय विपक्ष के नेता सिद्धरामैया और केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी।

उन्होंने इसे एक विशेष मामला मानते हुए, परिजनों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने की माँग की। लेकिन भाजपा सरकार ने इस पर विचार नहीं किया।

कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद ही उसने अपने पहले के वादों पर अमल करना शुरू किया है। कैबिनेट बैठक में मृतकों के परिवारों के पात्र आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने के प्रावधान पर चर्चा की गई।

जब तक सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं और पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं

मेरे भविष्य को लेकर कोई समस्या नहीं: राजन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना और मगदी विधायक एचसी बालकृष्ण के बीच राजनीतिक खींचतान जारी रहने के बीच, राजन्ना ने कहा कि अगर वह निर्दलीय भी चुनाव लड़ते हैं तो भी जीत सकते हैं। राजन्ना ने कहा मैं चाहे किसी भी पार्टी से चुनाव लड़ूँ, मैं जीतूँगा। अगर मैं निर्दलीय भी खड़ा होता हूँ तो भी जीतूँगा। मंत्री पद से बर्खास्त होने के बाद उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच राजन्ना का यह बयान महत्वपूर्ण हो गया है। मैं भाजपा में क्यों शामिल होऊँ? जो लोग भाजपा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें शामिल होने दें। मैं चाहे किसी भी पार्टी से चुनाव लड़ूँ, जीतने की ताकत रखता हूँ। मैं कांग्रेस क्यों छोड़ूँ? पार्टी ने मेरे साथ क्या किया है? मेरे पास (तुमकुरु जिले में) हर निर्वाचन क्षेत्र से किसी को भी जिताने या हराने की ताकत है। उन्होंने कहा जब तक सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं और पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, मेरे भविष्य को लेकर कोई समस्या नहीं है। जब तक वह पार्टी में हैं, मैं उनका प्यार और विश्वास बनाए रखूँगा। मैं किसी भी कारण से कांग्रेस नहीं छोड़ूँगा।

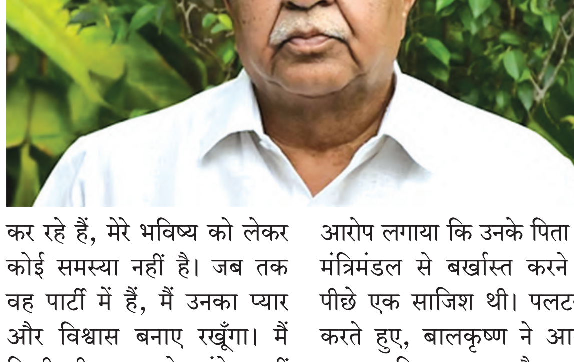

मैं राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे वोट चोरी अभियान का समर्थन करता हूँ। चर्चा है कि मेरे समर्थक बड़ी संख्या में दिल्ली आकर मुझे फिर से मंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। बालकृष्ण ने मंगलवार को कहा था कि राजन्ना भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं और भगवा पार्टी में शामिल होंगे। राजन्ना के एमएलसी बेटे राजेंद्र ने आरोप लगाया कि उनके पिता को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के पीछे एक साजिश थी। पलटवार करते हुए, बालकृष्ण ने आरोप लगाया कि राजन्ना और राजेंद्र अप्रत्यक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर दोष मढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा राजन्ना ने राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला की अप्रत्यक्ष रूप से आलोचना की और इसकी कीमत चुकाई। इस बीच, पूर्व सांसद डीके सुरेश ने कहा कि राजन्ना एक राष्ट्रीय नेता बन गए हैं।

फिक्स्ड टाइम कॉरिडोर ब्लॉक के कारण ट्रेनों का आंशिक रद्दीकरण

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण रेलवे ने चेन्नई डिवीजन पर फिक्स्ड टाइम कॉरिडोर ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेन सेवाओं के आंशिक रद्दीकरण, पुनर्निर्धारण और विनियमन की सूचना जारी की गई। जिसमें ट्रेन संख्या 66550 केएसआर बेंगलूरु-जोलारपेट्टै मेमू 8, 9, 10, 11, 12, 13, 16, 20 और 21 सितंबर को सोमनायक्कनपट्टी और जोलारपेट्टै के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और जोलारपेट्टै के बजाय सोमनायक्कनपट्टी पर ही समाप्त हो जाएगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 66549 जोलारपेट्टै-केएसआर बेंगलूरु मेमू उन्हीं तारीखों पर जोलारपेट्टै और सोमनायक्कनपट्टी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और जोलारपेट्टै के बजाय सोमनायक्कनपट्टी से शुरू होगी। वहीं ट्रेन संख्या 22601 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-साईनगर शिरडी साप्ताहिक एक्सप्रेस, जो 1 अक्टूबर को यात्रा शुरू करेगी, उसे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 60 मिनट पुनर्निर्धारित किया जाएगा और रास्ते में दक्षिण रेलवे पर 90 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा। वही ट्रेन, जो 17 सितंबर और 24 सितंबर को यात्रा शुरू करेगी, उसे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 60 मिनट पुनर्निर्धारित किया जाएगा और रास्ते में दक्षिण रेलवे पर 30 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा।

गरीबों, आम आदमी, किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए लाभकारी जीएसटी सुधार: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि देश की 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक संपन्न हुई और देश के वित्त मंत्री ने ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों की घोषणा की। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से देश की जनता को जीएसटी में आमूलचूल परिवर्तन लाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने जीएसटी में एक ऐसा बड़ा बदलाव लाने का वादा किया था जिससे गरीबों, आम आदमी, किसानों, छोटे व्यवसाय करने वाले स्वरोजगार करने वालों, एमएसएमई और खासकर देश के युवाओं को मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री की इच्छा और दूरदर्शिता के आधार पर, केंद्रीय वित्त मंत्री के नेतृत्व में हुई जीएसटी परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि देश के सभी राज्यों की सर्वसम्मति से जीएसटी के नए स्लैब में बड़ा सुधार किया गया। व्यापार करने वालों की मदद करने, उन्हें आसान बनाने के उद्देश्य से एक बड़ा बदलाव लाया गया है। दोहराव से बचा गया है। एमएसएमई के दायरे में आने वाली छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों और कारखानों को बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश के विनिर्माण क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आएगा।

जीएसटी स्लैब का सरलीकरण आम आदमी के लिए फायदेमंद: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जीएसटी स्लैब का सरलीकरण आम आदमी के लिए फायदेमंद होगा। इससे आवश्यक वस्तुओं और उत्पादों की कीमतों में अंतर आएगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इससे विनिर्माण क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि नया स्लैब वैश्विक चुनौतियों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के जीएसटी बोर्ड द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसले की सराहना की। देश की जनता को दिवाली का तोहफा देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया है। पिछले 4 स्लैब को घटाकर 2 स्लैब कर दिया गया है। इन्हें 5 प्रतिशत और 8 प्रतिशत पर लाना एक बहुत बड़ा फैसला है। इसे लेकर पूरे देश में चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि यह देश के विकास के लिए भी अनुकूल है। देश की जनता मोदी की सरकार के इस फैसले का स्वागत कर रही है। आज ऐसी स्थिति बनी है कि पूरी दुनिया भारत की ओर आश्चर्य से देख रही है। उन्होंने कहा कि यह देश के विकास के लिए भी अनुकूल है।

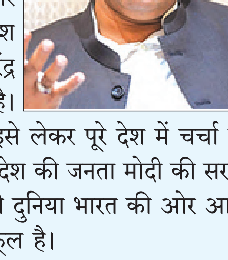

देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी की 'बहु-संरेखण' दृष्टिकोण के लिए प्रशंसा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अमेरिका द्वारा अनुचित और अन्यायपूर्ण टैरिफ युद्ध शुरू करने के बाद सक्रिय रूप से विकल्प तलाशने के उनके दृष्टिकोण की सराहना की।

मोदी की बहु-संरेखण नीति की प्रशंसा करते हुए, यह कहते हुए कि इससे निकट भविष्य में भरपूर लाभ मिलेगा, गौड़ा ने कहा लाखों भारतीयों की तरह मुझे भी राहत मिली है कि अमेरिका द्वारा अनुचित और अन्यायपूर्ण टैरिफ युद्ध शुरू करने के बाद आप सक्रिय रूप से विकल्प तलाश रहे हैं। मोदी की हालिया जापान और चीन यात्रा को सफल बताते हुए, गौड़ा ने कहा कि भारत जापान की वार्ताओं और नई पहलों का लाभ उठाएगा। जेडीएस प्रमुख ने कहा अमेरिका को भी जल्द ही इस दिशा में आगे बढ़ना होगा, क्योंकि धर्म हमारे पक्ष में है और हमारा देश आर्थिक, जनसांख्यिकीय और लोकतांत्रिक लाभ का ऐसा संयोजन प्रदान करता है जैसा दुनिया में किसी और देश में नहीं है। गौड़ा ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मोदी की तस्वीरें और वीडियो, जो दुनिया भर के मीडिया में छाई हुई हैं, राष्ट्राध्यक्षों के बीच सामान्य सौहार्द और मित्रता से कहीं बढ़कर कुछ और संदेश देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक नई जागृति और शायद एक नई विश्व व्यवस्था की शुरुआत का प्रतीक है जो भारत को वैश्विक समृद्धि और शांति के केंद्र में लाएगी। गौड़ा ने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि मोदी ने पुतिन से यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के बारे में बात की।

उन्होंने कहा आप इस मुद्दे पर लगातार बने रहे हैं और मुझे यकीन है कि इस संबंध में भारत के शब्दों को उसकी ईमानदारी और ऐतिहासिक रूप से उसके द्वारा दर्शाए गए मूल्यों के कारण कहीं अधिक गंभीरता से लिया जाएगा।

गौड़ा ने कह हमें अपनी जरूरतों के अनुसार, अपनी शर्तों पर, लेकिन साथ ही अपनी विशाल सभ्यतागत गरिमा के साथ दुनिया के साथ बातचीत करनी चाहिए। इससे भारत अलग दिखेगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मणि-मैसूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल्लुगुंडी के पास कडेपाला के पास एक कार और टैंकर के बीच हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान कोडागु जिले के सिद्धपुर स्थित नेल्लीहुडीकेरी निवासी शोभा के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, टैंकर मदिकेरी से सुल्लिया की ओर जा रहा था, जबकि कार विपरीत दिशा में मदिकेरी की ओर जा रही थी। दोनों वाहनों की आमने-सामने की भीषण टक्कर हुई जिससे कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार शोभा की मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्घटना में वाहन में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार सिद्धपुर के नेल्लीहुडीकेरी के निवासियों के नाम पर पंजीकृत है। घायलों को तुरंत सुल्लिया के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया और टक्कर के कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है।

28.49 करोड़ रुपये की लागत से बंटवाल रेलवे स्टेशन को नया रूप दिया गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लंबे समय से उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण बी.सी. रोड कैकुंजे रेलवे स्टेशन का अमृत भारत योजना के तहत 28.49 करोड़ रुपये की लागत से नए डिजाइन के साथ पुनर्निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में इस परियोजना का वर्चुअल शिलान्यास किया था। उस अवसर पर, सांसद नलिन कुमार कटील और विधायक राजेश नाइक उलेपडी ने स्टेशन पर एक संक्षिप्त कार्यक्रम में भाग लिया था। कार्य का पहला चरण पूरा होने वाला है और अगले तीन से चार महीनों में परियोजना पूरी तरह से तैयार होने की उम्मीद है। पुनर्निर्मित स्टेशन में अग्रिम टिकट आरक्षण, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रतीक्षालय और शौचालय, एक कैफेटेरिया और चार खानपान स्टॉल जैसी सुविधाएँ होंगी। कुछ हिस्सों में ग्रेनाइट का फर्श बिछाया गया है, जबकि अन्य हिस्सों में कंक्रीट और टाइलों का उपयोग किया गया है। स्टेशन को सीसीटीवी कैमरे, वाई-फाई और एलईडी डिस्प्ले स्क्रीन से भी सुसज्जित किया गया है जो ट्रेनों की आवाजाही और समय-सारिणी की जानकारी प्रदान करते हैं। मुख्य प्रवेश द्वार को गोलाकार शैली में डिजाइन किया गया है, जो ध्यान आकर्षित करता है। स्टेशन का विद्युतीकरण और एक फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जिससे नशीली दवाओं की तस्करी जैसी असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिली है। स्थानीय लोगों ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया है कि अब महिलाएं और बच्चे अधिक सुरक्षित यात्रा कर सकते हैं। बंटवाल तालुका में बी.सी. रोड कैकुंजे रेलवे स्टेशन अब नवीनीकृत होकर अपने नए रूप में चमक रहा है।

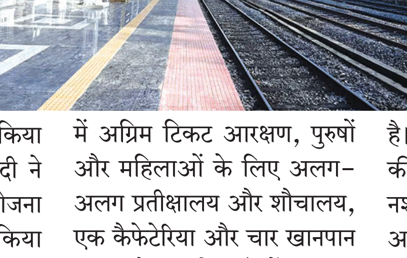

राज्य सरकार ने वेनलॉक को क्षेत्रीय अस्पताल का दर्जा देने से किया इनकार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने मेंगलूरु के वेनलॉक अस्पताल को क्षेत्रीय अस्पताल का दर्जा देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को ठुकरा दिया है। वेनलॉक में हर साल लगभग 30,000 मरीज इलाज कराते हैं। अस्पताल का बुनियादी ढाँचा पहले ही उन्नत किया जा चुका है, और लगातार यह माँग उठ रही है कि इसे पड़ोसी जिलों की सेवा के लिए क्षेत्रीय अस्पताल घोषित किया जाए। हालाँकि, राज्य सरकार ने जिला अस्पताल को क्षेत्रीय अस्पताल में बदलने के लिए दिशा-निर्देशों के अभाव का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया कि वेनलॉक में पहले से ही आवश्यक सुविधाएँ मौजूद हैं और इसे क्षेत्रीय अस्पताल का दर्जा देने से कोई अतिरिक्त लाभ नहीं होगा। 167 वर्षों के इतिहास के साथ, वेनलॉक केवल दक्षिण कन्नड़ जिले तक ही सीमित नहीं है। मरीज आसपास के आठ जिलों और केरल के कासरगोड से भी आते हैं। यह अस्पताल पूरे कर्नाटक में सरकारी स्वास्थ्य सेवा के लिए एक आदर्श बन गया है, जो निजी अस्पतालों की तरह गरीबों को आधुनिक उपचार और सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान करता है। इस मुद्दे पर कर्नाटक विकास कार्यक्रम (केडीपी) की बैठकों में चर्चा हुई थी, और तटीय विधायकों ने भी सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। एमएलसी इवान डिसूजा ने कहा कि वेनलॉक को क्षेत्रीय अस्पताल घोषित करने की माँग सरकार के समक्ष रखी गई है। उन्होंने कहा सरकार ने कहा है कि ऐसे कोई दिशानिर्देश नहीं हैं। लेकिन हमने उनसे नियमों में संशोधन करके वेनलॉक को क्षेत्रीय अस्पताल का दर्जा देने का अनुरोध किया है। प्रयास जारी हैं और हमें जल्द ही इसकी घोषणा होने की उम्मीद है। क्षेत्रीय दर्जे की माँग के साथ-साथ, कर्मचारियों की कमी को दूर करने की भी माँग की गई है। 618 स्वीकृत पदों में से केवल 194 ही भरे हुए हैं, जिससे 424 रिक्तियाँ हैं। वर्तमान में, 195 आउटसोर्स ग्रुप डी कर्मचारी कार्यभार संभाल रहे हैं। अगर वेनलॉक को क्षेत्रीय अस्पताल घोषित किया जाता है, तो यह पड़ोसी जिलों के लिए केंद्रीय रेफरल केंद्र बन जाएगा। प्रशासनिक जिम्मेदारी केएएस-रैंक के अधिकारियों द्वारा संभाली जाएगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों की भर्ती लगभग दोगुनी हो जाएगी। बिस्तर, ऑक्सीजन आपूर्ति और आईसीयू जैसी सुविधाओं में और वृद्धि की जाएगी।

गोरखपुर में हुआ गोरखा युद्ध स्मारक और संग्रहालय का शिलान्यास

ब्रिटिश भी नहीं कर पाए थे गोरखा सैनिकों का सामना : सीएम योगी

हम विकसित भारत की कल्पना करें, पर अतीत न भूलें : सीडीएस चौहान

भारत-नेपाल के ऐतिहासिक रिश्तों को मजबूती देगा स्मारक

गोरखपुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखा रेजीमेंट के वीर सपूतों की अदम्य साहस और शौर्यगाथा को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनाने के उद्देश्य से गोरखा युद्ध स्मारक के सौंदर्यीकरण कार्य और संग्रहालय का शिलान्यास किया। यह परियोजना 45 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जाएगी, जो न केवल गोरखा सैनिकों के बलिदान को सम्मान देगी बल्कि भारत-नेपाल के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करेगी। कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी उपस्थित रहे। इस दौरान सीएम योगी ने गोरखा सैनिकों की वीरता को याद करते हुए कहा कि गौरवशाली विरासत की नींव आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। भारतीय सेना का लोहा आज पूरी दुनिया ने माना है। ब्रिटिश भी गोरखा सैनिकों का सामना नहीं कर पाए और उन्हें संधि के लिए मजबूर होना पड़ा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संग्रहालय का भूमिपूजन किया और परिसर में स्थित मां काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान गोरखा रिक्रूटिंग डिपो (जीआरडी) की कार्यशैली पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें गोरखा रेजीमेंट के बहादुर जवानों की कहानियां जीवंत रूप से प्रस्तुत की गईं।

साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जवानों ने अपनी परंपरा और संस्कृति के अनुरूप नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गए। मुख्यमंत्री ने गोरखा रेजीमेंट के शहीदों के परिवारों की वीर महिलाओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध पंक्तियां उद्धृत कीं, जो मर गए मातृभूमि के लिए बिना किसी कीमत के मोल... कलम आज उनकी जय बोल। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण गुलामी के अंशों को समाप्त करना, अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति, वीर सैनिकों के प्रति सम्मान, सामाजिक एकता और कर्तव्यों का निर्वहन का जिक्र करते हुए कहा कि गोरखा सैनिकों ने अलग-अलग मोर्चों पर काम किया है सभी वीर सैनिकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

सीएम योगी ने कहा कि जब हम भारत की सेना के शौर्य की चर्चा करते हैं, तो गोरखा सैनिकों का नाम सबसे ऊपर आता है। जय महाकाली, आयो गोरखाली के उद्घोष के साथ जब ये शत्रु पर टूट पड़ते हैं, तो दुश्मन पीछे हटने को मजबूर हो जाता है। 1816 के ब्रिटिश-गोरखा युद्ध में ब्रिटिश सेना को संधि के लिए बाध्य होना पड़ा। उसके बाद गोरखा सैनिकों ने ब्रिटिश आर्मी में भी अपनी बहादुरी दिखाई। स्वतंत्र भारत में भी उन्होंने विभिन्न मोर्चों पर दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर किया।

सीएम योगी ने महायोगी गुरु गोरखनाथ की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां गोरखनाथ मंदिर हैं, वहां मां काली की पूजा अनिवार्य है, जो शिव और शक्ति के समन्वय का प्रतीक है। यह समन्वय ही गोरखा सैनिकों की मौत से बेखौफ होकर लड़ने की शक्ति का स्रोत है।

सीएम योगी ने इस स्मारक को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बताते हुए कहा कि यह 100 वर्ष पुराना स्मारक अब भव्य रूप लेगा।

यहां म्यूजियम में गोरखा रेजीमेंट के पुराने यूनिफॉर्म, हथियार, अस्त्र-शस्त्र और युद्ध कला के परिवर्तनों को प्रदर्शित किया जाएगा। इससे युवा पीढ़ी को इतिहास से सीखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने सीडीएस जनरल अनिल चौहान को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी व्यस्तता के बावजूद इस कार्यक्रम में शामिल होना गोरखा रेजीमेंट के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार की पहलों का जिक्र किया, जैसे पुलिस बल में स्मारकों का निर्माण, शहीदों के परिवारों को 50 लाख रुपये की सहायता, नौकरी और स्मारकों का नामकरण। उन्होंने अग्निवीर योजना के तहत लौटने वाले जवानों के लिए पुलिस में 20 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा भी दोहराई।

मुख्यमंत्री ने युद्ध स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर जवानों को सलामी दी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल गोरखपुर के कूनराघाट क्षेत्र में रहने वाले हजारों पूर्व गोरखा सैनिकों के परिवारों को गौरव की अनुभूति कराएगी, बल्कि युवाओं में सेना के प्रति आकर्षण बढ़ाएगी। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर में नया सैनिक स्कूल स्थापित किया गया है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में मदद करेगा। उन्होंने नेशन-फर्स्ट के भाव पर जोर देते हुए कहा कि हर नागरिक के कर्तव्य निर्वहन से ही लक्ष्य प्राप्त होंगे।

संग्रहालय गोरखा रेजीमेंट की गौरवगाथा को डिजिटल रूप से प्रस्तुत करेगा। इसमें डिजिटल और साउंड एंड लाइट शो के माध्यम से वीर जवानों की कहानियां जीवंत होंगी। 7डी थिएटर, दीवारों पर म्यूरल पेंटिंग और वीडियो डॉक्यूमेंट्री आकर्षण का केंद्र होंगे। इस अवसर पर सीडीएस अनिल चौहान, सांसद रवि किशन, केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान, महापौर मंगलेश श्रीवास्तव, गोरखा रेजिमेंट के वरिष्ठ अधिकारी समेत गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

गोरखा सैनिकों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणास्रोत है : सीडीएस

देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने गोरखा सैनिकों की वीरता को सलाम करते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। 1886 में कुनराघाट में गोरखा रिक्रूटिंग डिपो की स्थापना हुई थी। प्रथम विश्व युद्ध में गोरखा सैनिकों ने अदम्य साहस दिखाया और कम से कम 20 हजार शहीद हुए। 1925 में इस युद्ध स्मारक की स्थापना हुई। आज इसका नवीनीकरण हमारी दूरदर्शिता का प्रमाण है। सीडीएस चौहान ने योगी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह स्मारक सिविल-मिलिट्री फ्यूजन का प्रतीक बनेगा। उन्होंने तीन कारणों से इसे महत्वपूर्ण बताया, पहला, गोरखा सैनिकों और भारतीय सेना के करीबी रिश्तों की पहचान, दूसरा, उनकी सदियों पुरानी निस्वार्थ सेवा और बहादुरी और तीसरा, भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता। सीडीएस ने कहा कि आज परिवर्तन का समय है। हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं, लेकिन अतीत को भूलना नहीं चाहिए। गोरखा सैनिकों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणास्रोत है, जो आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

मथुरा वृंदावन में बाढ़ से हालात बेकाबू

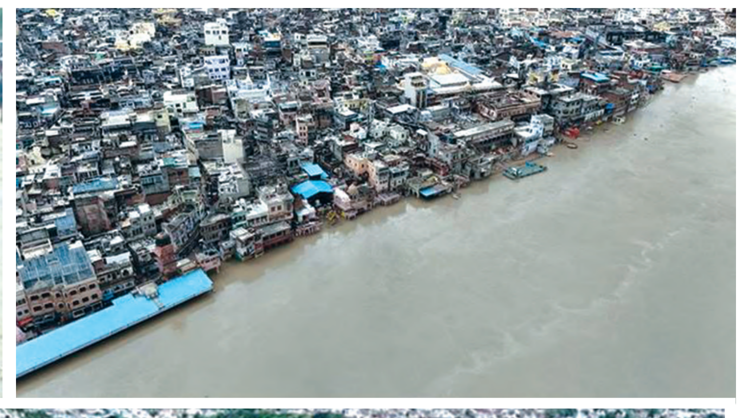

दर्जनों गांव बने टापू, हर तरफ पानी ही पानी

मथुरा, 04 सितंबर (एजेंसियां)। पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश होने से यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे मथुरा के एक दर्जन से अधिक गांव टापू बन गए हैं। मथुरा-वृंदावन में यमुना से सटी दर्जनों कॉलोनियों में चार-चार फीट तक पानी भर गया है। कुछ गांवों की देहरी तक भी पानी पहुंच गया है। प्रशासन ने यमुना जलस्तर को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है।

प्रशासन ने जलस्तर बढ़ने की आशंका जताई है। डीएम समेत आला अधिकारी लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं और लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील भी की है। अब तक करीब 1500 विस्थापितों को राहत शिविरों में भेजा जा चुका है।

नौहझील, मांट, छाता समेत यमुना से सटे अन्य क्षेत्रों के 23 गांव बाढ़ प्रभावित हैं। इनमें से 13 गांव ऐसे हैं, जो पूरी तरह यमुना के पानी की चपेट में हैं। इनमें सबसे अधिक नौहझील क्षेत्र से करीब नौ गांव शामिल हैं। इन्हीं क्षेत्रों के कुछ गांव ऐसे भी हैं, जहां शुक्रवार और शनिवार की रात को पानी घुसने की आशंका जताई जा रही है। मथुरा-वृंदावन यमुना खादर का भी यही हाल है। दर्जनों कॉलोनियां जलमग्न हो चुकी हैं, तो कई कॉलोनियों में धीरे-धीरे पानी घुस रहा है। बीते दिनों हथिनीकुंड से 3.29 लाख क्यूसेक छोड़े गए पानी की वजह से मथुरा में बाढ़ से हालात बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। वृंदावन में कालिंदी ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। यमुना के बढ़ते कदमों से लोग चिंतित हैं। तेज गति से पंख फैलाती यमुना नदी घाटों से निकलकर कॉलोनियों और सड़कों पर नजर आ रही है। कई घाटों को सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिया। वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि कोई हादसा नहीं हो जाए। अब तक बाढ़ से प्रभावित दर्जनों कॉलोनियों से डेढ़ हजार से अधिक लोगों को नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा दिया। वहीं पशुओं को सुरक्षित आसरा दिया है।

जिला प्रशासन ने बताया कि बाढ़ प्रभावितों के लिए कई क्षेत्रों में 39 बाढ़ चौकियां बनाई गई हैं। प्रत्येक बाढ़ चौकी पर क्षेत्रीय एसडीएम निगरानी कर रहे हैं और लेखपाल एवं नायब तहसीलदार को क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक राजेश चौधरी ने बृहस्पतिवार को क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। विधायक ने नाव की जरिए डांगोली, नगला सुदामा, जहांगीरपुर, बेगमपुर में बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। देवराह आश्रम के बड़े महाराज देवदास ने कहा, आज तक कोई भी विधायक बाढ़ में फंसे लोगों से बात करने के लिए नहीं आया।

अरसे बाद पंचायत चुनाव में पूरे दम-खम से उतरेगी बसपा

गांवों में फिर से जनाधार पाने की होगी कोशिश

लखनऊ, 04 सितंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) एक बार फिर से उत्तर प्रदेश में सक्रिय होने जा रही है। बीते कई चुनावों में सक्रिय न रहने वाली पार्टी इस बार पंचायत चुनाव में अपनी सक्रियता दिखाएगी। प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव में बसपा भी पूरे दम-खम के साथ हिस्सा लेगी। पार्टी पंचायत चुनाव के जरिए गांव-गांव में अपनी पैठ बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

कैडर कैंप के जरिए पार्टी ने इसकी मजबूती से शुरूआत भी कर दी है। इन कैंपों में सैकड़ों की तादात में लोगों को पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण कराई जा रही है। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक पंचायत चुनाव से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार की जाएगी।

पार्टी ने लोकसभा चुनाव के बाद कैडर कैंप पर फोकस करते हुए संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू की थी। इसके तहत पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों को बसपा की सदस्यता ग्रहण करा रहे हैं। साथ ही अन्य दलों के नेताओं को भी पार्टी में शामिल किया जा रहा है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक बिहार चुनाव के बाद पंचायत चुनाव की तैयारियों को अमली जामा पहनाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने दलितों के साथ होने वाली घटनाओं को लेकर भी गंभीर रुख अख्तियार किया है और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को पीड़ितों के घर जाकर सांत्वना देने और आर्थिक मदद करने का निर्देश दिया है। पार्टी का यह कदम दलित वोट बैंक को बसपा के पक्ष में एकजुट करने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है।

आगामी सात सितंबर को बसपा सुप्रीमो मायावती ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक बुलाई है, जिसमें पार्टी संस्थापक कांशीराम के 9 अक्टूबर को होने वाले परिनिर्वाण दिवस की तैयारियों की रूपरेखा तय की जाएगी। साथ ही, पंचायत चुनाव की तैयारियों की समीक्षा भी की जाएगी। इस दौरान बसपा सुप्रीमो पदाधिकारियों को पंचायत चुनाव में अहम पदों पर प्रत्याशियों के चयन के बारे में भी निर्देश देंगी।

संपादकीय

'मां' बनेगा चुनावी मुद्दा?

2007 में गुजरात विधानसभा चुनाव होने थे। 2002 के गोधरा कांड और सांप्रदायिक दंगों के लहूलुहान वाला दौर सतही तौर पर शांत हो चुका था। नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन पर दंगों और हत्याकांड के परोक्ष आरोप थे और विभिन्न आयोग जांच कर रहे थे। योगेंद्र यादव सरीखे प्रख्यात चुनाव पंडित ने भाजपा की पराजय के विश्लेषण किए थे। उस दौर में मोदी को 'मौत का सौदागर' बोल दिया गया। उनके लिए 'जहर की खेती' सरीखे शब्द भी कहे गए। उन पर 'खून की दलाली' जैसे शब्द भी चस्पां किए गए। मुख्यमंत्री मोदी ने उन अपशब्दों को 5-6 करोड़ गुजरातियों के अपमान से जोड़ दिया। शेष मुद्दे नेपथ्य में चले गए। गुजरातियों का मान-सम्मान चुनावी मुद्दा बन गया। भाजपा को शानदार जनादेश हासिल हुआ। उसी तरह बिहार में भी चुनावी हवा बदल न जाए, हमें आशंका होती है। बिहार में राजद-कांग्रेस-वामदल की 'वोटर अधिकार यात्रा' समाप्त हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी दिवंगत मां को दी गई गाली का मुद्दा उठा दिया। बेशक विपक्ष के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई थी। वाकई गाली, अपशब्द नहीं, भद्दी गाली दी गई थी, जिसे नैतिकता और मर्यादा के मद्देनजर हम लिख भी नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-मेरी 100 वर्षीय मां अब इस दुनिया में नहीं है। वह मुझे छोड़ कर जा चुकी है। मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। मां ने गरीबी के बीच ही हमें पाला-पोसा और मां भारती की सेवा के संस्कार दिए। उस मां को भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बिहार ही नहीं, देश की करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का अपमान है। भले ही मैं व्यक्तिगत रूप से गाली देने वालों को माफ कर दूं, लेकिन छठ मैया को पूजने वाले बिहार के लोग उन्हें क्षमा नहीं करेंगे।'' यकीनन प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, कुछ शब्दों का अंतर हो सकता है। किसी की भी मां को गाली देना पाप है, अक्षम्य अपराध है और उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का मानना सही है कि मां का स्थान देवी-देवताओं से भी ऊपर है। वह जननी है। हमने ईश्वर को तो नहीं देखा, लेकिन ईश्वर के प्राणियों की जननी को देखा है, लिहाजा मां में ईश्वर का प्रतिरूप अनुभव किया जा सकता है। विडंबना यह है कि विपक्ष के प्रवक्ता और कुछ छुटभैया नेता गाली को भी न्यायोचित करार देने में जुटे हैं। यह राजनीतिक कुंठा और हताशा है। कुछ हद तक नफरत भी है। हालांकि लोकतंत्र में ऐसे भाव की राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है। कमोबेश ऐसी सोच पर निर्णायक जनादेश नहीं मिला करते। हम स्वीकार करते हैं कि प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी ने भी 2014 के चुनाव में 'जर्सी गाय', '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', 'कांग्रेस की विधवा' आदि अपशब्दों का प्रयोग किया था। हालांकि ये प्रतीकात्मक शब्द थे। प्रत्यक्ष रूप से 'गलीनुमा' गाली नहीं दी गई थी। मोदी इन अपशब्दों से भी बचे और बाद के चुनावों में इन्हें नहीं दोहराया। विशेषण, रूपक और भद्दी गाली में आकाश-पाताल का अंतर होता है। अब प्रधानमंत्री की मां को गाली देने की, मर्यादा के पतन की पराकाष्ठा छू लेने की भद्दी कोशिश की गई है। यही नहीं, देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री को भी 100 से अधिक गालियां दी जा चुकी हैं। हम कई बार वे विश्लेषण कर चुके हैं। सवाल है कि क्या इसे भी लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी माना जाए? प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव अभियानों में इन गालियों को भी मुद्दा बनाया और लोगों ने निर्णायक जनादेश दिए। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी को 'वोट चोर' करार देकर भी नारे लगवाए गए हैं। हम मतदाता सूचियों में विसंगतियों से इंकार नहीं कर रहे। शायद इसीलिए संविधान में अनुच्छेद 324 और 326 के तहत चुनाव आयोग को शक्तियां दी गई हैं कि वह सूचियों का पुनरीक्षण कर सके। यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी सुना जा रहा है। अदालत ने चुनाव आयोग के एकदम खिलाफ कोई फैसला नहीं सुनाया। बेशक इस मुद्दे पर विपक्ष ने खूब शोर मचाया है, लेकिन जनादेश की कोई गारंटी नहीं है। यदि प्रधानमंत्री की मां को गाली देना चुनावी मुद्दा बन गया, तो चुनाव की हवाएं बदल भी सकती हैं। इस तरह के मुद्दे उछलने के कारण महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार जैसे कई जरूरी मुद्दों पर सार्थक चर्चा नहीं हो पाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-मेरी 100 वर्षीय मां अब इस दुनिया में नहीं है। वह मुझे छोड़ कर जा चुकी है। मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। मां ने गरीबी के बीच ही हमें पाला-पोसा और मां भारती की सेवा के संस्कार दिए। उस मां को भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बिहार ही नहीं, देश की करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का अपमान है। भले ही मैं व्यक्तिगत रूप से गाली देने वालों को माफ कर दूं, लेकिन छठ मैया को पूजने वाले बिहार के लोग उन्हें क्षमा नहीं करेंगे।'' यकीनन प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, कुछ शब्दों का अंतर हो सकता है। किसी की भी मां को गाली देना पाप है, अक्षम्य अपराध है और उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का मानना सही है कि मां का स्थान देवी-देवताओं से भी ऊपर है। वह जननी है। हमने ईश्वर को तो नहीं देखा, लेकिन ईश्वर के प्राणियों की जननी को देखा है, लिहाजा मां में ईश्वर का प्रतिरूप अनुभव किया जा सकता है। विडंबना यह है कि विपक्ष के प्रवक्ता और कुछ छुटभैया नेता गाली को भी न्यायोचित करार देने में जुटे हैं। यह राजनीतिक कुंठा और हताशा है। कुछ हद तक नफरत भी है। हालांकि लोकतंत्र में ऐसे भाव की राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है। कमोबेश ऐसी सोच पर निर्णायक जनादेश नहीं मिला करते।

भारत अमेरिका का विश्वसनीय और मजबूत सहयोगी है, विशेष तौर पर तकनीक, प्रतिभा और आर्थिक क्षमता की दृष्टि से भारत महत्वपूर्ण देश है

अपने ही घर में घिरते जा रहे डोनाल्ड ट्रंप

राजेश कुमार पासी

डोनाल्ड ट्रंप एक व्यापारी हैं और अपनी इस मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं । सिर्फ सात महीनों के कार्यकाल में ही अपने फैसलों से वो न केवल विदेशों में बल्कि अपने ही देश में घिरते जा रहे हैं । बेशक वो एक व्यापारी हैं लेकिन वहां भी कोई बड़ी उपलब्धि उनके नाम नहीं है. वो केवल अपने पारिवारिक व्यापार को आगे बढ़ा रहे हैं । उनकी वर्तमान हालत को देखते हुए कहा जा सकता है कि उन्हें न तो घरेलू राजनीति की समझ है और न ही वो वैश्विक राजनीति को समझ पा रहे हैं । अभी तक सिर्फ उनकी नीतियों को लेकर सवाल उठाया जा रहा था लेकिन अब उनकी नीयत पर भी सवाल उठा दिया गया है । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने पाकिस्तान के साथ अपने परिवार के व्यापारिक हितों के कारण भारत के साथ दशकों पुराने रिश्तों को खतरे में डाल दिया है । सुलिवन का कहना है कि ट्रंप ने निजी फायदे के लिए विदेश नीति का दुरुपयोग किया है जो अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के लिए नुकसानदेह है । उन्होंने इसे अमेरिका के लिए बड़ा रणनीतिक दुस्साहस बताया है । देखा जाए तो यह एक बहुत ही गंभीर आरोप हैं क्योंकि इससे यह संदेश जाता है कि ट्रंप को केवल अपने निजी हितों की चिंता है । भारत के प्रति उनकी बेरुखी और सख्ती पर यह आरोप सवालिया निशान लगाते हैं । भारत तो पहले ही पूरी दुनिया में यह बता रहा है कि वो अमेरिका के खिलाफ कुछ नहीं कर रहा है, डोनाल्ड ट्रंप ही बेवजह उसे निशाना बना रहे हैं । अभी तक तो यह माना जा रहा था कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी हितों के लिए भारत को झुकाकर समझौता करना चाहते हैं लेकिन जेक सुलिवन के आरोप कुछ और ही कहानी सुना रहे हैं । ऐसा नहीं है कि यह बात पहले नहीं कही गई है लेकिन इस तरीके से खुलकर किसी प्रतिष्ठित अमेरिकी ने ट्रंप को निशाने पर नहीं लिया है । यह आरोप उस समय लगाया गया है, जब पूरे अमेरिकी मीडिया में एससीओ शिखर सम्मेलन की खबरें चल रही हैं । इस समय पूरा अमेरिकी मीडिया डोनाल्ड ट्रंप को खलनायक साबित करने पर लगा हुआ है और प्रधानमंत्री मोदी को नायक बनाने पर तुला हुआ है । यह तब हो रहा है जब अमेरिकी मीडिया को भारत विरोधी रवैये के लिए जाना जाता है । जेक सुलिवन ने कहा है कि भारत अमेरिका का विश्वसनीय और मजबूत सहयोगी है, विशेष तौर पर तकनीक, प्रतिभा और आर्थिक क्षमता की दृष्टि से भारत महत्वपूर्ण देश है । उनका कहना है कि भारत के साथ मजबूत संबंध चीन और अन्य वैश्विक खतरों से निपटने में मदद कर सकते हैं । उन्होंने कहा है कि ट्रंप की नीतियों का असर केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि उनकी नीतियों के कारण अमेरिका के अन्य मित्र देशों में भी यह संदेश चला गया है कि अमेरिका पर भरोसा करना जोखिम भरा कदम हो सकता है । देखा जाए तो उनकी इस बात में सच्चाई है क्योंकि जापान और आस्ट्रेलिया ने डोनाल्ड ट्रंप की परवाह न करते हुए भारत से अपने संबंधों को बढ़ाने की बात कही है । यूरोपीय देश भी भारत से सहयोग बढ़ाने की बात कर रहे हैं जबकि ट्रंप चाहते हैं कि यूरोपीय देश भारत पर अमेरिका की तरह टैरिफ लगा दें । सुलिवन का कहना है कि अमेरिका का वचन ही उसकी ताकत है, इसलिए मित्र देशों को यह भरोसा है कि अमेरिका रणनीतिक साझेदारियों में विश्वसनीय है । उन्होंने कहा है कि ट्रंप की नीति अमेरिका की विश्वसनीयता और अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह लगा सकती है । वास्तव में देखा जाए तो सेलिवन जो कह रहे हैं, वो होने का अंदेशा नहीं है बल्कि हो चुका है । अमेरिका की विश्वसनीयता तो सवालों के घेरे में आ चुकी है और उसके ही मित्र देश उससे परेशान हैं । डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया को अपने टैरिफ वॉर से डराकर मनमाना समझौता करना चाहते हैं । यूरोप सहित कई देशों से उन्होंने ऐसे समझौते कर भी लिए हैं । जिन देशों ने ट्रंप के दबाव में आकर समझौते कर लिए हैं, उन देशों में अमेरिका का विरोध बढ़ता जा रहा है । अमेरिका के मशहूर अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ प्रोफेसर जॉन मियशीर्मर ने ट्रंप प्रशासन की भारत नीति को बड़ी गलती माना है । उनका कहना है कि तेल खरीदने पर लगाए गए टैरिफ काम करने वाले नहीं हैं । उन्होंने कहा है कि अमेरिका के इस कदम से भारत के साथ रिश्तों को बड़ा नुकसान हुआ है और अब भारत अमेरिका से दूर जा रहा है । उन्होंने कहा कि यह हमारी बहुत बड़ी गलती है, यह समझ नहीं आ रहा है कि आखिर यहां क्या हो रहा है । उन्होंने ट्रंप पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारत के साथ मजबूत रिश्तों को जहरीला बना दिया है । उनका कहना है कि चीन को रोकना अमेरिका की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इसमें भारत अहम साझेदार है । ट्रंप के कारण भारत हमसे बहुत नाराज है, मोदी न सिर्फ रूस बल्कि चीन के भी करीब आ रहे हैं । उन्होंने इसके लिए ट्रेड सलाहकार नवारो को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उनकी नीतियों का उल्टा असर हो रहा है । उन्होंने कहा है कि भारत को झुकाने की कोशिश की जा रही है लेकिन भारत जो कदम उठा रहा है उससे पता चलता है कि यह रणनीति गलत है । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन का कहना है कि सोवियत संघ से नजदीकी और चीन से बढ़ते खतरे के बावजूद पश्चिमी देशों ने भारत के साथ रिश्ते मजबूत किए थे, लेकिन ट्रंप के टैरिफ ने दशकों पुरानी सारी मेहनत बर्बाद कर दी है । उन्होंने कहा है कि ट्रंप ने आर्थिक दृष्टिकोण अपनाकर रणनीतिक फायदों को खतरे में डाल दिया है । उनका कहना है कि ट्रंप के कारण चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पूर्वी देशों के साथ अपने रिश्ते सुधारने का मौका मिल गया है, ट्रंप की अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति के कारण सारे प्रयासों पर पानी फिर गया है । उनका कहना है कि ट्रंप कूटनीति को समझना ही नहीं चाहते है, उन्होंने चिनफिंग को पूर्व के साथ रिश्ते बेहतर करने का मौका दे दिया है । वास्तव में देखा जाए तो इन लोगों द्वारा जो कुछ कहा जा रहा है, वो एससीओ की बैठक से सच साबित होता दिखाई दे रहा है । जिस पाकिस्तान को अमेरिकी राष्ट्रपति गोद में उठाकर घूम रहे हैं, उस पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को उस बैठक में कोई पूछने वाला नहीं था । ट्रंप पाकिस्तान को भारत के बराबर रखकर देख रहे हैं लेकिन चीन और रूस ने दिखा दिया है कि भारत की ताकत क्या है । अमेरिकी मीडिया भारत विरोधी रवैया रखता है और भारत को ज्यादा महत्व नहीं देता लेकिन एससीओ की सफल बैठक के बाद भारत अमेरिकी मीडिया की सुर्खियों में छाया हुआ है । अमेरिकी मीडिया ने डोनाल्ड ट्रंप को भारत-अमेरिकी संबंधों को खराब करने के लिए खलनायक की तरह पेश करना शुरू कर दिया है । कहा जा रहा है कि चीन नई विश्व व्यवस्था का समीकरण तैयार कर रहा है । प्रधानमंत्री मोदी के चीन में हुए भव्य स्वागत और चीन के राष्ट्रपति का उनके साथ व्यवहार अमेरिकी मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है । वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा है कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग एससीओ को सिर्फ सुरक्षा मंच नहीं बल्कि आर्थिक-सहयोगी ब्लाक बनाना चाहते हैं । सीएनएन, न्यूयॉर्क टाइम्स, ब्लूमबर्ग समेत ज्यादातर अखबारों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि ट्रंप ने अमेरिका की 25 सालों की मेहनत बर्बाद कर दी है । अमेरिकी मीडिया का कहना है कि ट्रंप ने एक झटके में भारत को रूस और चीन के खेमे में खड़ा कर दिया है । अमेरिकी मीडिया चिंता जता रहा है कि पीएम मोदी की रूस और चीन से नजदीकी उन्हें धीरे-धीरे अमेरिका से दूर कर रही है । द इकोनॉमिस्ट ने एससीओ शिखर सम्मेलन को भारत और चीन के बीच सुधरते रिश्तों का एक शानदार उदाहरण बताया है । द इकोनॉमिस्ट ने लिखा है कि ट्रंप के बेमतलब फैसलों ने भारत को अमेरिका से दूर कर दिया है । अखबार ने लिखा है कि चिनफिंग ने इस कार्यक्रम का इस्तेमाल चीन की वैश्विक ताकत का प्रदर्शन करने के लिए किया है । न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि रूस और भारत के नेताओं की यात्रा के जरिये चीन ने दिखाया है कि शासन कला, सैन्य शक्ति और इतिहास का उपयोग कैसे किया जा सकता है । अखबार लिखता है कि भारत, अमेरिका के लिए चीन का आर्थिक विकल्प था लेकिन ट्रंप ने उसे खत्म कर दिया है । वॉल स्ट्रीट ने लिखा है कि ट्रंप की नीतियों ने दुनिया को हिला दिया है, चीन इस मौके पर खुद को ग्लोबल लीडर के रूप में पेश कर रहा है ।

भारत तो पहले ही पूरी दुनिया में यह बता रहा है कि वो अमेरिका के खिलाफ कुछ नहीं कर रहा है, डोनाल्ड ट्रंप ही बेवजह उसे निशाना बना रहे हैं । अभी तक तो यह माना जा रहा था कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी हितों के लिए भारत को झुकाकर समझौता करना चाहते हैं लेकिन जेक सुलिवन के आरोप कुछ और ही कहानी सुना रहे हैं । ऐसा नहीं है कि यह बात पहले नहीं कही गई है लेकिन इस तरीके से खुलकर किसी प्रतिष्ठित अमेरिकी ने ट्रंप को निशाने पर नहीं लिया है । यह आरोप उस समय लगाया गया है, जब पूरे अमेरिकी मीडिया में एससीओ शिखर सम्मेलन की खबरें चल रही हैं । इस समय पूरा अमेरिकी मीडिया डोनाल्ड ट्रंप को खलनायक साबित करने पर लगा हुआ है और प्रधानमंत्री मोदी को नायक बनाने पर तुला हुआ है । यह तब हो रहा है जब अमेरिकी मीडिया को भारत विरोधी रवैये के लिए जाना जाता है ।

देश दुनिया से

बिहार का नतीजा तय करेगा सत्ता पक्ष और विपक्ष का भविष्य

यह 16 दिनों की यात्रा राज्य के 25 जिलों और 110 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी। करीब 1300 किलोमीटर की इस यात्रा का उद्देश्य कथित तौर पर लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के खिलाफ आवाज उठाना था। राहुल गांधी ने इसे "नैतिक" लड़ाई बताया। यात्रा के दौरान विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाई। राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' सासाराम से शुरू हुई थी और पटना में समाप्त हुई। इस यात्रा का मकसद उन लाखों मतदाताओं के लिए आवाज उठाना था जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग की मसौदा मतदाता सूची में राज्य के 65.5 लाख वोटरों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। विपक्ष ने इस यात्रा को सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि एक "नैतिक" लड़ाई के तौर पर पेश किया। राहुल गांधी ने कहा कि वे उन लाखों लोगों के मताधिकार की रक्षा करना चाहते हैं जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। यात्रा में संविधान की रक्षा की दुहाई दी गई और विपक्ष की एकता का प्रदर्शन किया गया। इस यात्रा के दौरान 'वोट चोर, गद्दी छोड़' जैसे नारे लगाए गए। पटना की रैली में शामिल हुए मुंगेर से शामिल हुए राकेश कुमार मंडल और संजय पोद्दार बताते हैं कि इस समापन से एक नयी शुरुआत देश भर में हो चुकी है जिसमें अपने मताधिकार की रक्षा के लिए जनता स्वतःस्फूर्त खड़ी होती दिख रही है। पटना में समापन के मौके पर उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट में फर्जी मतदाताओं की पड़ताल के प्रकरण को दोहराते हुए कहा कि तब तो केवल एटम बम फटा था, लेकिन उससे भी ताकतवर होता है हाइड्रोजन बम, जो अब फूटने जा रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ बिहार का मुद्दा नहीं है बल्कि भारतीय लोकतंत्र का मुद्दा है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी यात्रा का मुख्य संदेश – 'एक व्यक्ति, एक वोट' है। उन्होंने बीजेपी और चुनाव आयोग पर 65 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हटाए गए मतदाताओं में दलित, ओबीसी , मुस्लिम और गरीब वर्ग के लोग शामिल हैं। राहुल गांधी ने कहा, "यह सिर्फ बिहार के बारे में नहीं है, यह भारत के लोकतंत्र के बारे में है।" उन्होंने कहा कि यह यात्रा संविधान की रक्षा के लिए थी। निश्चित ही कांग्रेस पार्टी ने कई ऐसे और सबूत अब तक एकत्र कर लिए होंगे जिनके सामने आने से बड़ा धमाका होने वाला है। दो दिन पहले गुजरात में कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने लोकसभा सीट नवसारी और विधानसभा सीट चोरयासी पर जांच का दावा किया है। उन्होंने बताया कि कुल मतदाताओं में करीब 30 हज़ार फर्जी हैं। जब दो सीटों पर इतनी बड़ी संख्या में फर्जी वोटर हैं, तब इस फर्जीवाड़े का दायरा और कितना बड़ा होगा, यह अनुमान लगाया जा सकता है। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव इसके अलावा लोकसभा चुनावों में भी मतदाता सूची में हेरफेर के इल्जाम श्री गांधी लगा चुके हैं तो मुमकिन हैं अबकी बार इन्हीं से किसी चुनाव की गड़बड़ी फिर से सामने लायी जायेगी। पटना में राहुल-तेजस्वी द्वय के साथ जेएमएम से हेमंत सोरेन, शिवसेना से संजय राउत, एनसीपी से जितेंद्र आव्हाड़, टीएमसी से युसूफ पठान, माकपा से एम ए बेबी, भाकपा से डी राजा और एनी राजा सभी समापन के मौके पर शामिल हुए। इससे पहले एम के स्टालिन, कनिमोझी, अखिलेश यादव, पप्पू यादव तो यात्रा में साथ चले भी हैं। इस मौके पर झारखंड के मुख्य मंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि वोट चोरी पहले से चल रही थी, पकड़ में अब आई है। इसके संकेत साफ़ हैं कि वोट चोरी या एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से नाम काटने का मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का मुद्दा बन चुका है और समूचा विपक्ष इसमें एक साथ भाजपा के खिलाफ खड़ा है। पूरा विपक्ष चुनाव आयोग पर धांधली के एक जैसे इल्जाम लगा रहा है। अभी आम आदमी पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई लेकिन वोट चोरी की शिकायत वह भी करती है और जब संसद से चुनाव आयोग तक विपक्ष का पैदल मार्च हुआ था, तब आप के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए थे। भाजपा, और ख़ास तौर से मोदी सरकार के लिये ये अच्छे संकेत नहीं हैं कि विपक्ष पहले से ज्यादा ताकतवर और एकजुट दिखाई दे रहा है। वैसे तो पूरी यात्रा के दौरान भारी हुजूम उमड़ा रहा लेकिन समापन के मौके पर न केवल बिहार बल्कि देश के अलग-अलग जगहों से लोग अपने आप पहुंचे थे। गांधी मैदान से अंबेडकर प्रतिमा तक विपक्ष के क़ाफ़िले को आगे बढ़ने में घंटों लगे क्योंकि तिल रखने की जगह भी नहीं थी। तिरंगे, हरे, लाल, नीले रंग के झंडों से पटना अटा पड़ा था और वहीं बहुत से लोगों ने काले कपड़ों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई लेकिन उनका भी राहुल-तेजस्वी से बैर नहीं था और न ही नरेन्द्र मोदी की तरह किसी को काले कपड़ों में आने से रोका गया बल्कि 30 अगस्त को यात्रा के आखिरी दिन भोजपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के 4 कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए थे, तो उन्होंने उनमें से एक को पास बुलाकर उनकी बात सुनी और हक़ीक़त बताई। वैसे भी चुनाव आयोग पर अब और नए आरोप सामने आए हैं। पवन खेड़ा ने बताया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की 89 लाख शिकायतें चुनाव आयोग को दी गई हैं। क्योंकि इससे पहले चुनाव आयोग ने अदालत में कहा था कि उसके पास शिकायतें नहीं आई हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि चुनाव अधिकारी बूथ एजेंटों से शिकायतें नहीं लेते और व्यक्तिगत शिकायत जमा करने कहते हैं, जो कि संभव नहीं है, क्योंकि लाखों लोग, जिनके नाम वोटर लिस्ट से कट चुके हैं वे चुनाव अधिकारी तक नहीं पहुंच सकते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि बूथ एजेंटों ने सभी के आवेदन इकट्ठा कर, जिला अध्यक्षों के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी को जमा करवाये हैं। इस खुलासे से ज़ाहिर है कि चुनाव आयोग तक शिकायत पहुंचाने की कोशिश राजनैतिक दल कर रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। क्योंकि पत्रकार श्रीनिवासन रमानी की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बिहार में एसआईआर के तहत तो 65 लाख वोट विभिन्न इलाकों से काटे गए हैं, उनके विश्लेषण पर गंभीर सवाल उठते हैं। जैसे 80 इलाकों में युवा मतदाताओं के मृत्यु के आंकड़े आश्चर्यजनक रूप से सामने आए हैं। 127 इलाकों में वोटर लिस्ट में नाम काटने में लिंगभेद देखा गया है, 1985 इलाके ऐसे हैं, जहां अतार्किक तौर पर मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। 937 इलाके तो ऐसे हैं, जहां सारे मतदाताओं को मृत बताया गया है, 5084 इलाकों में बड़ी संख्या में अनुपस्थित मतदाता दिखाये गये हैं। ऐसी ही कई और अनियमितताओं का खुलासा रिपोर्ट में किया गया है, जिसकी गहन जांच की ज़रूरत बताई गई है।

आप का नजरिया

तो आर्थिक राज्य बनें-1

जब सदन सोचता है, तो अच्छी बातों को मौका मिलता है। अब प्रश्न मीठी बातों से कहीं अधिक कड़वे घूंट पीने का है। आपदाग्रस्त हिमाचल में कई बिजलियां कडक़ रहीं, लेकिन आर्थिक आसमान में गरजते बादलों की भी तो सुध ली जाए। मुकद्दमा बढ़ते लोन का है जहां करीब एक लाख करोड़ के उधार के नीचे आत्मनिर्भरता के सपने उत्साहित करते हैं। आत्मनिर्भरता के मायने किसी छोटी सी रेहड़ी के मालिक से भी सीखे जा सकते हैं। लोग बाहरी प्रदेशों से हिमाचल में आए और निरंतर विकास की प्रक्रिया से आत्मनिर्भर हो गए, क्योंकि उनके उद्देश्य स्पष्ट, वित्तीय प्रबंधन कुशल, फिजूलखर्ची शून्य, हकीकत में जीने की तमन्ना और आगे बढने की योजना बेहतर थी। बेशक हमारा राज्य भी प्रगतिशीलता के मार्ग प्रशस्त करता हुआ आज जहां खड़ा है, वहां उपलब्धियों के कई मील पत्थर हैं, लेकिन वित्तीय व्यवस्था व आर्थिक स्वावलंबन कहीं नजरअंदाज हो गए। बहरहाल हिमाचल विधानसभा में सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने चर्चा की खिड़कियों से प्रदेश के आर्थिक भविष्य को देखने की कोशिश की, तो हरियाली के आलम में दूब की संभावना दिखाई दी। विपिन सिंह परमार, केवल सिंह पठानिया, आशीष बुटेल, राम कुमार, डा. हंसराज, भवानी सिंह पठानियां व दीप राज जैसे विधायकों ने हिमाचल के आर्थिक संसाधन जुटाने में सुझाव दिए। हिमाचल ने प्रगति के मार्ग पर आंकड़ों की दुरुस्ती जरूर की, लेकिन बजटीय प्रगति में उधार की कीलें चुभ गईं। सरकारी क्षेत्र के जरिए हिमाचल ने अपने कद से कहीं अधिक सरकारी धन का इस्तेमाल किया, जबकि सरकारी नौकरियों के प्रबंध में रोजगार के मायने बिखर गए। रोजगार के अवसर, आर्थिक विकास का ढांचा और आत्मनिर्भरता की इच्छाशक्ति का परिचय अगर राज्य को सीखना है, तो किसी रेहड़ी पर चलते व्यापार को देखें, लेकिन हमें व्यापारी से आर्थिक राज्य बनना है। क्या हमने अपने युवाओं से लेकर नागरिक समाज को आर्थिक राज्य बनाने के संकल्प से जोड़ा। हमारा राज्य तो मंत्रिमंडलीय बैठकों में सरकारी नौकरी देख रहा है या सरकार की फिजूलखर्ची में क्षेत्रवाद की महफिल में घूम रहा है। आंकड़ों में बेहतर होने के लिए शैक्षणिक संस्थान अधिक हो सकते हैं, लेकिन शिक्षा को सशक्त करेंगे तो छात्र क्षमतावान हो जाएंगे। हमने पढ़ाई की कसौटी में सरकारी नौकरी की लड़ाई और रोजगार की पढ़ाई में इज्जत गंवाई है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति सरकारी ढांचे की नुमाइश में हम पड़ोसी या कई बड़े राज्यों से अव्वल हो सकते हैं, लेकिन यह लागत अब फिजूलखर्ची के दायरे में कोफ्त पैदा करती है। अब चुनौती यह कि कितने स्कूल-कालेज बंद करके हम संतुलन पैदा करेंगे। कितने विश्वविद्यालय बंद करेंगे या मेडिकल कालेजों के खर्च का प्रबंध करेंगे। कब हम यह समझ पाएंगे कि राज्य के आर्थिक विकास के लिए हमें निजी निवेश के हर रास्ते को खोलना पड़ेगा। सबसे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की दक्षता, जरूरत और प्रासंगिकता के हिसाब से सीमित व सक्षम बनाना पड़ेगा। इस प्रदेश के आर्थिक संसाधन बढ़ाने से पहले आर्थिक संसाधन बचाने पड़ेंगे। राज्य का बजट बहुत ही कमजोर राजस्व उत्पत्ति और कर ढांचे पर चलता है। ऐसे में यह मानना पड़ेगा कि धन की कमी हमें यह शोहरत नहीं देती कि राज्य की वित्तीय हानि पर नागरिकों को मुफ्त में कोई सहूलियत दी जाए। क्या पक्ष-विपक्ष एकमत यह कहेंगे कि बस किराये में किसी वर्ग को छूट न दी जाए या मुफ्त में कुछ यूनिट बिजली की सुविधा को वापस लेकर राज्य की आय को बचाया जाए। हिमाचल की राजनीति ने बजट और राज्य की वित्तीय क्षमता के विरुद्ध नीतियों का सौहार्द बनाने की कोशिश में अब तक जो नुकसान किया है, उसको सुधारने के लिए कड़वे घूंट पर सियासी सहमति चाहिए।

आपदाग्रस्त हिमाचल में कई बिजलियां कडक़ रहीं, लेकिन आर्थिक आसमान में गरजते बादलों की भी तो सुध ली जाए। मुकद्दमा बढ़ते लोन का है जहां करीब एक लाख करोड़ के उधार के नीचे आत्मनिर्भरता के सपने उत्साहित करते हैं। आत्मनिर्भरता के मायने किसी छोटी सी रेहड़ी के मालिक से भी सीखे जा सकते हैं। लोग बाहरी प्रदेशों से हिमाचल में आए और निरंतर विकास की प्रक्रिया से आत्मनिर्भर हो गए, क्योंकि उनके उद्देश्य स्पष्ट, वित्तीय प्रबंधन कुशल, फिजूलखर्ची शून्य, हकीकत में जीने की तमन्ना और आगे बढ़ने की योजना बेहतर थी। बेशक हमारा राज्य भी प्रगतिशीलता के मार्ग प्रशस्त करता हुआ आज जहां खड़ा है, वहां उपलब्धियों के कई मील पत्थर हैं, लेकिन वित्तीय व्यवस्था व आर्थिक स्वावलंबन कहीं नजरअंदाज हो गए। बहरहाल हिमाचल विधानसभा में सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने चर्चा की खिड़कियों से प्रदेश के आर्थिक भविष्य को देखने की कोशिश की, तो हरियाली के आलम में दूब की संभावना दिखाई दी। विपिन सिंह परमार, केवल सिंह पठानिया, आशीष बुटेल, राम कुमार, डा. हंसराज, भवानी सिंह पठानियां व दीप राज जैसे विधायकों ने हिमाचल के आर्थिक संसाधन जुटाने में सुझाव दिए।

कुछ अलग

बेगाना जमाना...

समय इतना बदल गया है कि अब इसकी सही से पहचान भी नहीं हो पाती। पहले बड़ी उम्र का हो जाना वरिष्ठता होती थी। पूरा नगर, पूरा गांव बड़े बूढ़ों का सम्मान करता। अब बूढ़ा हो जाने का अर्थ है, बासी हो जाना। पुराने चावलों की आज कद्र नहीं होती, उनके माथे पर बासी कढ़ी में उबाल आना जैसे मुहावरे चिपका दिए जाते हैं। आपने दिन-रात मेहनत करके खुद चना चबेना खा अपनी दिन-रात की मेहनत से अपने बेटों, भतीजों को पढ़ाया, रोजगार करने के काबिल बनाया और आज वे आपको आंखें दिखाते हुए कहते हैं, 'यह आपका अपना चुनाव था, हम तो आपको कहने नहीं गए थे कि आप चना चबेना खा अपने हक की रोटी खर्च हमें काबिल बनाओ।' यह आपका अपना खुद किया गया चुनाव था। इसके बल पर हमसे किसी राहत रियायत की उम्मीद न करना। आपकी यह फरियाद हमें टसुवे बहाने जैसी लगती है। फिर किस हक की कमाई करने की बात आप कहते हैं। आजकल हक या बिना हक की कमाई होती कहां है? फिर यह नौजवानों का देश है। देश की आधी आबादी पैंतीस की उम्र से नीचे है, और उनमें से अधिकतर बेकार हैं। देश के आंकड़ा शास्त्री कहते हैं कि समय बीतने के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान की तरक्की के साथ इस देश के लोगों की औसत उम्र बढ़ती जा रही है, अर्थात हर साल पहले से अधिक बूढ़ों की संख्या लोगों को नासूर की तरह परेशान करती रहती है। गरीब देश में हर जरूरी चीज की कमी नहीं होती तो पैदा कर दी जाती है, ताकि बाद में धड़ल्ले से उसकी चोर बाजारी हो सके। हाथ पर उगती सरसों की तरह लोग रंक से राजा हो जाएं, फकीर से अमीर हो जाएं, झोपड़ी से प्रासाद हो जाएं।

दृष्टि कोण

राष्ट्र निर्माण का अदृश्य शिल्पकार है अध्यापक

उत्कृष्ट शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की आत्मा होती है। यह केवल रोजगार पाने का साधन भर नहीं, बल्कि जीवन और समाज निर्माण का आधार है। विद्यालय की दीवारें बच्चों को किताबों का ज्ञान देती हैं, परंतु उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे उनके भीतर ऐसे संस्कार और मूल्य रोपित करती हैं जिनसे भविष्य की दिशा तय होती है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। संत कबीर ने कहा था, 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय/बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविंद दियो बताय।' यह पंक्ति हमें स्मरण कराती है कि शिक्षा की वास्तविक आत्मा गुरु के आचरण और चरित्र में ही निहित है। हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में आजादी के बाद से उल्लेखनीय प्रगति की है। जहां स्वतंत्रता के समय प्रदेश की साक्षरता दर मात्र आठ प्रतिशत थी, वहीं अब यह 88 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि राज्य ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और हर गांव में ज्ञान की ज्योति पहुंचाई। डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना, मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना, राजीव गांधी मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल और विदेशों में प्रशिक्षण जैसी सरकारी पहलें इस दिशा में नए आयाम जोड़ रही हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि भवनों और योजनाओं से शिक्षा व्यवस्था की आत्मा जीवित नहीं रहती। उसकी आत्मा तो शिक्षक के व्यक्तित्व और चरित्र से प्रकट होती है। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान देने तक सीमित नहीं होता। वह बच्चों के जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और संघर्ष का साहस भी संचारित करता है। वह उनके लिए पथप्रदर्शक और आदर्श बनता है। विनोबा भावे ने कहा था कि किसी भी देश का भविष्य इस पर निर्भर करता है कि आज उसके बच्चों को दिशा देने वाले कैसे हैं। सच भी यही है कि शिक्षक ही वह शिल्पकार है, जो कच्ची मिट्टी को गढक़र जिम्मेदार नागरिक बनाता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में कुछेक शिक्षकों की अनुचित हरकतों ने पूरे शिक्षक समुदाय की साख पर प्रश्नचिह्न लगाया है। जवाली, चौपाल और जोगिंद्रनगर में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं ने न केवल अभिभावकों को विचलित किया है, बल्कि हजारों आदर्श अध्यापकों की मेहनत को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों के दौर में हर घटना तुरंत उजागर होती है और उसका प्रभाव व्यापक होता है। यह सच है कि गुलाब के साथ कांटे भी होते हैं, लेकिन शिक्षक का नैतिक पतन केवल उसकी व्यक्तिगत विफलता नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज और आने वाली पीढियों के लिए गंभीर खतरा है। अल्फ्रेड एडलर ने कहा था, 'बुद्धिमानों की प्रशंसा होती है, धनवानों से ईर्ष्या की जाती है, बलवानों से डरा जाता है, लेकिन विश्वास केवल चरित्रवान व्यक्तियों पर ही किया जाता है।' शिक्षक पर यह विश्वास तभी कायम रह सकता है जब वह स्वयं आदर्श आचरण प्रस्तुत करे। परिवार की बदलती संरचना ने भी शिक्षा को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के प्रसार ने बच्चों को बुजुर्गों से मिलने वाले संस्कारों से दूर कर दिया है। अब बच्चे मोबाइल और इंटरनेट की चकाचौंध में अधिक समय बिताते हैं और दिशा-भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे समय में शिक्षक ही वह आधार है जो उन्हें सही राह दिखा सकता है। यदि वह स्वयं सुसंस्कृत और चरित्रवान है तो उसके शिष्य जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस पाएंगे और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

पुर्तगाल में ऐतिहासिक टूरिस्ट ट्रेन हो गई दुर्घटनाग्रस्त, 15 की मौत, 18 लोग घायल

लिस्बन (पुर्तगाल) ,04 सितंबर (एजेंसियां) ।

पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में बुधवार शाम ऐतिहासिक ग्लोरिया एलिवेटर (टूरिस्ट ट्रेन) दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की जान चली गई और 18 अन्य घायल हो गए। देश में ग्लोरिया लिफ्ट को एलेवाडोर द ग्लोरिया, स्ट्रीटकार और फनिक्युलर भी कहा जाता है। पुर्तगाल में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। इसे पुर्तगाल के इतिहास का भीषण रेल हादसा बताया जा रहा है।

द पुर्तगाल न्यूज अखबार के अनुसार, राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा संस्थान (आईएनईएम) के अनुसार, लिस्बन में ग्लोरिया एलिवेटर के पटरी से उतरने से 15 लोगों की मौत हो गई। घटनास्थल पर पत्रकारों से बातचीत में आईएनईएम के इवेंट प्लानिंग, स्टेट प्रोटोकॉल और क्राइसिस मैनेजमेंट यूनिट के प्रमुख टियागो ऑगस्टो ने कहा कि दुर्घटना में 18 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से पांच की हालत गंभीर हैं। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है।

ऑगस्टो के अनुसार, अग्निशमन विभाग ने आठ वाहन और 34 कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा। इन कर्मचारियों ने घायलों को सांता मारिया अस्पताल पहुंचाया। हादसे की वजह से टूरिस्ट ट्रेन यातायात प्रभावित हुआ है। ग्लोरिया एलिवेटर का संचालन कैरिस कंपनी करती है। ग्लोरिया एलिवेटर बैरो ऑल्टो में रेस्टोराडोरेस को जार्डिम डे साओ पेड्रो डे अल्कांतारा से जोड़ती है। यह लगभग 265 मीटर लंबा मार्ग है। यह मार्ग पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में पुर्तगाल के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया कि एलेवाडोर द ग्लोरिया बैरो ऑल्टो इलाके के मनोरम दृश्यों तक पहुंचने के लिए रेस्टोरैडोर्स स्क्वायर और एवेनिडा द लिबरडेड से एक खड़ी पहाड़ी पर चढ़ती है। लिस्बन फायर फाइटर्स रेजिमेंट ने कहा कि यह हादसा शाम छह बजे के बाद एक केबल में तकनीकी खराबी आने के बाद हुआ। एलेवाडोर द ग्लोरिया एक इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टियागो ऑगस्टो ने कहा कि मृतकों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। लिस्बन के मेयर कार्लोस मोएदास ने कहा कि रात 8:30 बजे तक सभी पीड़ितों को अस्पताल ले जाया जा चुका था। लिस्बन शोक में है। यह शहर के लिए एक दुखद क्षण है। पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना और व्यक्त की है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 244 के नाम हत्या के दो मामलों के आरोप पत्रों में शामिल

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश की पुलिस ने राजशाही में जुलाई में हुए जन विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों की

हत्या के संबंध में दर्ज दो मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 243 अन्य के खिलाफ आरोप लगाए हैं। जांच अधिकारियों को अब तक शेख हसीना, पूर्व मंत्री ओबैदुल कादर और राजशाही शहर के पूर्व मेयर खैरुज्जमां लिटन सहित 244 लोगों की हत्याओं में संलिप्तता के पर्याप्त सबूत मिले हैं। राजशाही मेट्रोपॉलिटन पुलिस (आरएमपी) के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद गाजीउर रहमान ने बताया कि उनके नाम आरोपपत्रों में शामिल कर लिए गए हैं। खबर में राजशाही मेट्रोपॉलिटन पुलिस (आरएमपी) के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद गाजीउर रहमान के हवाले से यह जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि आरएमपी की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने मामलों की जांच की है और हाल ही में अदालतों में आरोपपत्र पेश किए हैं। आरएमपी कोर्ट के पुलिस इंस्पेक्टर अब्दुर रफीक ने बताया कि जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान हुई हिंसा के संबंध में विभिन्न थानों में कुल नौ मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से दो हत्या के मामले हैं और बाकी विभिन्न प्रकार की हिंसा और हमलों से संबंधित मामले हैं। अब्दुर रफीक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में पुलिस ने सभी नौ मामलों में संबंधित अदालतों में आरोप पत्र दाखिल कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि नौ मामलों में कुल 529 लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इनमें से शेख हसीना समेत 244 के नाम हत्या के दो मामलों में दर्ज हैं ।

अमेरिका-मेक्सिको ने कार्टेल्स के खिलाफ सहयोग मजबूत करने की पुष्टि की

मैक्सिको सिटी। अमेरिका और मेक्सिको ने बुधवार को घोषणा की कि दोनों देश सुरक्षा मजबूत करने, कार्टेल्स के खिलाफ कार्रवाई तेज करने और सीमा पार तस्करी व ईंधन चोरी रोकने के लिए सहयोग जारी रखेंगे। यह घोषणा उस समय हुई जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो मैक्सिको सिटी पहुंचे और राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम तथा विदेश मंत्री जुआन रामोन डे ला फुएंते से मुलाकात की। हालांकि, दोनों देशों ने किसी औपचारिक समझौते की घोषणा नहीं की, जिसकी कोशिश शीनबाम बीते कई हफ्तों से कर रही थीं। इसके बजाय, दोनों सरकारों ने एक हाई-लेवल इम्प्लीमेंटेशन मैकेनिज़्म स्थापित करने की बात कही, ताकि नए वादों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। अमेरिका और मेक्सिको पहले से ही कार्टेल्स और फेंटानिल तस्करी के खिलाफ मिलकर काम कर रहे हैं। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों देशों के रिश्ते पारस्परिकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान, साझा एवं विभेदित जिम्मेदारी और आपसी विश्वास के सिद्धांतों पर आधारित हैं।

भारत, चीन और ब्राजील सब टैरिफ लगाते हैं हमने लगाया तो क्या गलत किया: राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन। चीन हमें टैरिफ से मारता है, भारत हमें टैरिफ से मारता है, ब्राजील भी यही करता है। लेकिन

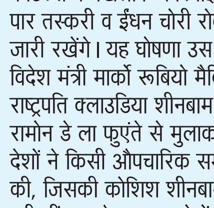

टैरिफ को मुझसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। भारत पहले सबसे ज्यादा टैरिफ वसूलता था, लेकिन अब उन्होंने कहा है कि यहां जीरो टैरिफ होगा। ट्रंप ने स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में बातचीत के दौरान कहा- अमेरिका ने टैरिफ लगाकर एक बड़ी नेगोशिएटिंग पावर हासिल की। उनका दावा है कि अगर अमेरिका दबाव नहीं बनाता, तो भारत कभी इस तरह का प्रस्ताव नहीं रखता। हाल के दिनों में ट्रंप कई बार 'जीरो टैरिफ' की बात दोहरा चुके हैं। सोशल मीडिया पर भी उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार को एकतरफा नुकसानदायक करार दिया। उनका आरोप है कि भारत अमेरिका को बड़े पैमाने पर सामान बेचता है, लेकिन बदले में अमेरिका को भारत में उतनी पहुंच नहीं मिलती। तनाव तब और बढ़ा जब ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया और बाद में इसे दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। दरअसल, यह कदम तब उठाया गया जब भारत ने रूस से तेल खरीद जारी रखी, जबकि ट्रंप चाहते थे कि भारत यह कदम बंद करे। लेकिन भारत ने साफ कह दिया कि उसके फैसले जनता और बाजार की जरूरतों के हिसाब से होंगे। भारत ने लगातार कहा है कि व्यापार को लेकर बातचीत जारी है। मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में बताया कि मतभेद सुलझाने की कोशिश की जा रही है और नवंबर तक द्विपक्षीय व्यापार समझौता यानी बीटीए हो सकता है।

हार्वर्ड विवि को ट्रंप प्रशासन के साथ टकराव में महत्वपूर्ण कानूनी जीत मिली

वाशिंगटन,04 सितंबर (एजेंसियां) ।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने बुधवार को ट्रंप प्रशासन के साथ टकराव में महत्वपूर्ण कानूनी जीत हासिल की। बोस्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज ने कहा कि सरकार ने यहूदी-विरोधी भावना को जड़ से खत्म करने के नाम पर अरबों डॉलर के अनुसंधान कोष को रोककर कानून तोड़ा है। कानूनविद् कहते हैं कि यह फैसला हार्वर्ड को व्हाइट हाउस के साथ समझौता वार्ता में नई ताकत दे सकता है।

खबर में बोस्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज के फैसले की जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि यह एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसने अपने शोध निधि पर प्रशासन के लक्षित हमले के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। न्यायाधीश बरोज ने 84 पृष्ठों के अपने फैसले में लिखा, हमें यहूदी-विरोध के खिलाफ लड़ना होगा, लेकिन हमें अपने अधिकारों की भी रक्षा करनी होगी, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी शामिल है और किसी भी लक्ष्य को दूसरे की वेदी पर बलिदान नहीं किया जाना चाहिए। चाहिए। उन्होंने कहा, हार्वर्ड वर्तमान में, भले ही देर से ही सही, यहूदी-विरोध से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है और जरूरत पड़ने पर और भी अधिक करने को तैयार है।

न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज ने कहा, अब अदालतों का काम है कि वे भी इसी तरह आगे आएं। संविधान द्वारा अपेक्षित शैक्षणिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कदम उठाएं। यह सुनिश्चित करें कि महत्वपूर्ण शोध को अनुचित रूप से मनमाने और प्रक्रियात्मक रूप से कमजोर अनुदानों से न रोका जाए, भले ही ऐसा करने से अपने एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध सरकार के क्रोध का जोखिम हो, चाहे इसके लिए उसे कोई भी कीमत चुकानी पड़े। निर्णय के एक भाग के रूप में, न्यायाधीश बरोज ने कहा कि ट्रंप प्रशासन हार्वर्ड के संघीय अनुसंधान निधि पर अपने प्रथम संशोधन अधिकारों के प्रयोग के प्रतिशोध में या नागरिक अधिकार कानून की शर्तों के अनुपालन के बिना भेदभाव के किसी भी कथित आधार पर नई रुकावटें जारी नहीं कर सकता।

व्हाइट हाउस ने इस फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लिज ह्यूस्टन ने कहा, किसी भी निष्पक्ष पर्यवेक्षक के लिए यह स्पष्ट है कि हार्वर्ड

विश्वविद्यालय अपने छात्रों को उत्पीड़न से बचाने में विफल रहा और वर्षों तक अपने परिसर में भेदभाव को पनपने दिया। हार्वर्ड का करदाताओं के पैसे पर संवैधानिक अधिकार नहीं है और वह भविष्य में अनुदान के लिए अयोग्य बना रहेगा। इस कठोर फैसले के खिलाफ अपील की जाएगी। हमें विश्वास है कि हार्वर्ड को जवाबदेह ठहराने में हम सफल होंगे।

व्हाइट हाउस के बयान के कुछ घंटों बाद हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन एम. गार्बर ने कहा कि विश्वविद्यालय इस राय के निहितार्थों का आकलन करना जारी रखेगा। आगे के कानूनी घटनाक्रमों पर नजर रखेगा और उस बदलते परिदृश्य के प्रति सचेत रहेगा जिसमें हम अपने मिशन को पूरा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, न्यायाधीश बरोज का फैसला हार्वर्ड के प्रथम संशोधन और प्रक्रियात्मक अधिकारों की पुष्टि करता है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता, महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान और अमेरिकी उच्च शिक्षा के मूल सिद्धांतों के बचाव में हमारे तर्कों को मान्य करता है। हार्वर्ड ने यह मामला अप्रैल में तब उठाया था जब ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि देश का सबसे पुराना विश्वविद्यालय कट्टरता का गढ़ बन गया है। 11 अप्रैल को उसने हार्वर्ड को एक पत्र भेजा जिसमें संघीय अनुसंधान निधि तक हार्वर्ड की पहुंच को कई मांगों को मानने की शर्त पर रखने की कोशिश की गई थी। हार्वर्ड ने 14 अप्रैल को शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। प्रशासन ने कुछ ही घंटों में यह घोषणा कर दी कि वह उस फंडिंग को बंद कर देगा जिस पर अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों की तरह हार्वर्ड भी लंबे समय से शोध कार्यों के लिए निर्भर था। विश्वविद्यालय ने एक हफ्ते बाद मुकदमा दायर किया। न्याय विभाग ने न्यायाधीश बरोज को दिए गए अपने एक आवेदन में जोर देकर कहा कि संघीय अनुसंधान निधि धर्मार्थ अनुदान नहीं है। न्याय विभाग ने लिखा, बल्कि, संघीय सरकार विश्वविद्यालयों को ऐसे अनुबंधों के माध्यम से धन देती है जिनमें स्पष्ट शर्तें शामिल होती हैं। विभाग ने कहा, यदि वे इन शर्तों को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो अनुदान रद्द किए जा सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स सहित हार्वर्ड पर हमले को लेकर प्रशासन पर मुकदमा करने वाले अन्य संगठनों के वकील जोसेफ सेलर्स और कोरी स्टॉटन ने कहा कि वे बुधवार के फैसले का स्वागत करते हैं और इसे जनहित में शैक्षणिक स्वतंत्रता और शोध की निर्णायक जीत बताते हैं।

भारत के नए इमिग्रेशन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को छूट

काठमांडू,04 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारत सरकार ने 2 सितंबर से पूरे देश में जो नए आप्रवासन नियम लागू किए हैं उससे नेपाल और भूटान के नागरिकों को छूट दी गई है। नए नियम में किसी भी विदेशी नागरिक को भारत प्रवेश करने पर अनिवार्य रूप से फॉर्म सी भरने का निर्देश जारी किया गया है। भारत के गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि नए आप्रवासन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को अलग रखा गया है। गृह मंत्रालय के इस नए नियम को लेकर नेपाल में संशय उत्पन्न होने के बाद काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने एक बयान जारी कर नेपाल और भूटान के नागरिकों को इस नए नियम से अलग रखने की जानकारी दी गई है। भारतीय दूतावास ने साफ किया है कि भारत के गृह मंत्रालय के तरफ से 2 सितंबर से लागू नए आप्रवासन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को अलग रखा गया है। इस बयान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत के गृह मंत्रालय द्वारा जारी नई गाइडलाइन के मुताबिक नेपाल और भूटान के नागरिकों को नेपाल में प्रवेश करते समय पासपोर्ट या वीजा की कोई अनिवार्यता नहीं है। नेपाल या भूटान के नागरिक अपने साथ गृह मंत्रालय द्वारा चिन्हित किसी भी परिचय पत्र के साथ भारत की यात्रा कर सकते हैं। इनमें पासपोर्ट या नागरिकता का प्रमाणपत्र या वोटर आईडी कार्ड में से कोई भी एक होने पर हवाई मार्ग या सड़क मार्ग से भारत में प्रवेश कर सकते हैं। इसके अलावा 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उनके स्कूल द्वारा जारी फोटो परिचय पत्र को मान्यता दिया गया है। साथ ही विशेष परिस्थिति में नई दिल्ली स्थित नेपाली या भूटानी दूतावास और काठमांडू और थिंपू स्थित भारतीय दूतावास के द्वारा जारी प्रमाण पत्र एक बार के लिए मान्य होगा।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बी आर गवई दो दिनों की नेपाल यात्रा पर

काठमांडू। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बी आर गवई दो दिनों के नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचने वाले हैं। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत के निमंत्रण पर सीजेआई की यह पहली नेपाल यात्रा है। नेपाल आने वाले चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया गवई काठमांडू में आयोजित नेपाल इंडिया ज्यूडिशियल सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि सहभागी होने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस सेमिनार का आयोजन सुप्रीम कोर्ट बार एसोशिएशन करने जा रही है। इस सेमिनार में नेपाल के प्रधान न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के सभी जज और वरिष्ठ अधिवक्ताओं को निमंत्रित किया गया है। सीजेआई अपनी नेपाल यात्रा के दौरान काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन कर विशेष रुद्राभिषेक करने वाले हैं। इसके अलावा सीजेआई के भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी जाने का भी कार्यक्रम है। वे पाटन में श्रीकृष्ण मंदिर और पाटन दरबार संग्रहालय का भी अवलोकन करने वाले हैं।

अमेरिका में सिएटल को मिली 13 साल बाद संघीय पुलिस निगरानी से मुक्ति

वाशिंगटन,04 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स रॉबर्ट ने वाशिंगटन राज्य के सबसे बड़े शहर सिएटल में अत्यधिक बल प्रयोग और नस्लीय पूर्वाग्रह के आरोपों के बाद लगाई गई संघीय पुलिस निगरानी 13 साल बाद बुधवार को समाप्त कर दी। अमेरिकी न्याय विभाग ने माना था कि अत्यधिक बल प्रयोग का अल्पसंख्यक समुदायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सबसे पहले 2023 में तत्कालीन बाइडेन प्रशासन ने संघीय निगरानी को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था। कुछ लंबित मुद्दों के कारण इस प्रक्रिया में देरी हुई।

खबर के अनुसार, सिएटल पुलिस विभाग ने बल प्रयोग की नई नीतियों को अपनाया है। बॉडी कैमरों का उपयोग शुरू किया है। अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने के अपने प्रोटोकॉल में बदलाव किए हैं और भीड़ प्रबंधन रणनीतियों की समीक्षा की है। न्यायाधीश जेम्स रॉबर्ट ने कहा कि शहर ने अपने दायित्वों का पालन किया और सहमति आदेश (जो एक अदालत का अनुमोदित समझौता था) को वापस लिया जा रहा है। मेयर ब्रूस हैरेल ने बुधवार को अदालत को दिए लिखिति बयान में कहा, यह विभाग 2012 की तुलना में एक अलग विभाग है। हम निरंतर सुधार के लिए प्रयासरत हैं। कहा जा रहा है कि यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के नेतृत्व में संघीय न्याय विभाग ने सिएटल जैसे कई पुलिस विभाग के हस्तक्षेपों को वापस ले लिया है और देश भर में लंबित नागरिक अधिकार जांचों को बंद कर दिया है। सिएटल सामुदायिक पुलिस आयोग ने बुधवार को कहा कि संघीय पर्यवेक्षण ने विभाग को नया रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सिएटल पुलिस को सबसे ज्यादा प्रभावित समुदायों के साथ विश्वास बहाल करने के लिए और भी काम करना है। ट्रंप प्रशासन के तहत न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की प्रमुख हरमीत के. ढिल्लों ने एक बयान में कहा, संघीय निगरानी समाप्त होने और अदालत द्वारा स्थानीय कानून प्रवर्तन का पूरा नियंत्रण शहर को सौंपे जाने के बाद हमें सिएटल पुलिस विभाग के सभी कर्मचारियों के साथ खड़े होने पर गर्व है।

इस्लामिक स्टेट ने क्वेटा आत्मघाती विस्फोट की जिम्मेदारी ली, पांच घायलों ने अस्पताल में दम तोड़ा, मृतक संख्या बढ़कर हुई 20

क्वेटा (बलोचिस्तान),04 सितंबर (एजेंसियां) ।

इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने क्वेटा में बलोचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी) की रैली में हुए आत्मघाती बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। इस हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। और 30 से अधिक घायल हो गए। यह हमला सोमवार शाम शाहवानी स्टेडियम के बाहर बीएनपी की रैली समाप्त होने के कुछ ही देर बाद हुआ। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, घायलों में से पांच ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 29 का इलाज चल रहा है। गंभीर रूप से घायलों को कराची स्थानांतरित किया जा सकता है।

खबर के अनुसार, इस्लामिक स्टेट ने अपने सहयोगी अमाक और खिलाफत न्यूज को जारी बयान में आत्मघाती हमलावर का नाम अली अल-मुहाजिर बताया। बयान में कहा गया कि बीएनपी को उसकी राष्ट्रवादी और लोकतांत्रिक राजनीति शैली के कारण निशाना बनाया गया। द

बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, इस साल बीएनपी नेता सरदार अख्तर मेंगल को निशाना बनाने का यह दूसरा प्रयास था। मार्च में मस्तुंग में धरना-प्रदर्शन के दौरान उन पर हमला करने का प्रयास किया था।

बीएनपी नेता मेंगल ने आरोप लगाया है कि सरकार उन पर बार-बार हो रहे हमलों को रोकने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने धमकियों को गंभीरता से नहीं लिया और उनकी सुरक्षा वापस ले ली। बीएनपी ने तीन दिन के शोक की घोषणा की है। मेंगल के गृहनगर वाध में बाजार बंद हैं। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अलावा केच, ग्वादर और पंजगुर के बार एसोसिएशन ने अदालती कार्यवाही के बहिष्कार की घोषणा की है।

बलोच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने कहा है कि यह सुरक्षा में नाकामी का मामला नहीं, बल्कि दमन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के नेता डॉ. नसीम बलोच ने क्वेटा बम विस्फोट को सरकारी हिंसा का एक सिलसिला बताया है। पुलिस अधिकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) हमजा शफकत ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं के कारण बीएनपी आयोजकों को तीन बार रैली समाप्त करने के लिए कहा गय। उन्होंने कहा, विस्फोट रैली समाप्त होने के 45 मिनट बाद कार्यक्रम स्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर हुआ। अगर यह अंदर हुआ होता, तो हताहतों की संख्या कहीं अधिक होती। उन्होंने पुष्टि की कि हमलावर 30 वर्ष से कम आयु का था। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। शफकत ने कहा कि रैली में 120 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिसमें शाम की नमाज के बाद राजनीतिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध भी शामिल है।

बीएनपी नेताओं ने आधिकारिक स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया। पार्टी नेता सना बलोच ने प्रांतीय सरकार पर जानबूझकर लापरवाही का आरोप लगाया और कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह और खेल प्रतियोगिताओं जैसे हाल के राज्य प्रायोजित कार्यक्रमों के लिए भारी सुरक्षा संसाधन आवंटित किए गए थे, लेकिन एक शांतिपूर्ण राजनीतिक रैली को असुरक्षित छोड़ दिया गया।

11 साल बाद झेलम के पानी में फिर डूबा कश्मीर

जम्मू, 04 सितंबर (ब्यूरो)। पंपोर के जैनपोरा में तड़के ढाई बजे झेलम नदी का तेज पानी घुस आया। ठीक 11 साल पहले भी झेलम ने इसी तरह से कश्मीरियों के घरों में घुसपैठ की थी। पर इन 11 वर्षों में किसी ने कोई सबक नहीं सीखा, और न बाढ़ से बचने के कोई उपाय किए। स्थानीय लोगों ने बताया कि पानी अचानक उनके घरों और गलियों में घुसने से पहले उन्होंने पहले तीन तेज धमाके सुने, शायद वे बांध टूटने के धमाके थे।

अपना डूबा हुआ निहारती स्थानीय महिला ने कहा, कुछ ही मिनटों में, हर जगह पानी फैल गया। लोग डर के मारे बच्चों और जो भी जरूरी सामान वे उठा सकते थे, उसे लेकर बाहर भागे, समझ नहीं आ रहा था कि कहां जाएं।

स्थानीय लोगों ने पूरी रात अफरा-तफरी और डर में बिताई। लोग अंधेरे में अपने घरों से भाग रहे थे और पानी का स्तर बढ़ने पर एक-दूसरे को चेतावनी दे रहे थे। कई लोगों ने ऊंची जगहों पर शरण ली, जबकि कुछ ने बाकी रात बाहर बिताई, अपने घरों को वापस नहीं लौट पाए।

इस मुश्किल घड़ी के बावजूद, समुदाय एकजुट रहा, बुजुर्ग निवासियों को बाहर निकलने में मदद की और कीमती सामान सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। एक निवासी ने कहा कि हमारे पास सोचने का समय नहीं था, लेकिन सभी ने एक-दूसरे की मदद की।

इस बीच, अधिकारी और बचाव दल आगे की क्षति को रोकने और लोगों को निकालने में मदद करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। 55 राष्ट्रीय राइफल्स की क्यूआरटी ने पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य टीमों के साथ मिलकर बचाव कार्य करते हुए प्रभावित निवासियों के बीच भोजन और जरूरी सामान बांटा।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने गुरुवार को लसजन, सोइतेग, नौगाम, व्येथपोरा, गोलपोरा, पद्शीबाग, महजूर नगर के लोगों से शालिना बडगाम में कथित दरार के मद्देनजर सुरक्षित स्थानों की ओर रुख करने का आग्रह किया। श्रीनगर जिला प्रशासन द्वारा यह सलाह एक पूर्व-निवारक और एहतियाती उपाय के रूप में जारी की गई है। श्रीनगर जिला प्रशासन ने बताया है कि शालिना, बडगाम में जलस्तर में कथित दरार के कारण, एहतियाती उपाय के तौर पर, लासजान, सोइतेंग, नौगाम, व्येथपोरा, गोलपोरा, पदशाहीबाग, महजूरनगर के निवासियों को इन इलाकों को खाली करने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जाती है।

अधिकारियों ने बताया कि बडगाम के जूनीपोरा गांव के पास झेलम के बांध में गुरुवार तड़के एक बड़ी दरार आ गई, जिसके परिणामस्वरूप आसपास के कई इलाके जलमग्न हो गए।

इस दरार के कारण शालिना, राख शालिना और बाघी शाकिरशाह गांवों में बाढ़ आ गई। इन इलाकों के निवासियों को रातोंरात सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और निर्दिष्ट बचाव केंद्रों और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सीरबाग और समरबाग गांवों में अभी भी बाढ़ की आशंका बनी हुई है। बचाव दल इन संवेदनशील इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं, जबकि निवासियों को जल स्तर कम होने तक ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। विस्थापित परिवारों के लिए, जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में छह बचाव केंद्र सक्रिय किए हैं। इनमें सरकारी हाई स्कूल वगूरा, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खंडाह, शेख-उल-आलम हाई स्कूल वगूरा, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीके पोरा, इस्लामिक पब्लिक हाई स्कूल क्रालपोरा और दार-उल-फतह डेंजरपोरा शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि पूरी प्रशासनिक मशीनरी मौके पर मौजूद है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और राजस्व विभाग की टीमें चौबीसों घंटे राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं।

बारामूला-उड़ी रेल सम्पर्क और काजीगुंड-बडगाम रेलखंड का दोहरीकरण होगा

जम्मू, 04 सितंबर (ब्यूरो)। रेल मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर के लिए दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनमें एक नई बारामूला-उड़ी रेलवे लाइन और काजीगुंड-बडगाम रेलखंड का दोहरीकरण शामिल है। 40.2 किमी लंबी बारामूला-उड़ी लाइन, कमान पोस्ट के पास सीमावर्ती शहर उरी तक रेल संपर्क का विस्तार करेगी। यह परियोजना, जिसमें तीन रोड अंडर ब्रिज और नौ रोड ओवर ब्रिज शामिल हैं, सर्दियों के दौरान सड़क अवरोधों से ग्रस्त क्षेत्र में हर मौसम में पहुंच प्रदान करेगी।

परियोजना सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बारामूला और उड़ी तहसीलों में एलओसी के पास प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठान स्थित हैं। इस लाइन को एक नए सिंगल ब्राड-गेज ट्रैक के रूप में विकसित किया जाएगा और इसके लिए नए सिरे से भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता होगी। 73.50 किमी लंबी काजीगुंड-बडगाम दोहरीकरण परियोजना की योजना बारामूला तक मौजूदा सिंगल लाइन पर भीड़भाड़ कम करने के लिए बनाई गई है। बताया गया है कि कटड़ा-बनिहाल खंड के 2025 में चालू होने के साथ, कश्मीर रेल गलियारा राष्ट्रीय नेटवर्क के साथ पूरी तरह से एकीकृत हो जाएगा, जिससे यात्रियों की संख्या में वृद्धि और माल ढुलाई के नए रास्ते खुलेंगे। इस दोहरीकरण से सैनिकों और उपकरणों को ले जाने वाली सैन्य विशेष ट्रेनों का भी सुचारू संचालन संभव होगा।

सीमा पर बाड़ का नगा संगठन कर रहे विरोध

आठ सितंबर से व्यापारिक प्रतिबंध का ऐलान

इंफाल, 04 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के नागा समुदाय के शीर्ष संगठन ने आठ सितंबर से नगा बहुल इलाकों में व्यापारिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह विरोध भारत-म्यांमार सीमा पर फ्री मूवमेंट रेजीम (एफएमआर) खत्म करने और बाड़बंदी के खिलाफ है। मणिपुर में नगा समुदाय के शीर्ष संगठन ने ऐलान किया है कि वह आठ सितंबर की आधी रात से राज्य के नगा-बहुल इलाकों में व्यापारिक प्रतिबंध लागू करेगा।

यह फैसला भारत-म्यांमार सीमा पर फ्री मूवमेंट रेजीम (एफएमआर) को खत्म करने और सीमा पर बाड़ लगाने के विरोध में लिया गया है।

इस व्यापारिक प्रतिबंध के तहत उन सभी नगा बहुल जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर मालवाहक वाहनों की आवाजाही को रोका जाएगा। इनमें सेनापति, उखरूल, चंदेल, तमेंगलोंग, कामजोंग और नोनी जिले शामिल हैं। बयान में कहा गया, एफएमआर को एकतरफा खत्म करने और जबरन सीमा पर बाड़ लगाने के मुद्दे पर नगा लोगों ने स्पष्ट रूप से ज्ञापन, आंदोलन, प्रदर्शन, सार्वजनिक रैलियों, और कई प्रेस बयानों के जरिए 19 जनवरी 2024 से अब तक बहुत शालीनता के साथ लोकतांत्रिक ढंग से अपनी भावनाएं केंद्र सरकार के सामने जताई हैं। इसके बावजूद सरकार का उदासीन रवैया हमें एफएमआर को खत्म करने और सीमा पर जबरन बाड़बंदी के विरोध में एक सख्त आंदोलन करने को मजबूर कर रहा है, जिससे हमारी कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज हो सके।

मणिपुर की म्यांमार के साथ 398 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। राज्य में नगा संगठन एफएमआर को खत्म करने और सीमा पर बाड़ के काम का विरोध कर रहे हैं। मणिपुर में जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति असम जैसे अन्य राज्यों से आती है। राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (दीमापुर से इम्फाल) सेनापति जिले से होकर गुजरता है और यह मणिपुर का सबसे अहम राष्ट्रीय राजमार्ग है। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (सिलचर से इम्फाल) तमेंगलोंग और नोनी जिलों से होकर गुजरता है। संयुक्त नगा परिषद ने बुधवार रात एक बयान जारी कर कहा, जैसा कि 11 अगस्त को हुई परिषद की बैठक में चर्चा हुई थी और निर्णय हुआ था, हम यह घोषणा करते हैं कि आठ सितंबर 2025 की मध्यरात्रि से सभी नगा इलाकों में व्यापारिक प्रतिबंध लागू किया जाएगा, जब तक कि अगली सूचना न दी जाए। संगठन ने नगा लोगों से इस व्यापारिक प्रतिबंध का समर्थन करने की अपील की है।

46वें सामूहिक गणेश विसर्जन जुलूस के लिए हैदराबाद पूरी तरह से तैयार

हैदराबाद, 4 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) ने घोषणा की है कि 6 सितंबर को हैदराबाद में होने वाले 46वें सामूहिक गणेश विसर्जन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। बुधवार शाम को, हैदराबाद, साइबरबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों के साथ-साथ जीएचएमसी, आरटीए, बिजली विभाग और अन्य सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बीजीयूएस के सदस्यों ने पुलिस आयुक्तों - सीवी आनंद, अविनाश मोहंती और जी सुधीर बाबू - और अन्य विभागों को सुचारू तैयारियों के लिए धन्यवाद दिया। बीजीयूएस के अध्यक्ष जी राघव रेड्डी ने सभी सरकारी विभागों के सहयोग की सराहना की, जबकि महासचिव डॉ. रविनुथला शशिधर ने पुष्टि की कि विसर्जन पूरी व्यवस्था के साथ संपन्न होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस विसर्जन शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा, त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्र सेना रेड्डी, उत्तरादि मठ के पीठाधीश्वर श्री श्री सत्यात्म तीर्थ स्वामीजी, और स्वामी बोधमयानंद भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने सभी सरकारी विभागों की ओर से विसर्जन के सुचारू संचालन के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और इस भव्य शोभायात्रा में बीजीयूएस के सहयोग का अनुरोध किया।

इस समन्वय बैठक में बीजीयूएस के उपाध्यक्ष मेत्तू वैकुंठम और गोविंद राठी, महासचिव डॉ. शशिधर, सचिव अले भास्कर, एन बूची रेड्डी, बी. महिपाल रेड्डी, कोषाध्यक्ष श्री राम व्यास और अन्य सदस्य उपस्थित।

लोढा, सनतनगर में आयोजित गणेश उत्सव में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्यामसुंदर गौड़ का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर, सपना गुप्ता, श्रीधर और बीनू गोपाल ने उनका स्वागत किया और उनका अभिनंदन किया। यह कार्यक्रम गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आयोजित किया गया था, जिसमें स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

यूपी में अवैध शराब के कारोबारियों पर कसा शिकंजा

1,995 गिरफ्तार, 2.69 लाख लीटर अवैध शराब जब्त

लखनऊ, 04 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार ने अवैध शराब के कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई तेज कर दी है। 1 से 31 अगस्त 2025 के बीच प्रदेश में 10,503 अभियोग दर्ज किए गए। इस दौरान लगभग 2.69 लाख लीटर अवैध शराब बरामद की गई, 1,995 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा 351 लोगों को जेल भेजा गया। साथ ही, अवैध शराब की तस्करी में प्रयुक्त 23 वाहनों को जब्त किया गया।

अवैध शराब के खिलाफ प्रदेश व्यापी अभियान की जानकारी देते हुए आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक 10 दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 31 अगस्त तक 1,587 अभियोग दर्ज हुए, 38,099 लीटर अवैध शराब जब्त की गई और 340 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 83 को जेल भेजा गया है। अवैध शराब की ढुलाई में प्रयुक्त तीन वाहन भी जब्त किए गए।

उन्होंने बताया कि इसी नीति के परिणामस्वरूप आबकारी विभाग की आय में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह अगस्त तक प्रदेश को 22,337.62 करोड़ रुपए का आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ है, जो गत वर्ष की तुलना में 15.64 प्रतिशत अर्थात 3021.41 करोड़ रुपए अधिक है। अगस्त माह में ही 3754.43 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की कड़ी कार्रवाई और निगरानी के चलते अवैध शराब के कारोबारियों पर लगातार शिकंजा कस रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति ही इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है, जबकि विभागीय स्तर पर प्रवर्तन अभियानों ने इसे गति दी है।।

जीएसटी सुधार परिवर्तनकारी, सुधारों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए उद्योग : गोयल

नई दिल्ली,04 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताते हुए उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से करीब सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी और देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने गुरुवार को यहां भारत न्यूट्रावर्स एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने कहा कि न्यूट्रास्युटिकल्स उद्योग कल घोषित जीएसटी में परिवर्तनकारी बदलावों के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोग मांग में जबरदस्त और अभूतपूर्व वृद्धि होगी। गोयल ने कहा कि उद्योग अब बिक्री की मात्रा में और वृद्धि की आकांक्षा कर सकता है, जिससे सभी के लिए लाभप्रद स्थिति बनेगी। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवसायों को बड़े अवसरों का लाभ मिलेगा, जबकि जीएसटी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाएगा।

उन्होंने उद्योग जगत से 'मेड इन इंडिया' को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि जीएसटी में कमी से हर उपभोक्ता को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में की गई कई पहल के फलस्वरूप कल जीएसटी परिषद में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गयाज्वह परिवर्तनकारी है। इसका दवा क्षेत्र पर तथा किसानों से लेकर हमारे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) तक विभिन्न क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण प्रभाव होगा। गोयल ने कहा कि देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को जीएसटी सुधार का लाभ मिलेगा।

जीएसटी सुधारों को बड़ा बदलाव बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह कदम 2047 तक विकसित देश बनने की यात्रा में आने वाले महीनों व वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जीएसटी में परिवर्तनकारी और अभूतपूर्व सुधार का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा अपने वादे पूरे करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सरकार 24 रुपये किलो बेचेगी प्याज, जोशी ने मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को यहां एनसीसीएफ, नैफेड और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर 24 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की खुदरा बिक्री का शुभारंभ किया। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रह्लाद जोशी ने 24 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सब्सिडी वाले प्याज बेचने वाली वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। फिलहाल नई दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद में प्याज की खुदरा बिक्री शुरू हो गई। इस कार्यक्रम के साथ ही सरकारी बफर स्टॉक से प्याज की लक्षित और संतुलित मात्रा में आपूर्ति शुरू हुई, ताकि उपभोक्ताओं को यह आवश्यक सब्जी किफायती दामों पर उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार किसानों और उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना भारत सरकार की प्राथमिकता है। मूल्य स्थिरीकरण उपायों के माध्यम से विभिन्न प्रत्यक्ष हस्तक्षेपों ने हाल के महीनों में महंगाई दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जुलाई 2025 में सामान्य खुदरा महंगाई दर 1.55 फीसदी रही, जो लगभग आठ वर्षों में सबसे कम है। बफर स्टॉक से प्याज का संतुलित और लक्षित निपटान, खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने के सरकार के प्रयासों का एक अभिन्न अंग है।

रिलायंस जियो की 9वीं वर्षगांठ पर फ्री असीमित डेटा और खास ऑफर

मुंबई। रिलायंस जियो ने अपनी 9वीं वर्षगांठ के मौके पर ग्राहकों के लिए बड़ा उपहार दिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 349 रुपये या उससे अधिक मूल्य वाले प्लान के ग्राहकों को 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक महीने के लिए फ्री असीमित डेटा मिलेगा। यह ऑफर मौजूदा प्लान के आधार पर अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही, इस ऑफर में मनोरंजन और अन्य ऐप की सब्सक्रिप्शन भी शामिल हैं। वर्तमान में जियो 5जी स्मार्टफोन वाले ग्राहकों को 349 रुपये या उससे अधिक वाले प्लान में अनलिमिटेड 5जी डेटा देती है। जियो ने उन ग्राहकों के लिए भी खुशखबरी दी है जिन्होंने लगातार 12 महीने तक 349 रुपये के प्लान का रिचार्ज किया है। ऐसे ग्राहकों को 13वें महीने की सेवा बिल्कुल मुफ्त मिलेगी। इस पहल से जियो अपने ग्राहकों को लंबे समय तक जोड़ने की कोशिश कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो को 50 करोड़ से अधिक भारतीयों का भरोसा मिला है, जो इस कंपनी की ताकत का परिचायक है। उन्होंने सभी जियो उपयोगकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मील का पत्थर कंपनी के लिए गर्व का विषय है। इसके साथ ही, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने प्रवर्तक समूह की कंपनियों से 3,956 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है।

भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू, पर्यटन क्षेत्र में बढ़ेगी रौनक

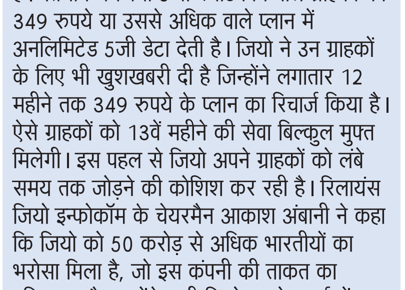

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों के पर्यटन क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलने वाला है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स ने बताया कि अगर वीजा सुविधाओं और प्रचार अभियान को बेहतर तरीके से संभाला गया तो अगले 12 से 18 महीनों में चीन से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है। कोविड-19 महामारी के बाद बंद हुए हवाई रास्ते खुलने से यात्रा तेज, सुविधाजनक और किफायती होगी। एयर इंडिया, चाइना ईस्टर्न, चाइना सदर्न, एयर चाइना और चाइना एयरलाइंस जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने उड़ान बहाली की घोषणा के बाद तुरंत सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। आईएटीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टूर ऑपरेटर और यात्रा एग्रीगेटर आकर्षक यात्रा पैकेज तैयार कर रहे हैं और डिजिटल बुकिंग सिस्टम में सुधार कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जीएसटी संशोधन ...

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा लोकसभा में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में, सीजीएसटी क्षेत्र अधिकारियों द्वारा 2.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया गया।

वित्त वर्ष 2025 में पकड़े गए जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों में से आधे से ज़्यादा यानी 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे, जहां 58,772 करोड़ रुपए की कर चोरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में, सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने 2.30 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का पता लगाया, जिसमें 36,374 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। वित्त वर्ष 2023 में, लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का पता चला, जिसमें 24,140 करोड़ रुपए के फर्जी आईटीसी दावे शामिल थे। वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2021 में, जीएसटी चोरी क्रमशः 73,238 करोड़ रुपए और 49,384 करोड़ रुपए रही। इसमें क्रमशः 28,022 करोड़ रुपए और 31,233 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी।

पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में, सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 91,370 मामलों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपए की कुल जीएसटी चोरी पकड़ी गई। इस अवधि के दौरान स्वैच्छिक जमा के माध्यम से वसूले गए कर 1.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहे। कर चोरी के आंकड़ों में वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 44,938 मामलों में लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल है। संसद में तभी बताया गया था कि केंद्र सरकार और जीएसटीएन कर चोरी रोकने के लिए कई कदम उठा रहे हैं, जैसे ई-इनवॉइसिंग के ज़रिए डिजिटलीकरण, जीएसटी एनालिटिक्स, सिस्टम-फ्लैग्ड मिसमैच के आधार पर आउटलायर्स को चिन्हित करना, कार्रवाई योग्य जानकारी उपलब्ध कराना और जांच के लिए रिटर्न का चयन और विभिन्न जोखिम मानदंडों के आधार पर ऑडिट के लिए करदाताओं का चयन।

हम आतंकवाद से...

करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। सिंगापुर के पीएम वोंग ने कहा कि यह उनकी भारत यात्रा बतौर प्रधानमंत्री पहली आधिकारिक यात्रा है और वे भारत-सिंगापुर की 60 साल पुरानी मजबूत दोस्ती का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बीते दशक में भारत ने असाधारण प्रगति की है और उसकी वैश्विक प्रभावशाली भूमिका तेजी से बढ़ी है।

सिंगापुर भारत का सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है और कुल एफडीआई का करीब एक-चौथाई हिस्सा सिंगापुर से आता है। दोनों देशों के बीच सहयोग कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। पिछले वर्ष दोनों प्रधानमंत्रियों ने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया था। वोंग ने कहा कि आज हुई बातचीत में इस साझेदारी को आगे बढ़ाने पर ठोस चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि भारत ने अब तक 20 से अधिक सिंगापुर निर्मित उपग्रह लॉन्च किए हैं। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के तहत अब अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग और बढ़ेगा। वहीं, लोगों से लोगों के संबंधों को गहराई देने पर भी सहमति बनी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर भारत की स्किल डेवलेपमेंट यात्रा में सहयोग करेगा और चेन्नई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र का वैश्विक साझेदार बनेगा।

सिंगापुर ने भारत के औद्योगिक विकास और विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने की घोषणा की। वोंग ने कहा कि सिंगापुर की कंपनियां भारत में टिकाऊ औद्योगिक पार्क बनाने में रुचि रखती हैं। साथ ही सेमीकंडक्टर सेक्टर में अनुसंधान, आपूर्ति श्रृंखला और कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारत-सिंगापुर साझेदारी भरोसे और साझा मूल्यों पर आधारित है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और विकास में योगदान देगी। पीएम वोंग ने कहा कि भारत और सिंगापुर की दोस्ती साझा इतिहास और गहरे विश्वास पर आधारित है। दोनों देश मिलकर नई संभावनाओं को साधेंगे और वैश्विक स्तर पर स्थिरता लाने में योगदान देंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में पीएम मोदी के साथ मिलकर इस साझेदारी को और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ हैदराबाद में हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा। भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है। आज हमने सिंगापुर की कंपनी पीएसए इंटरनेशनल की ओर से विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इससे हमारी कंटेनर हैंडलिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और शांति एवं स्थिरता के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आसियान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है। यह शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है। पीएम मोदी ने कहा, आज दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सिंगापुर से भारत में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है। हमारे रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। लोगों के बीच संबंध गहरे और जीवंत हैं। आज हमने अपनी साझेदारी के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के साथ उन्नत विनिर्माण, हरित नौवहन, कौशल विकास, नागरिक, परमाणु और शहरी जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग का केंद्र बिंदु बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, सिंगापुर के प्रधानमंत्री बनने के बाद लॉरेंस वोंग की पहली भारत यात्रा पर मैं उनका स्वागत करता हूं। यह यात्रा और भी खास है क्योंकि हम भारत-सिंगापुर संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। सिंगापुर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान हमने अपने संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था। हमने तय किया है कि आपसी व्यापार को गति देने के लिए द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और आसियान के साथ हमारे मुक्त व्यापार समझौते की समयबद्ध समीक्षा की जाएगी। हमारे राज्य भी भारत-सिंगापुर संबंधों में महत्वपूर्ण हितधारक होंगे। जनवरी में जब राष्ट्रपति थर्मन भारत आए थे, तो उन्होंने ओड़ीशा का भी दौरा किया था। पिछले एक साल में ओड़ीशा, तेलंगाना, असम और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने सिंगापुर का दौरा किया है। गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी हमारे शेयर बाजारों को जोड़ने वाला एक और नया सेतु बन गया है। पिछले साल हस्ताक्षरित सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम साझेदारी समझौते ने भी अनुसंधान और विकास को एक नई दिशा दी है। सेमीकंडक्टर इंडिया सम्मेलन में सिंगापुर की कंपनियों की सक्रिय भागीदारी अपने आप में एक बड़ी बात थी। सिंगापुर चेन्नई में एक राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने में मदद करेगा। यह केंद्र उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति तैयार करेगा।

विकास के नाम...

नोटिस जारी किए। पीठ ने अनामिका राणा की ओर से दायर याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि बाढ़ में भारी मात्रा में लकड़ी बहकर आई। प्रथम द्रष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। इसलिए प्रतिवादियों को नोटिस जारी करें। दो सप्ताह में जवाब दें। पीठ ने याचिकाकर्ता अनामिका राणा की ओर से पेश अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ और शुभम उपाध्याय को केंद्रीय एजेंसी को नोटिस और याचिका की प्रति देने की अनुमति दे दी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, कृपया इस पर ध्यान दें। यह एक गंभीर मुद्दा प्रतीत होता है। बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे इधर-उधर गिरे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह पेड़ों की अवैध कटाई की ओर इशारा करता है। हमने पंजाब की तस्वीरें देखी हैं। पूरे खेत और फसलें जलमग्न हो गई हैं। विकास को राहत उपायों के साथ संतुलित करना होगा।

विधि अधिकारी ने कहा, हमने प्रकृति के साथ इतना हस्तक्षेप किया है कि प्रकृति अब हमें जवाब दे रही है। मैं आज ही पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करूंगा और वह राज्यों के मुख्य सचिवों से बात करेंगे। मेहता ने कहा कि ऐसी स्थितियों की अनुमति नहीं दी जा सकती। वकील आकाश वशिष्ठ के माध्यम से दायर याचिका में भूस्खलन और अचानक बाढ़ के कारणों की कार्ययोजना बनाने और एसआईटी जांच कराने के साथ-साथ ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के उपाय करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है, केंद्र और राज्य सरकारों के पास समर्पित आपदा प्राधिकरण होने के बावजूद इन आपदाओं से होने वाले नुकसान को रोकने या कम करने के लिए कोई योजना नहीं है, जिनकी आवृत्ति हाल ही में चिंताजनक रूप से बढ़ गई है। याचिका में केंद्र और अन्य को प्रभावित नागरिकों के लिए आपातकालीन राहत, बचाव, सुरक्षा और प्राथमिक उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

आठ बैंकों के ...

चेक पर हस्ताक्षर कर दिए।तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप प्रमोटरों द्वारा परिवार के सदस्यों/दूर के रिश्तेदारों आदि के नाम पर रखी गई कुछ सम्पत्तियों अचल सम्पत्तियां और शेयर की पहचान हुई, ताकि बैंकों को ऋण/सम्पत्ति की वसूली से रोका जा सके। प्रमोटरों द्वारा रखे गए विभिन्न सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लगभग 15 लाख शेयर फ्रीज कर दिए गए हैं। इन सम्पत्तियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। जांच एजेंसी ने कई आपत्तिजनक डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य जब्त किए गए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

आतंकी फंडिंग केस...

अंतरिम जमानत की जरूरत है। इस पर जस्टिस नाथ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या आज ही उन्हें छोड़ देना चाहिए? अदालत ने साफ किया कि अंतरिम जमानत नहीं दी जाएगी और मामले की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 12 जून को शाह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि उसके दोबारा गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन इसका दुरुपयोग भड़काऊ भाषण या हिंसा के लिए नहीं किया जा सकता।

शबीर शाह को एनआईए ने 4 जून 2019 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 2017 में एनआईए ने आतंकी फंडिंग केस में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इन पर आरोप था कि ये पत्थरबाजी, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने और भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश में शामिल थे। शाह पर अलगाववादी आंदोलन को समर्थन देने, आतंकियों के परिवारों को शहीद बताकर सम्मानित करने, हवाला और एलओसी व्यापार से पैसा जुटाकर उसे हिंसक गतिविधियों में लगाने का आरोप है। हाईकोर्ट ने शाह की उस वैकल्पिक मांग को भी ठुकरा दिया था जिसमें उसने गंभीर आरोपों को देखते हुए घर में नजरबंदी का विकल्प रखा था। अदालत ने कहा था कि इतने गंभीर मामलों में यह राहत संभव नहीं है। शाह जम्मू-कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी के अध्यक्ष हैं, जिसे अवैध संगठन घोषित किया गया है।हाईकोर्ट ने एक विस्तृत तालिका का हवाला दिया था जिसमें शाह के खिलाफ 24 लंबित मामलों का उल्लेख था। इनमें अधिकतर मामले राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश से जुड़े हैं। अदालत ने कहा कि इतने गंभीर आरोपों और पिछले मामलों की पृष्ठभूमि को देखते हुए शाह को जमानत नहीं दी जा सकती। अब सुप्रीम कोर्ट में दो हफ्ते बाद इस मामले की सुनवाई होगी, जिसके बाद अगला फैसला तय होगा।

देश के 47% मंत्रियों ...

एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, 11 राज्यों में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री आपराधिक मामलों में घिरे हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओड़ीशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी शामिल हैं। वहीं, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड में किसी भी मंत्री पर कोई केस नहीं है।

इस रिपोर्ट में मंत्रियों की सम्पत्ति का भी विश्लेषण किया गया, जिसमें मंत्रियों की औसत सम्पत्ति 37.21 करोड़ रुपए है। वहीं कुल 643 मंत्रियों की सम्पत्ति का आंकड़ा 23,929 करोड़ रुपए है। जबकि 11 विधानसभाओं में अरबपति मंत्री भी मौजूद हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि किस राज्य में कितने मंत्री अरबपति हैं, इस सूची में कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ मंत्री अरबपति हैं, जबकि इसके पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में कुछ छह मंत्री अरबपति हैं। महाराष्ट्र में कुल चार मंत्री अरबपति हैं। वहीं केंद्र सरकार में छह अरबपति मंत्री (8%) शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश में मंत्री और टीडीपी नेता डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी 5,705 करोड़ रुपए से ज्यादा की सम्पत्ति के मालिक हैं, कर्नाटक के डिप्टी सीएम और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार की सम्पत्ति 1,413 करोड़ रुपए की है। वहीं आंध्र प्रदेश के सीएम और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की सम्पत्ति 931 करोड़ रुपए है। अन्य धनवान मंत्रियों में आंध्र प्रदेश से आने वाले नारायण पोंगुरु और नारा लोकेश, तेलंगाना के गद्दम विवेकानंद, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कर्नाटक के सुरेशा बीएस, महाराष्ट्र से मंगल प्रभात लोढ़ा और मध्य प्रदेश से आने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं।सबसे गरीब मंत्रियों में सबसे पहला नाम इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा के नेता और त्रिपुरा के मंत्री सुक्ला चरण नोत्या हैं, जिनकी सम्पत्ति मात्र 2 लाख रुपए की है। वहीं दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल के मंत्री और टीएमसी नेता बीरबाहा हांसदा हैं, जिनकी सम्पत्ति 3 लाख रुपए से थोड़ी अधिक हैं। एडीआर ने रिपोर्ट में कहा कि यह आंकड़े चुनाव के समय दाखिल किए गए हलफनामों पर आधारित हैं और समय के साथ इन मामलों की स्थिति में बदलाव संभव है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में इन पांच राशियों को देवी लक्ष्मी की मिलेगी कृपा

आज यानी 5 सितंबर, शुक्रवार के दिन श्रवण नक्षत्र का संयोग बन रहा है, जिससे सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। ऐसे में माता लक्ष्मी मिथुन, कर्क, तुला और कुंभ राशि पर विशेष कृपा बरसाने वाली हैं। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र में नए अधिकार मिलेंगे और व्यापार में नए बदलाव आने से इनकम में इजाफा होगा। आर्थिक मामलों में समय अनुकूल रहेगा और कहीं रुका हुआ धन प्राप्त होगा। नौकरी करने वालों को मेहनत का शुभ फल मिलेगा और धन में वृद्धि होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और पारिवारिक माहौल सुखदायक बना रहेगा। उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं और व्यावसायिक क्षेत्र में यात्राओं से बड़ा लाभ मिलेगा।

मेष : नए अधिकार होंगे प्राप्त

आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, रचनात्मक कार्यों में भी थोड़ी रुचि बढ़ सकती है और नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। परिवार के मामले में भी दिन अच्छा रहेगा और विवाह योग्य संतान का रिश्ता तय हो सकता है। जिससे आप ज्यादा व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ : मेहनत का मिलेगा उत्तम फल

कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपनी मेहनत का शुभ फल प्राप्त होगा। सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है और आप शाम के समय आवश्यक सामानों की खरीदारी भी करने जा सकते हैं। लेकिन किसी भी स्थिति बहस करने से बचें और सामने वाले की राय भी जरूर सुन लें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मिथुन : बढ़ेगा मान-सम्मान

समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है और कार्यक्षेत्र में भी प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार के मामले में आपको अपने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा और जीवनसाथी भी हर मोड़ पर साथ रहेंगे। अगर लंबे समय से किसी कर्ज का सामना कर रहे थे तो अब उससे भी राहत मिल सकती है। लेकिन अचानक आपको किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी होगा।

कर्क : उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग

आपको कोई उत्तम संपत्ति का सुख प्राप्त हो सकता है और अगर लंबे समय से कहीं धन रुका हुआ था, तो वह भी अब मिल सकता है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहने होंगे। व्यापार के मामले में नए संपर्क बन सकते हैं और पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

सिंह : टीमवर्क से हर काम होगा आसान

कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा। उनका ख्याल करके कोई भी फैसला लेना ज्यादा बेहतर होगा और आपको संतोष महसूस होगा। कुछ मामलों में आप अपने आसपास के लोगों की सलाह भी ले सकते हैं, जो आपके काम आएगी। नौकरी करने वाले लोग कार्यस्थल पर टीमवर्क से किसी भी समस्या का हल आसानी से निकाल सकते हैं।

कन्या : आर्थिक मामलों में रहें सतर्क

आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि, इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो सकता है। इस दौरान आपको संयम बनाए रखना होगा और कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अचानक कोई नया बदलाव भी आ सकता है। लेकिन सहकर्मियों और अधिकारियों को पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

तुला : नए बदलावों से होगा लाभ

व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अचानक आए कुछ बदलावों और नए कामों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको किसी भी नए काम में सारे पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना होगा। सोच-समझकर फैसले लेने से बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपको कुछ पुराने काम पूरे करने का भी मौका मिल सकता है।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में होगी प्रशंसा

आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे, जिसके चलते आपकी सराहना भी की जाएगी। वहीं, बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है और दिन के दूसरे भाग में दोस्तों के साथ समय व्यतीत होगा। इससे आपका मन पूरा समय प्रसन्न रहेगा।

धनु : पुराने लेन-देन से मिलेगा छुटकारा

व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है। लेकिन आर्थिक मामले में सतर्क रहने की जरूरत है। हालांकि, कुछ पुराने लेन-देन से आपको छुटकारा मिल सकता है और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करने से सुकून महसूस होगा।

मकर : व्यापार में यात्राओं से होगा लाभ

कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसके द्वारा सफलता प्राप्त होगी और आपको सकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं। लेकिन आर्थिक मामलों में भी दिन अनुकूल रहेगा। लेकिन इस समय किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचें, अन्यथा धन वापस मिलने की कम संभावना है। निजी जीवन में आपकी अचानक किसी रिश्तेदार से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ : आर्थिक मामलों में होगा लाभ

आपका दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। वहीं, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का मौका मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आप विरोधियों को पीछे छोड़ देंगे और आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के योग भी बने हुए हैं। आप दिन का कुछ समय पुण्य के कार्यों में भी व्यतीत कर सकते हैं।

मीन : रुका हुआ धन मिलेगा वापस

आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपना कहीं रुका या खोया हुआ पैसा अब वापस मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं। अगर कार्यक्षेत्र में किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब उसका समाधान मिल सकता है। इसी के चलते तनाव भी कम होगा और आपका दिन खुशनुमा रहेगा।

शुक्र गोचर से बनेगा शुक्रादित्य योग, मेष, तुला सहित कई राशियों को धन लाभ के बनेंगे संयोग

शुक्र गोचर सिंह राशि में होने जा रहा है। शुक्र सूर्य की राशि सिंह में 15 सितंबर को गोचर करने जा रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शुक्र और सूर्य के संबंध अच्छे नहीं बताए गए हैं। ऐसे में शुक्र का सूर्य की राशि सिंह में आना वैसे तो अच्छा नहीं माना गया है लेकिन, सूर्य और शुक्र के बीच समानताएं हैं। जैसे की भौतिक सुख साधन, रचनात्मकता, मान सम्मान आदि। साथ ही शुक्र और सूर्य की युति होने से शुक्रादित्य राजयोग का निर्माण होगा। जिसे ज्योतिष शास्त्र में एक प्रभावशाली राजयोग बताया गया है।

मेष राशि को मिलेगा मेहनत का पूरा फल

शुक्र के गोचर से मेष राशि के जातकों की लव लाइफ में काफी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति भी काफी अच्छी रहेगी आपको आर्थिक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। अगर आप अविवाहित हैं तो नए रिश्ते की तलाश में आपको अपना जीवनसाथी मिल सकता है। आपका जीवनसाथी भी आपको हर तरह से पूरा साथ देगा। आपके एक दूसरे के साथ संबंध मजबूत होंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक क्षेत्र जैसे लेखन आदि से जुड़े हैं तो आपको अपनी मेहनत के लिए प्रतिष्ठा मिलेगी। नौकरीपेशा जातकों की सैलरी में बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही कारोबारियों को भी लाभ मिल सकता है।

मिथुन राशि संबंधों में सुधार आएगा

मिथुन राशि के लोगों के लिए शुक्र का गोचर बहुत ही लाभकारी साबित होने वाला है। करियर में काफी बदलाव देखने को मिलेगा साथ ही पैसा कमाने के अच्छे अवसर भी आपको मिल सकते हैं। आप इस अवधि में रिश्तों के महत्व को भी अधिक समझेंगे। आपके अपने भाई बहनों के साथ संबंध सुधरेंगे। इस अवधि में आपको कामकाज के सिलसिले में छोटी यात्राएं करनी पड़ सकती हैं जो आपके अंदर एक अलग ही आत्मविश्वास पैदा करेंगी। बस इस अवधि में निवेश करने से बचें। हालांकि, आप इस अवधि में अपने करियर में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

सिंह राशि की बढ़ेगी कमाई

शुक्र का गोचर आपकी राशि में ही होने जा रहा है। ऐसे में सिंह राशि में शुक्रादित्य योग बनेगा क्योंकि, सिंह राशि में पहले से ही सिंह विराजमान हैं। आपकी कमाई इस अवधि में बहुत अच्छी रहेगी और रिश्तों में भी मजबूती देखने को मिलेगी। शुक्र का गोचर आपके पहले भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आप अपने समय का पूरा आनंद लेंगे और आपको कई अच्छे अवसर भी मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगति होने की संभावनाएं हैं। साथ ही आपके वैवाहिक संबंध अच्छे होंगे। वहीं, आपका व्यावसायिक जीवन सफल रहेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

तुला राशि को होगा डबल लाभ

तुला राशि के लोगों के लिए शुक्र का यह गोचर करियर के लिहाज से लाभदायक सिद्ध होगा। सामाजिक दायरे में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत पर आपके वरिष्ठों की नज़र रहेगी और वे आपके प्रयासों को पहचानेंगे और उनकी सराहना करेंगे। आप अपने करियर और पारिवारिक जीवन से इस दौरान काफी संतुष्ट नजर आएंगे। बात करें आपकी लव लाइफ की तो आपके प्रेम संबंध मधुर होंगे और आपके अपने साथी के साथ अच्छा समय बिताना पसंद करेंगे। आप भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त कर पाएंगे।

धनु राशि के लिए यात्राएं रहेंगी लाभकारी

धनु राशि के लोगों के लिए शुक्र का यह गोचर अनुकूलता लेकर आने वाला है। करियर में प्रगति मिलने के आसार हैं। बस इस अवधि में कोशिश करें की आप जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें वरना असफलताएं मिल सकती हैं। आप इस अवधि में काफी यात्राएं करेंगे यह यात्राएं लाभकारी सिद्ध होंगी। आपकी परिवारवालों के साथ रिश्तों में अब सुधार देखने को मिलेगा। आप परिवार के साथ किस लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं जिससे रिश्तों में करीबी बढ़ेगी।

14 को रखा जाएगा जितिया व्रत

कहीं रागी रोटी तो कहीं मछली भात, जितिया व्रत नहाय-खाय की अलग-अलग परंपरा

जितिया या जीवित्पुत्रिका व्रत हर साल आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। यह व्रत माताएं संतान की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन के लिए रखती हैं। खासकर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल में इसे पर्व को मुख्य रूप से मनाया जाता है। इस साल 14 सितंबर 2025 को जितिया का व्रत रखा जाएगा।

छठ पूजा के बाद जितिया को हिंदू धर्म में सबसे कठिन व्रतों में एक माना जाता है। इसमें व्रती पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और संतान के लंबी आयु की कामना के लिए जीमूतवाहन देवता की पूजा करती हैं। अन्य व्रत-त्योहार की तरह जितिया व्रत से एक दिन पहले नहाय-खाय किया जाता है।

जितिया नहाय खाय 2025 तिथि और परंपरा

जितिया व्रत का नहाय खाय 13 सितंबर 2025 को किया जाएगा। इस दिन व्रती महिला स्नान करने के बाद भोजन ग्रहण करती है और अगले दिन निर्जला व्रत रखा जाता है। आमतौर पर किसी भी व्रत से एक दिन पूर्व शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है। लेकिन जितिया व्रत के पहले यानी नहाय-खाय में अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग परंपराएं देखने को मिलती है। इस दिन कहीं पूर्ण सात्विकता का पालन किया जाता है तो कहीं मछली भात खाया जाता है।

जितिया के नहाय-खाय में रागी (मडुआ) की रोटी भी खाने की परंपरा है। माना जाता है कि, नहाय-खाय के दिन खाया गया ये भोजन व्रती को अगले दिन के निर्जला व्रत के लिए शक्ति प्रदान करता है। इन चीजों के सेवन से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और पोषक तत्वों की कमी नहीं होती।

जितिया नहाय-खाय का भोजन

बिहार, झारखंड और पूर्वी यूपी में महिलाएं इस दिन स्नान के बाद पूजा-पाठ करती हैं और अगले दिन निर्जला व्रत रखने का संकल्प लेकर पारण करती हैं। पारण में विशेषरूप से मछली-भात खाया जाता है।

वहीं कुछ जगहों पर जितिया के नहाय-खाय में

दाल-भात और हरी सब्जियां खाने की भी परंपरा है।

नेपाल के मिथिला क्षेत्र में जितिया के नहाय खाय पर रागी यानी मडुआ की रोटी और घी का सेवन किया जाता है। यह भोजन सेहत के लिए उत्तम और सात्विक होता है।

कुछ अन्य क्षेत्रों में नहाय-खाय पर बिना-लहसुन प्याज में बनाई गई दाल और हरी सब्जी चावल के साथ खाई जाती है।

संतान की लंबी आयु के लिए रखा जाता है जितिया व्रत, जानें कब करें पूजन

जितिया, जिसे जीवित्पुत्रिका या जिउतिया के नाम से भी जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। यह व्रत मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड राज्यों में मनाया जाता है। इस व्रत में माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, सेहत और सुख-समृद्धि के लिए कठोर उपवास रखती हैं। इस व्रत की एक और खास बात यह है कि व्रती महिलाएं बिना पानी पिए इस व्रत को करती हैं।

जितिया व्रत तिथि और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 14 सितंबर को सुबह 05 बजकर 04 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 15 सितंबर को देर रात 03 बजकर 06 मिनट पर होगा। इसलिए उदयातिथि के अनुसार, 14 सितंबर को जितिया व्रत रखा जाएगा।

कहां-कहां मनाया जाता है व्रत?

जितिया व्रत का महत्व खासकर बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और नेपाल के मधेश क्षेत्र में अधिक है।यहां की महिलाएं बड़े उत्साह और आस्था के साथ सामूहिक रूप से व्रत करती हैं और संतान की दीर्घायु के लिए भगवान से प्रार्थना करती हैं।

जितिया व्रत की पूजा विधि

व्रत के पहले दिन महिलाएं सुबह स्नान करके पूजा करती हैं और व्रत का संकल्प लेती हैं। इस दिन, व्रती महिलाएं सात्विक भोजन करती हैं। व्रत के दूसरे दिन, जिसे खुर जितिया कहते हैं, महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन व्रती महिलाएं कुछ भी खाती या पीती नहीं हैं। व्रत के तीसरे दिन, जिसे पारण कहते हैं, पूजा करने के बाद व्रती महिलाएं व्रत का पारण करती हैं। इस दिन पूजा के बाद व्रत खोला जाता है। पारण करने से पहले, व्रती महिलाएं जितिया के गीत गाती हैं और कथा सुनती हैं।

जितिया व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत मां और बच्चे के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए कठोर उपवास रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से संतान को हर संकट से मुक्ति मिलती है। व्रत के दौरान जितिया व्रत की कथा पढ़ने या सुनने से व्रत का पूरा फल मिलता है।

223वां चरमोत्सव

ऐसे थे सत्यदृष्टा आचार्य भिक्षु : साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी

आचार्य भिक्षु एक नाम है दुर्लभ विशेषताओं के संचित कोष का। आपके नेतृत्व से झांकती है प्रबुद्धता, विनम्रता, दूरदर्शिता, समयज्ञता, आच-रसुचिता, निष्पक्षता, संयमितता। जीवन की पोथी का कोई अक्षर नहीं जो समय गोयम मा पमायए का अनुवाद नहीं आज्ञा और अनुशासन की कोई ऐसी सीमा नहीं जिसे सुरक्षा की लक्ष्मणरेखा न मानी हो। संघ के संस्थापक बने, संघ का नेतृत्व संभाला फिर भी निःस्पृहता और निष्पक्षता अखंड रही। आपका सबसे बड़ा सूत्र था- मर पूरा देस्यां आतम रा कारज सारस्या। आपके जीवन का प्रत्येक पृष्ठ सत्याग्राहिता, सहिष्णुता, उदारता और समता भाव से ओतः प्रोत था। कदाचार पर कठोर प्रहार करने की निर्भीकता भी पग-पग पर प्रस्फुटित थी।

आचार्य भिक्षु अपने युग के एक धुरीण आचार्य थे। जिन्होंने यथास्थिति से ऊपर उठकर सत्य की गवेषणा की। जीवन में सत्य की अवधारणा को पुष्ट करने के लिए उन्होंने अपने सुख, सम्मान, और सुविधाओं का बलिदान कर दिया। क्रान्तदृष्टा बनकर समय प्रवाह में विस्मृत हुए अनेक नये वैचारिक तथ्यों का उद्घाटन एवं संस्थापन किया। एक संगठित, सुव्यवस्थित और सुदृढ़ श्रमण संघ का स्वप्न उन्होंने देखा और तेरापंथ के रूप में उसको मूर्तरूप दिया। जिन्होंने धर्मसंघ दीर्घजीवीता के लिए अनेक मर्यादाओं का निर्माण किया। संघ की बृहता और एकरूपता के लिए व्यक्तिगत शिष्य-प्रथा को समाप्त कर दिया, और आम तौर पर एक ही शिक्षक के रूप में मान्य पद पर नियुक्त किया। तेरापन्थ के एक आचार्य, एक आचार और एक विचार की मर्यादा ने अन्य सभी धर्मसंघों के लिए मील का पत्थर बन गया।

आचार्य भिक्षु का जन्म वि.सं. 1783 आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी मंगलवार को राजस्थान के छोटा से कस्बे

कंटालिया में हुआ। आपकी माता का नाम दीपांजी और पिता का नाम बल्लूशाह था। आप बचपन से ही सबसे विलक्षण और कुशाग्र बुद्धि के धनी थे। महाजनी हिसाब-किताब में तो दक्ष थे ही पर व्यवहार बुद्धि भी बड़ी सजग थी। बचपन में जहां अन्य अनेक गुणों की अतिशयता थी, वहां स्वाभिमान का अनुपात भी कम नहीं था। आपकी शादी बगड़ी के बांठिया परिवार की बेटी सुगनीबाई के साथ हुई थी। घर परिवार की सारी व्यवस्थाओं से निवृत्त होने के पश्चात वि.सं. 1808 मार्गशीर्ष कृष्णा 12 को आचार्य रघुनाथजी के पास दीक्षित हुए। उस समय भीखणजी की उम्र 25 वर्ष एवं साढ़े चार महीने की थी। दीक्षा के कुछ वर्षों में ही जैन आगमों का गंभीर ज्ञान अर्जित कर लिया।आचार्य रघुनाथजी को मुनि भीखणजी की तीक्ष्ण बुद्धि और ग्रहण शक्ति पर बड़ा गर्व था। वे उनके अत्यन्त प्रिय शिष्य थे। मुनि भीखणजी की दीक्षा का समम वर्ष संपन्नता पर था और अचानक ऐसी घटना घटी जिससे जीवन प्रवाह में एकदम मोड़ आ गया। शास्त्रानुमोदित आचार-व्यवहार को लेकर अपने दीक्षा गुरु आचार्य रघुनाथजी से पृथक हो गये। पृथक् क्या हुए मानों विपत्तियों का पहाड़ मोल ले लिया। पर स्वामीजी उन विरोधों से विचलित नहीं हुए। पृथक होते ही आपका प्रथम प्रवास जैतसंहजी की छतरी के नीचे श्मसान में हुआ एवं प्रथम पावस प्रवास केलवा में जैन मंदिर की अंधेरी कोठरी में हुआ। उसमें न हवा का प्रवेश था न प्रकाश का। वि.सं. 1817 की आषाढ़ पूर्णिमा को तेरापंथ की स्थापना कर भावसंयम ग्रहण किया। संघ की सुरक्षा के लिए आचार्य भिक्षु ने अनेक मर्यादा बनायीं आज भी उन मर्यादाओं का पालन हो रहा है। आचार्य भिक्षु ने धर्म तथा पाप शुद्धि की पहचान के लिए पांच सूत्र निर्धारित किये -

1. त्याग धर्म है, भोग अधर्म है
2. विरत धर्म है, अविरत अधर्म है।
3. आत्मसंयम धर्म है, असंयम अधर्म है।
4. अहिंसा धर्म है, हिंसा अधर्म है ।
5. आज्ञा धर्म है, अनाज्ञा अधर्म है।

आचार्य भिक्षु ने मर्यादा और अनुशासन को मूल्य देकर नई जीवनशैली का सूत्रपात किया। उस जीवनशैली को जीनेवाले अपने जीवन में नई रोशनी और नवस्पंदन का अनुभव कर सकते है। ऐसे लोहपुरुष, महापुरुष का जीवन आज भी जीवन्त है, एक दिशाबोध देनेवाला है। सत्य के लिए जन्मे सत्य के लिए दीक्षित हुए जीवन भर सत्य की पगडंडी पर चले। वि.सं 1860, भाद्रव शुक्ला त्रयोदशी के दिन सत्य में विलीन हुए हो गए। आज उस दैदीप्यमान सूर्य का 223 वां चरमोत्सव है। (साध्वी मंयकप्रभा)

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लता मंगेशकर से मिली संगीत की पहली बड़ी सौगात जिसने बदल दी थी प्यारेलाल की किस्मत

भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास में कई नाम ऐसे हैं जिन्होंने अपनी धुनों और रचनाओं से लोगों के दिलों पर अलग छाप छोड़ी है। इनमें लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी का नाम सबसे ऊपर आता है। यह जोड़ी बॉलीवुड के सुनहरे दौर की पहचान थी, जिन्होंने न केवल फिल्मों को संगीत से सजाया बल्कि गीत में नया रंग भी भरा। प्यारेलाल का संगीत सफर बहुत ही दिलचस्प है, जिसमें एक खास मोड़ था जब उन्होंने पहली बार अपनी वायलिन की कला से देश की महान गायिका लता मंगेशकर का दिल जीत लिया था।

प्यारेलाल का जन्म 3 सितंबर 1940 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में हुआ था। उनका पूरा नाम प्यारेलाल रामप्रसाद शर्मा है। उनके पिता एक ट्रम्पेट बजाने वाले संगीतकार थे। वे चाहते थे कि प्यारेलाल भी संगीत की दुनिया में कदम रखें। उन्होंने गुरु एंथनी गोंजाल्विस से प्यारेलाल को वायलिन बजाने की शिक्षा देने के लिए विनती की, जो गोवा के जाने-माने संगीतकार थे। प्यारेलाल आठ साल की उम्र से रोजाना आठ से बारह घंटे तक अभ्यास करते रहे।हालांकि पढ़ाई के मामले में उनकी जिंदगी थोड़ी कठिन रही। प्यारेलाल ने स्कूल में सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की, लेकिन फीस न देने के कारण उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने पूरा ध्यान वायलिन की बारिकियां सीखने में लगा दिया। उन्होंने मुंबई में 'रंजीत स्टूडियो' के ऑर्केस्ट्रा में नौकरी की। यहां उनकी मेहनत रंग लाई और धीरे-धीरे वह बॉलीवुड संगीत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए।

एक खास मौका आया जब उनके पिता उन्हें लता मंगेशकर के घर ले गए। उस समय लता बॉलीवुड की सबसे बड़ी गायिका थीं। प्यारेलाल ने वहां वायलिन बजाना शुरू किया। परफॉर्मेंस देख लता इतनी खुश हुईं कि उन्होंने प्यारेलाल को 500 रुपए इनाम में दिए। यह रकम उस समय के लिए बहुत बड़ी थी। इस सम्मान ने प्यारेलाल के मनोबल को बढ़ाया और संगीत की ओर उनका रुझान और भी मजबूत हो गया।

संगीत में लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी काफी मशहूर है। प्यारेलाल की लक्ष्मीकांत से मुलाकात महज 10 साल की उम्र में हो गई थी। उस समय लता मंगेशकर परिवार द्वारा चलाई जा रही बच्चों की अकादमी, सुरील कला केंद्र, में बच्चे संगीत सीखने आया करते थे। यहां पर दोनों अच्छे दोस्त बन गए। प्यारेलाल ने लक्ष्मीकांत के साथ मिलकर पहली बार 1963 में आई फिल्म 'पारसमणि' के लिए संगीत दिया, जो लोगों के दिलों पर छा गया। लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी जैसे महान गायकों ने भी उनके साथ काम किया और कई सुपरहिट गाने दिए।

लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने बॉलीवुड में लगभग 35 वर्षों तक संगीत की दुनिया पर राज किया। उन्होंने 'अमर अकबर एंथनी', 'खलनायक', 'तेजाब', 'मिस्टर इंडिया', 'सौदागर', 'कुली', 'कर्ज', 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'दोस्ती', और 'सरगम' जैसी 500 से ज्यादा फिल्मों के लिए संगीत दिया और करीब 3000 से ज्यादा गाने बनाए। इस जोड़ी को सात बार फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया।लक्ष्मीकांत की मृत्यु के बाद प्यारेलाल ने संगीत की दुनिया से लगभग दूरी बना ली, लेकिन वे हमेशा 'लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल' के नाम को बनाए रखने पर जोर देते रहे। उन्होंने कई अवसरों पर कहा कि वे किसी भी काम को बिना अपने साथी के सम्मान के साथ नहीं करना चाहते। 2013 में उन्होंने 'आवाज दिल से' नामक एक एल्बम भी बनाया, जिसमें उन्होंने अपने दिल की आवाज को संगीत के जरिए व्यक्त किया।

बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आईं सरगुन मेहता, लोगों से मदद की गुहार

उत्तर भारत में नदियां उफान पर हैं और बाढ़ ने खूब तबाही मचा रखी है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ ने अपना कहर बरपा रखा है। इसके चलते हजारों लोग विस्थापित होने को मजबूर हो गए हैं।

खासकर पंजाब में बाढ़ ने जमकर जान और माल की हानि की है। इसी बीच अभिनेत्री सरगुन मेहता ने भी पंजाब के लोगों की बढ़-चढ़कर मदद करने की अपील की है। पंजाब में बाढ़ का सबसे ज्यादा कहर देखने को मिल रहा है। अमृतसर में 35 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, फिरोजपुर में 24 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य से अब तक करीब 15 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है।सरगुन मेहता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, पंजाब को अब पहले से कहीं अधिक हमारी जरूरत है। एक दिन या एक महीने में भी सब ठीक नहीं हो जाएगा, इसमें समय लगेगा। लेकिन अगर हम कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े हों, तो हम अपनी जमीन और अपने लोगों को फिर से खड़ा होने में मदद कर सकते हैं।

उन्होंने आगे लिखा, हम जो कर सकते हैं, कर रहे हैं। हर योगदान, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, बहुत बड़ा बदलाव लाता है। अपनी इंस्टा स्टोरी में मैंने कुछ जानी-मानी संस्थाओं के बारे में बताया है जो जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम कर रही हैं। आप भी हो सके तो हर संभव तरीके से उनका साथ देने की कोशिश करें। साथ मिलकर हम बहुत से लोगों की जिंदगी का पुनर्निर्माण कर सकते हैं। साथ मिलकर हम पंजाब में उम्मीद की किरण जगा सकते हैं। इससे पहले अभिनेत्री करीना कपूर, सोनू सूद, और सिंगर-एक्टर एमी विर्क जैसे सितारे भी लोगों से पंजाब और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील कर चुके हैं। पंजाब में बाढ़ से हालात बहुत ही खराब हैं। इसके चलते वहां पर 7 सितंबर तक स्कूलों की छुट्टियां भी घोषित कर दी गई हैं।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे: जेनेलिया डिसूजा

हिंदी अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं।

जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है। बालों को उन्होंने हल्का कर्ल कर करके पीछे की ओर बांधा हुआ है, और उसमें सफेद फूलों का एक छोटा सा गजरा है, जो उनके पूरे लुक में चार चांद लगा रहा है।

पहली तस्वीर में जेनेलिया नीचे बैठी हैं, उनकी नजरें झुकी हुई हैं और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है, मानो वो किसी सुनहरे ख्यालों में डूबी हुई हों। दूसरी तस्वीर क्लोजअप क्लिक है। इसमें वह पलके नीचे झुकाते हुए कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह खड़ी हैं और कहीं और देख रही हैं।

इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे।जेनेलिया के इस पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। लोग उनके लुक के साथ-साथ आउटफिट की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, आपकी स्माइल ही तो हमारी मुस्कान की वजह है।

दूसरे फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती की बात ही अलग है। अन्य फैंस ने उन्हें 'एथनिक क्वीन' का टैग दिया।

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी की वापसी, प्रभास ने कहा, देखने के लिए बेताब हूं स्वीटी

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'घाटी' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और फैंस की नजरें बस इसी पर टिकी हैं। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी।

प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने 'घाटी' का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से 'स्वीटी' कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी का ट्रेलर बहुत ही दमदार लग रहा है। स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं!

फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा।

प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' में एक साथ काम किया था।अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था। 'घाटी' में उनका अंदाज एकदम अलग है।फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्द-ोजहद को भी दिखाया गया है।फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म 'वेदम' में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं। पहले यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में शेड्यूल हुई थी, लेकिन काम पूरा नहीं हो पाया, जिसके चलते मेकर्स को डेट आगे बढ़ानी पड़ी। अब यह फिल्म 5 सितंबर को तमिल, तेलुगू, हिंदी और अन्य भाषाओं में प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

विधायक अपने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का करें सघन निरीक्षण : भजनलाल

जयपुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार द्वारा अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य व्यापक स्तर पर जारी हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायकों को अतिवृष्टि से उत्पन्न समस्याओं से आमजन को राहत देने के लिए 5, 6 एवं 7 सितम्बर (तीन दिन) अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के सघन निरीक्षण के विशेष निर्देश दिए। साथ ही, प्रभारी मंत्री तथा सचिव को भी अपने क्षेत्रों में दो दिन तक दौरा कर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों के साथ हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

शर्मा गुरूवार को प्रदेश में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति पर विधानसभा में विधायकगणों के साथ चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 1 जून से 1 सितम्बर तक औसत बारिश से 56 प्रतिशत से अधिक बारिश हुई है। ऐसे में सभी विधायक अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में जाएं तथा जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर राहत-बचाव कार्यों को और अधिक गति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार तात्कालिक राहत के साथ-साथ बारिश और बाढ़ से प्रतिवर्ष होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसके लिए हम दीर्घकालिक योजनाएं बनाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की परेशानियों को प्रभावी रूप से दूर कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभारी मंत्री एवं विधायकगण अपने-अपने क्षेत्र में अधिकारियों और प्रशासन से नियमित रूप से फीडबैक लें। उन्होंने विधायकों को अपने क्षेत्र में जिला कलक्टर और उच्च अधिकारियों के साथ नियमित बैठक करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने विधायकगणों को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों का मनोबल बढ़ाने, निचले इलाकों से लोगों को समय पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, भोजन पैकेट, पीने का पानी, दवाइयों एवं कपड़ो के वितरण की सतत निगरानी के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्र में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित अस्थायी आश्रय की व्यवस्था करवाएं। साथ ही, नियंत्रण कक्ष एवं हेल्पलाइन पर नजर रखें एवं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा स्वयंसेवकों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें।

शर्मा ने कहा कि विधायक मीडिया एवं आमजन को नियमित रूप से जानकारी दें ताकि अफवाह न फैले। साथ ही, सोशल मीडिया पर भी राहत कार्यों एवं हेल्पलाइन नंबर की जानकारी साझा करें।

उन्होंने राहत शिविरों एवं प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा टीमों की तैनाती, पशुओं के टीकाकरण एवं पेयजल स्रोतों के क्लोरीनेशन, राहत शिविरों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता की निगरानी, सुरक्षित पानी पीने, भोजन की स्वच्छता एवं गंदे पानी से दूर रहने के बारे में जागरूक करने के भी निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स वैन का निरीक्षण कर उपकरणों की अनुपलब्धता पर जताया असंतोष

कोटपूतली-बहरोड़, 04 सितंबर (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स वैन (एमएफटीएल) का निरीक्षण कर इसमें उपलब्ध उपकरणों, संधारित रजिस्टर और अब तक की गई सैंपलिंग की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप उपकरणों की अनुपलब्धता और नॉन-फंक्शनल पाए जाने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और संबंधित फूड सेफ्टी अधिकारियों एवं लैब टेकनिशियन को सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि आमजन को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत को निर्देश दिए कि वैन में सभी उपकरण मानकों के अनुरूप सक्रिय किए जाएं, टीम की ड्यूटी लगाई जाए, रूट चार्ट तैयार कर नियमित सैंपलिंग की जाए और रिपोर्ट समय पर दर्ज की जाए।

जिला कलेक्टर ने बताया कि फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स वैन, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की पहल है, जिसके माध्यम से दूध, पानी, तेल आदि खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच की जाती है। यह मोबाइल यूनिट आम नागरिकों और खाद्य व्यवसाय संचालकों को खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और स्वस्थ खान-पान की आदतों के प्रति जागरूक भी करती है। उन्होंने नोडल अधिकारियों शशिकांत शर्मा और नेहा शर्मा को आवश्यक सुधार कर आगामी सोमवार तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि यह बहुउद्देशीय वाहन मिल्क एनालाइजर, हॉट एयर ओवन, डिजिटल वेइंग स्केल सहित विभिन्न उपकरणों से लैस है, जो दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा निगरानी को प्रभावी बनाने में सहायक है और इसका लाभ आमजन तक पहुंचना चाहिए।

अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

झालावाड़, 04 सितंबर (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी कोटा इकाई ने गुरुवार को झालावाड़ में उप निदेशक महिला एवं बाल विकास अधिकारी सत्यनारायण नावरिया और अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग हरिओम रावत को दस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी कोटा को एक शिकायत मिली थी कि परिवादी का प्राइवेट वाहन जनवरी से मई 2025 तक कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग झालावाड़ में अनुबंधित था। भुगतान का बिल स्वीकृत करने के लिए हरिओम रावत और उप निदेशक सत्यनारायण नावरिया ने परिवादी से रिश्वत की मांग की।

शिकायत में यह भी बताया गया कि यदि रिश्वत नहीं दी जाती, तो परिवादी के विरुद्ध रिकवरी (पुनर्भुगतान) कर दी जाएगी और भविष्य में वाहन विभाग में अनुबंधित नहीं किया जाएगा, जिससे परिवादी परेशान हो रहा था।एसीबी कोटा के उप महानिरीक्षक पुलिस आनन्द शर्मा के सुपरविजन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार एवं पुलिस उप अधीक्षक अनिष अहमद ने ट्रेप कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।अब आरोपीगण से पूछताछ जारी है और मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामला आरोपी रिंकू यादव गिरफ्तार

जयपुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में पेपर लीक कर लिखित परीक्षा में अवैध रूप से उत्तीर्ण होने के आरोप में रिंकु यादव को गिरफ्तार किया गया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, ए.टी.एस. एवं एस.ओ.जी. वी. के. सिंह ने बताया कि अनुसंधान के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक प्रकरण संख्या 10/2024 में रिंकु यादव की भूमिका सामने आई।

जांच में पता चला कि रिंकू यादव ने पहले से गिरफ्तार कार्तिकेय शर्मा के साथ मिलकर पेपर लीक गिरोह के सदस्य विनोद कुमार जाट से पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 का लीक सॉल्वड पेपर 8 लाख रुपये में प्राप्त किया। दिनांक 14.9.2021 को आयोजित परीक्षा से पूर्व यह लीक सॉल्वड पेपर कार्तिकेय शर्मा के मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा गया। रिंकु यादव ने उक्त पेपर पढ़कर परीक्षा में भाग लिया और लिखित परीक्षा में हिंदी विषय में 126.01 तथा सामान्य ज्ञान में 160.65 अंक प्राप्त किए।

जर्जर आंगनवाड़ी भवनों को तत्काल प्रभाव से अन्यत्र स्थानान्तरित किया जाए : दिया कुमारी

जयपुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी एवं निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण एवं जर्जर / मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी भवनों के जीर्णोद्धार के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में मुख्य अभियंता (भवन), सार्वजनिक निर्माण विभाग, समग्र शिक्षा अभियान के तकनीकी अधिकारी, प्रभारी, नन्द घर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें । वहीं राज्य के सभी जिलों के उपनिदेशक वीडियो कांफ्रेंस से जुड़े।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्य में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण एवं जर्जर / मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी भवनों के जीर्णोद्धार के कार्यों की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि उक्त कार्य समयबध्दता से पूर्ण करें तथा आवंटित किए गए बजट का समुचित उपयोग किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी आंगनबाड़ियों को आदर्श आंगनबाड़ी बनाने के ध्येय से अधिकारी फील्ड में कार्य करें साथ ही नियमित मॉनिटरिंग भी करें। उन्होंने जिला उप निदेशकों को निर्देशित किया कि जिला कलेक्टर्स के माध्यम से जिलों की आंगनबाड़ियों का सर्वे शीघ्र पूर्ण करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला उपनिदेशक यह भी सुनिश्चित करें कि जिलों में असुरक्षित और जर्जर आंगनबाड़ी भवनों को डेमोलिश किया जाए तथा उक्त आंगनबाड़ी केंद्रों को

तत्काल प्रभाव से अन्यत्र स्थानानंरित किया जाए इसमें किसी भी तरह की कोई चूक नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए।

दिया कुमारी ने अभी तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं करवाने वाले जिला उपनिदेशकों से नाराजगी जताते हुए कहा कि जिलों से अगले 15 दिवस में प्रगति की चर्चा की जाएगी। सिविल कार्य हुए हैं या नहीं इसकी प्रगति रिपोर्ट अगले एक सप्ताह में प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें, साथ ही यह ध्यान रखा जाए कि आंकड़ों में कोई अंतर नहीं हो। उन्होंने निर्देश दिए कि नियमित रूप से तय लक्ष्यों की प्राप्ति करें साथ किये गए कार्यों की सम्पूर्ण रिपोर्ट प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की कोताही बरते जाने को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित कार्यों की टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र फाइनल कर, कार्यों को शीघ्र शुरू करवाया जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उपनिदेशक फील्ड में रहकर कार्यों को प्रभावी तरीक़े से मोनिटर करें।उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ियों के भवन आधारभूत सुविधाओं के साथ विकसित किये जाए। आंगनबाड़ियों के विकास कार्य ये राज्य सरकार के बजट के साथ साथ सीएसआर/ आपदा सहायता फंड/ डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड/ इंटरनेशनल विधायक निधी के तहत जिला कलेक्टर्स के माध्यम से भी करवाये जानने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं।

जीएसटी स्लैब में बदलाव आर्थिक सुधारों की दिशा में मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम : बड़ौली

चंडीगढ़, 04 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती करना मोदी सरकार का आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि जनहित और राष्ट्रहित में जीएसटी दरों में किए गए बदलाव से मध्यम वर्ग, गरीबों किसानों को लाभ पहुंचेगा और देश को सशक्तिकरण की दिशा में आगे लेकर जाएगा। बड़ौली ने कहा कि इस फैसले से हर क्षेत्र को गति और उर्जा मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जीएसटी स्लैब में बदलाव देशहित में लाभकारी साबित होगा। रोजमर्रा व जन उपयोगी वस्तुएं, किसानों के काम आने वाले सामानों के अलावा बुनियादी चीजों पर आम जन को काफी राहत मिलगी। मोदी सरकार का जीएसटी स्लैब में सुधार और सरलीकरण करना हर वर्ग के लिए लाभप्रद है।

पंडित मोहन लाल ने कहा कि लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को लाल किला की प्राचीर से देशवासियों को बड़ी राहत देने की घोषणा की थी जिसे आज मोदी सरकार ने मूर्तरूप दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली से पहले ही देशवासियों को बड़ा उपहार दिया है। जीएसटी के स्लैब में हुए इस बदलाव से देशवासियों को राहत मिलेगी।

हरियाणा में बनेंगे क्वालिटी पर खरे उतरने वाले प्रोडक्ट : अश्विनी वैष्णव

चंडीगढ़, 04 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार की औद्योगिक नीति से प्रभावित होकर व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से आईएमटी सोहना में जापान की प्रसिद्ध कंपनी एटीएल ने करीब 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करते हुए लिथियम आयन बैटरी निर्माण का एशिया का सबसे बड़ा पहला प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से करीब 5 हजार से अधिक युवाओं को सीधा रोजगार मिलेगा। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से तैयार लिथियम आयन बैटरी की निर्माण इकाई की स्थापना से हरियाणा की पहचान औद्योगिक क्षेत्र में नए रूप से उभरेगी।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आईएमटी सोहना में एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के इस मेगा प्रोजेक्ट का वीरवार को शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, टीडीके ग्रुप से सैटो व शशिदा, मुख्यमंत्री के विदेशी सहयोग सलाहकार पवन चौधरी, आईसीडब्ल्यूए से पंकज महेंद्रू भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जिस तरह जापान अपने प्रोडक्ट बनाने में क्वालिटी पर भरोसा करता है, उसी तरह अब हरियाणा में भी क्वालिटी पर खरे उतरने वाले प्रोडक्ट बनाए जाएंगे। आधुनिक भारत में आज इलेक्ट्रॉनिक से संबंधित सभी सामान बनाए जा रहे हैं, जिसका सीधा लाभ देश के उपभोक्ताओं व युवाओं को रोजगार के रूप में मिल रहा है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि आज का यह दिन हरियाणा के औद्योगिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा आज आत्मनिर्भरता, नवाचार और वैश्विक सहयोग का पर्याय बन चुका है। उन्होंने कहा कि एटीएल ग्रुप (टीडीके कॉरपोरेशन, जापान) ने हरियाणा की धरती पर अत्याधुनिक लिथियम आयन बैटरी निर्माण इकाई स्थापित कर ऐतिहासिक पहल की है।

बाढ़ से हरियाणा बेहाल, जल निकासी की व्यवस्था करे सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 04 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि पंजाब के बाद लगभग पूरा हरियाणा भी अब बाढ़ और जलभराव की चपेट में आ चुका है। गांव, खेत, गलियां, सड़कें, हाइवे और शहर सब जलमग्न हो गए हैं। तमाम प्रभावित लोग सरकारी मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं। सरकार को तुरंत विशेष गिरदावरी की प्रक्रिया शुरू करके, फसलों को हुए नुकसान का 100 प्रतिशत मुआवजा देना चाहिए। साथ ही मकानों व दुकानों को हुए नुकसान का मुआयना करके जल्द मुआवजे का ऐलान करना चाहिए। प्रदेश और केंद्र सरकार को सक्रिय होकर बाढ़ प्रभावित स्थानों पर राहत कार्य शुरू करना चाहिए। अबतक जो कार्य किए जा रहे हैं, वो नाकाफी हैं, जिसके चलते जलभराव लगातार बढ़ता जा रहा है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में कांग्रेस के तमाम नेता, कार्यकर्ता, विधायक और सांसद भी लगातार अपनी क्षमतानुसार राहत कार्यों में लगे हुए हैं। ऐसे में अधिकारियों को चाहिए कि जो भी जमीनी जानकारी कांग्रेसजन प्रशासन तक पहुंचाए, उसका तुरंत संज्ञान लेते हुए मुस्तैदी के साथ समाधान किया जाए। हुड्डा ने तमाम सक्षम लोगों से भी आगे आकर हाथ बंटाने की अपील की है। तमाम लोग आर्थिक या राहत सामग्री के तौर पर, जिस भी तरह की मदद बाढ़ पीड़ित लोगों को पहुंच सकें, जल्द से जल्द पहुंचानी चाहिए। मुश्किल की इस घड़ी में एक-दूसरे का साथ देना ही इंसानियत और भाईचारा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में और बारिश होने की संभवना है, जो चिंता बढ़ाने वाली है। इससे निपटने के लिए सरकार को बाढ़ प्रभावित इलाकों में जल निकासी के लिए वाटर पंप, मोटर और जनरेटर की व्यवस्था कर देनी चाहिए। साथ ही लोगों के लिए खाने व पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित करे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की व्यवस्था की जाए।

हुड्डा ने कहा कि इस जल प्रलय से सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को हुआ है। उनकी फसलें, मकान और मवेशी तक डूब गए हैं। इंसानों के लिए खाने और मवेशियों के लिए चारे का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार चारे व खाने का बंदोबस्त करने के साथ तुरंत किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे का ऐलान करे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित पंजाब के लिए भी मदद की मांग करी है। उन्होंने कहा है कि इस बाढ़ ने खेती-बाड़ी, मवेशी, मकान, दुकान और व्यापार सबकुछ तबाह कर दिया है। पंजाब में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रदेश और केंद्र की दोनों सरकारों को राहत कार्य और मुआवजे में किसी तरह की कोर कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने कि कोशिश करें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। वैवाहिक जीवन में निजता का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। आप सभी पारिवारिक कर्ज़े ख़त्म करने में क़ामयाब रहेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने काम-से-काम रखना बेहतर रहेगा। कम-से-कम दख़ल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। किसी ऐसे इंसान के साथ समय बिताना जिसका साथ आपको बहुत पसंद न हो, आपकी खीझ की वजह हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। आपको ख़ुशी से भरी जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। आप दोनों आज बहुत मज़े करने वाले हैं। बेरोजगारों को आज के दिन नौकरी न मिलने का मलाल हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपको अपने जीवनसाथी का दैवीय पक्ष देखने को मिल सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है। जीवन का आनंद अपने लोगों को साथ लेकर चलने में है यह बात आज आप स्पष्टता से समझ सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। किसी बुज़ुर्ग की सेहत चिंता का सबब बनेगी। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। आपका जीवनसाथी वाक़ई आपके लिए फ़रिश्तों की तरह है और आपको आज यह एहसास होगा। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 सितंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 03:15 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 11:39 तक
योग : शोभन दोपहर 01:52 तक
करण : कौलव सायं 03:47 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजनीतिक विचारधारा का विरोध मंजूर, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियां स्वीकार नहीं: सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में बीजेपी ने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस नेताओं द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में बिहार बंद का आयोजन किया गया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी और कांग्रेस पर निशाना साधा। बीजेपी प्रवक्ता सुषमा साहू ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की आलोचना की। बीजेपी महिला मोर्चा अध्यक्ष धर्मशीला गुप्ता ने भी विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लिया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने पांच घंटे का बिहार बंद किया। यह बंद पीएम मोदी के साथ एकजुटता दिखाने और विपक्ष के कथित अनादर के खिलाफ एक कड़ा संदेश देने के लिए किया गया था।

बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी और कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। बीजेपी ने इसके विरोध में पांच घंटे का बिहार बंद आयोजित किया। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने गया और दाना-पुर सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में मातृत्व का जन्म हुआ है। यहां दूसरी माताओं का सम्मान करने की परंपरा है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग, खासकर माताएं और बहनें, बहुत दुखी हैं।

उन्होंने खुद भारत बंद का आह्वान किया और उन्हें बीजेपी और एनडीए का समर्थन मिला। चौधरी ने सवाल किया कि वे पीएम की मां को कैसे गाली दे सकते हैं? उन्होंने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस ने माताओं और बहनों को गाली दी है। यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक दिन है।

चौधरी ने पीएम मोदी के दर्द को समझने और भारत बंद करके कांग्रेस और आरजेडी नेताओं को करारा जवाब देने के लिए बिहार की माताओं और बहनों को धन्यवाद दिया। चौधरी ने यह भी कहा कि राजनीतिक मामलों पर चर्चा की जा सकती है, राजनीतिक विचारधाराओं का विरोध किया जा सकता है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों की अनुमति नहीं है।

इससे पहले, बिहार बीजेपी की प्रवक्ता सुषमा साहू ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा कार्यक्रम के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। सुषमा साहू ने कहा, 'क्या राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की आंखें पीएम मोदी की दिवंगत मां के लिए इस्तेमाल किए गए अपमानजनक शब्दों पर बंद हैं? राहुल गांधी संदर्भ से बाहर गंदी बातें करने में माहिर हैं। तेजस्वी के घर में दस महिलाएं रहती हैं। वह इतनी गंदी बातें कैसे कर सकते हैं?

उन्होंने कहा कि तेजस्वी रील्स बनाने में मजे कर रहे हैं और उन्हें कोई पछतावा नहीं है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को पटना मरीन ड्राइव पर एक वायरल वीडियो में नाचते हुए देखा गया है। उन्होंने इसे एक्स पर शेयर किया था। वीडियो में वे 16 दिवसीय वोटर अधिकार यात्रा के समापन के बाद बिहार के युवाओं के साथ नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष धर्मशीला गुप्ता ने भी दोनों विपक्षी नेताओं की आलोचना की और कहा कि किसी की मां को गाली देना बीजेपी की संस्कृति नहीं है। उन्होंने कहा, बीजेपी महिलाओं के सशक्तिकरण का सम्मान करती है। आप 2007 में गुजरात से उदाहरण ले सकते हैं, जब सोनिया गांधी ने गाली देना शुरू किया था, वह बीजेपी की संस्कृति नहीं है।

उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी और तेजस्वी यादव क्या कहेंगे? उन्होंने अपने सदस्यों से उन्हें गाली दिलवाई और वे इसका आनंद ले रहे थे। अगर उन्हें मां का थोड़ा सा भी ज्ञान होता, तो वे तुरंत उस कार्यकर्ता को डांटते, लेकिन नहीं, दरभंगा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। राहुल गांधी इस कृत्य के लिए हमारी बहन के आंसुओं में भीग जाएंगे।' बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष ने कहा कि बिहारी किसी की मां का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'आज, बिहार के लोगों ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को खारिज कर दिया है। हम बिहार का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे!

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने टिप्पणियों के विरोध में पांच घंटे का बिहार बंद किया। कार्यकर्ताओं ने पटना में विरोध प्रदर्शन किया। बंद पीएम मोदी के साथ एकजुटता और विपक्ष के कथित अनादर के खिलाफ एक कड़ा संदेश था।

नीरज कुमार सिंह का विपक्ष पर हमला

जिनके दौर में बूथ लूट थी आम, वही लगा रहे झूठे आरोप

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल जिले के छातापुर में बुधवार को एनडीए के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री एवं छातापुर विधायक नीरज कुमार सिंह बबलू ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। छातापुर विधायक ने कहा कि जिनके शासनकाल में बूथ लूट और मतपेटी हेराफेरी की घटनाएं आम थीं, वही आज चुनाव आयोग पर झूठे आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 2005 के पहले का गुंडागर्दी का दौर वापस लाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब बिहार की जनता इनके झांसे में नहीं आएगी।

उन्होंने अपने 20 वर्षों के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि बिना किसी भेदभाव के क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी योजनाओं पर काम हुआ है। अगर विपक्ष को विकास नहीं दिखता, तो उन्हें ङ्गआंख का इलाज करवाना चाहिए। मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि वीरपुर से जल्द हवाई सेवा शुरू होगी। साथ ही महिला आरक्षण, स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता और पेंशन बढ़ोतरी की उपलब्धियां भी गिनाईं।

सम्मेलन में मंत्री हरि सहनी ने विधायक नीरज बबलू को शेर जैसा नेता बताते हुए जनता से अपार समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति बदहाल थी, लेकिन नीतीश कुमार और एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की राह पर खड़ा किया। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सम्मेलन में उमड़ी भीड़ को एनडीए के पक्ष में मजबूत जनसमर्थन का संकेत बताया। वहीं, पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने विपक्ष को बहुरूपिया बताते हुए जनता को सावधान रहने की नसीहत दी।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र ऋषिदेव की अध्यक्षता रही और कई नेताओं ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की विकासपरक नीतियों का उल्लेख किया।

वक्ताओं ने विपक्ष पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि दरभंगा में पीएम की मां को गाली देने जैसी घटनाओं ने जनता को आक्रोशित किया है और इसका जवाब विधानसभा चुनाव में मिलेगा। मौके पर कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

एक विवाह ऐसा भी : जिसने दुष्कर्म किया, अब वही बना पति

जेल में आरोपी-पीड़िता ने की शादी

दरभंगा (एजेंसियां)।

मधुबनी जिले से एक अनोखा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश मधुबनी मंडल कारा परिसर में दुष्कर्म के आरोपी युवक की शादी उसी केस की पीड़िता से कराई गई। जेल अधीक्षक, अधिवक्ता और दोनों पक्षों की मौजूदगी में विधिवत सात फेरे पूरे हुए। दरअसल, पिछले वर्ष पीड़िता ने महिला थाने में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। यह केस एडीजे प्रथम के न्यायालय में विचाराधीन है। आरोपी जेल में बंद था और उसकी जमानत याचिका पहले जिला अदालत से खारिज हो चुकी थी। बाद में उसने पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि आरोपी और पीड़िता के बीच आपसी समझौता हो चुका है और दोनों शादी कर साथ रहना चाहते हैं। इसके बाद हाईकोर्ट ने एडीजे कोर्ट को मामले की पुष्टि करने का निर्देश दिया।

अदालत में आरोपी और पीड़िता ने विवाह की इच्छा जताई, जिसके बाद जेल परिसर में ही शादी की अनुमति दी गई।

जेल अधीक्षक ओम प्रकाश शांति भूषण ने बताया कि अदालत के आदेश के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया है और इससे जुड़े सभी साक्ष्य न्यायालय को सौंपे जाएंगे। बताया जा रहा है कि आरोपी और पीड़िता लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे और अब विवाह के बाद साथ रहना चाहते हैं। यह घटना पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गई है। एक ओर इसे आपसी सहमति से रिश्ते को वैधानिक रूप देने की पहल माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर समाज के अलग-अलग वर्गों से मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यह मामला न केवल कानूनी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक नजरिए से भी, क्योंकि पहली बार जिले में किसी दुष्कर्म आरोपी और पीड़िता का विवाह जेल परिसर में संपन्न हुआ है।

मधुबनी में कला उत्सव-2025 का शुभारंभ

डीएम ने दिया विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र

दरभंगा (एजेंसियां)।

मधुबनी में बुधवार (3 सितंबर) को कला उत्सव-2025 का भव्य आगाज हुआ। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने वाटसन उच्च विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय कला उत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिले के सरकारी और निजी विद्यालयों के 9वीं से 12वीं कक्षा तक के चयनित विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बताया गया कि कला उत्सव की शुरुआत वर्ष 2015 में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी।

इसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना और उन्हें मंच प्रदान करना है। समग्र शिक्षा योजना 2025-26 के तहत मधुबनी जिला प्रशासन ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

इस बार उत्सव की थीम ङ्गविकसित भारत-2047 में भारत की परिकल्पनाङ्ख रखी गई है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने 12 विधाओं - संगीत (गायन), संगीत (वादन), नृत्य, नाटक, दृश्य कला और चित्रकला आदि में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता में चयनित होना महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन जो विद्यार्थी चयनित नहीं हो पाए, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है।

सफलता के लिए निरंतर प्रयास और खेल भावना ही सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी इंग्लैंड की रही, 20वीं सदी अमेरिका की रही और 21वीं सदी निश्चय ही भारत की होगी।

डीएम ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य पर पूरी निष्ठा और एकाग्रता से ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा, ङ्गआप सभी को केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि जिले, राज्य और देश का नाम भी रोशन करना है। यही प्रयास भारत को विकासशील से विकसित बनाएगा।ङ्ख साथ ही, जिलाधिकारी ने मधुबनी में बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए ऑडिटोरियम की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिले में शीघ्र ही आधुनिक संसाधनों से युक्त ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों की प्रतिभा को और बेहतर मंच मिल सके।

राहुल-तेजस्वी का पुतला दहन

ओबीसी मोर्चा और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में बुधवार (3 सितंबर) को ओबीसी मोर्चा पूर्वी जिलाध्यक्ष कुंदन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया गया। कार्यकर्ताओं ने कल्याणी चौक पर दोनों नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और माफी की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शन के दौरान 'राहुल गांधी मुर्दाबाद, तेजस्वी यादव मुर्दाबाद' के नारे गूंजते रहे।

ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष कुंदन गुप्ता के साथ महामंत्री आकाश पटेल और राकेश रंजन ने इस विरोध का नेतृत्व किया। मोर्चा कार्यकर्ताओं का कहना है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी पर सार्वजनिक माफी मांगनी होगी, तभी विरोध समाप्त होगा।

इसी क्रम में बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। बीजेपी नेता साकेत ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ आपत्तिजनक बयान को पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक माफी नहीं मांगी जाती, विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन लगातार जारी रहेगा।

पुतला दहन और प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष विवेक कुमार, जिला प्रभारी रमेश श्रीवास्तव, महामंत्री मुकेश शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक झा, मंत्री पूनम वर्मा, रितु आनंद, मीडिया प्रभारी रंजन ओझा समेत बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और ओबीसी मोर्चा से जुड़े नेता मौजूद रहे।

सुपौल में शराब लदी स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, चालक की मौके पर मौत

सुपौल (एजेंसियां)।

मरौना थाना क्षेत्र के मधेपुर-भलुआही रोड पर बुधवार सुबह एक शराब से लदी स्कॉर्पियो (बीआर 01पीएच 9279) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जामुन के पेड़ से टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो चालक 24 वर्षीय रामप्रवेश कुमार यादव (निवासी किसनीपट्टी, घोघरडीहा थाना, मधुबनी) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और पेड़ का आधा हिस्सा टूटकर गाड़ी पर गिर गया। रामप्रवेश स्टेयरिंग सीट पर फंस गया, जिसे बाहर निकालने में पुलिस को करीब 4 घंटे लग गए। अंततः दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में मधेपुर से आ रही थी। भलुआही गांव स्थित विश्वकर्मा मंदिर से कुछ ही दूरी पहले वाहन अनियंत्रित होकर निजी जमीन में बने पिलर को तोड़ते हुए पेड़ से जा टकराया। स्थानीय लोगों और मृतक के करीबी मिथिलेश मंडल के अनुसार, रामप्रवेश कुछ समय पहले तक गलत धंधों से दूर हो गया था, लेकिन रुपये के लालच में फिर से शराब तस्करी से जुड़ी गाड़ी चलाने लगा। बताया गया कि यह गाड़ी विक्रमरही गांव निवासी अवधेश यादव की है।

मरौना थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि हादसे के बाद गाड़ी में मौजूद अधिकतर शराब की बोतलें टूट गईं, जबकि बची हुई बोतलों की गिनती कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है।

कटिहार में ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, 118 करोड़ की लागत से बनेगा नया रोड ओवर ब्रिज

पूर्णिया (एजेंसियां)।

कटिहार जंक्शन पर यातायात जाम को कम करने की दिशा में रेल मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने मुकुरिया इंड पर 118.61 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 2 लेन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह आरओबी मौजूदा लेवल क्रॉसिंग गेट घच-2 और घघ-1 की जगह लेगा, जो कटिहार-दंडखोरा और कटिहार-मियाना सेक्शन के बीच पड़ते हैं।

ये लेवल क्रॉसिंग राज्य राजमार्ग 98 को राष्ट्रीय राजमार्ग 31 से जोड़ने वाली व्यस्त सड़क पर स्थित हैं। यहां ट्रेन परिचालन के दौरान गेट बंद होने से लंबे समय तक जाम लगता था। ट्रैफिक सेंसस 2024 के अनुसार, इन क्रॉसिंग्स पर टीवीयू क्रमशः 1,11,420 और 2,91,024 दर्ज किए गए, जो पिछले वर्षों में रेल और सड़क परिवहन दोनों में तेज़ वृद्धि को दर्शाता है। इसी वजह से आरओबी निर्माण की जरूरत महसूस की गई।

निर्माणाधीन आरओबी में 30 स्पैन का पीएससी गर्डर वायडक्ट और 2 स्पैन का स्टील गर्डर वायडक्ट शामिल होगा। फिलहाल इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। रेल मंत्रालय का मानना है कि इस आरओबी के बन जाने से न केवल कटिहार क्षेत्र में रेल परिचालन की सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी, बल्कि सड़क उपयोगकर्ताओं और पैदल यात्रियों को भी जाम से निजात और सुरक्षित आवाजाही मिल सकेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com